ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हम्पी बलात्कार की घटना को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा: गृह मंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 10 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-68

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संगठन के उच्चायुक्त ने किया खुलासा

भारत के खिलाफ साजिश में संयुक्त राष्ट्र भी शामिल

बांग्लादेश और भारत की सरकारों को अस्थिर करने और तख्तापलट करने की साजिशों में संयुक्त राष्ट्र भी शामिल था। भारत विरोधी अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस, अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, बिल क्लिंटन, हिलेरी क्लिंटन, बराक ओबामा के साथ संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संगठन के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क मिल कर बांग्लादेश और भारत में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संगठन के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने खुद यह स्वीकार किया है और षडयंत्र के कई महत्व-पूर्ण अध्याय खोल दिए हैं।

वैश्विक संकटों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका लंबे समय से बहस का विषय रही है, लेकिन मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के एक चौंकाने वाले खुलासे ने बांग्लादेश के हालिया उथल-पुथल में इसकी भागीदारी के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। बीबीसी के साथ एक स्पष्ट साक्षात्कार में, तुर्क ने स्वीकार किया कि संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश सशस्त्र बलों को सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने से सक्रिय रूप से हतोत्साहित किया, जो वास्तव में अल कायदा, आईएसआईएस, हिज्ब उत-तहरीर और हमास जैसे चरमपंथी समूहों के सदस्य थे। उनकी स्वीकारोक्ति से पता चलता है कि संयुक्त राष्ट्र ने न केवल सुविधा प्रदान की, बल्कि 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार को उखाड़ फेंकने वाले जेहादी तख्तापलट में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। जैसे-जैसे नए विवरण सामने आते हैं, मुहम्मद यूनुस और जॉर्ज सोरोस जैसे विवादास्पद व्यक्तियों के साथ तुर्क के गहरे संबंधों के बारे में सवाल उठ रहे हैं। और यह भी कि संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार नेतृत्व बांग्लादेश को अस्थिर करने में शामिल रहा है।

5 मार्च 2025 को बीबीसी के साथ इंटरव्यू के दौरान, प्रस्तुतकर्ता ने तुर्क से गाजा, सूडान, यूक्रेन और अन्य युद्धग्रस्त क्षेत्रों में संकटों के बारे में सवाल किया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार इन संघर्षों को हल करने में संयुक्त राष्ट्र की स्पष्ट शक्तिहीनता पर जोर दिया गया। जवाब में, तुर्क ने कहा, मैं आपको पिछले साल बांग्लादेश का उदाहरण दे रहा हूं। जुलाई-अगस्त के दौरान, छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए गए थे। वे शेख हसीना के नेतृत्व वाली पिछली सरकार से तंग आ चुके थे, वहां बड़े पैमाने पर दमन हो रहा था। प्रदर्शनकारियों के लिए सबसे बड़ी उम्मीद वास्तव में हमारी आवाज़, मेरी आवाज़ और हम जो कर पाए, वह थी। हमने स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया। और हमने वास्तव में सेना को चेतावनी दी कि अगर वे इसमें शामिल हुए, तो उन्हें शांति मिशनों में सैनिकों का योगदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। परिणामस्वरूप, हमने बदलाव देखे।

शुभ-लाभ चिंता

वोल्कर तुर्क ने कहा, जब मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम प्रशासन के नए मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला, तो उन्होंने मुझसे तुरंत पूछा, क्या आप हमें स्थिति पर प्रकाश डालने और जो कुछ हो रहा था उसकी जांच करने के लिए एक तथ्य-खोज मिशन भेज सकते हैं? हमने ऐसा ही किया, और इससे वास्तव में मदद मिली। मैं पिछले साल बांग्लादेश गया था। छात्र हमारे स्टैंड लेने, हमारे बोलने और उनका समर्थन करने के लिए बहुत आभारी थे।

यहां, वोल्कर तुर्क ने साफ-साफ झूठ बोला। वह दशकों से जॉर्ज सोर-ोस के वेतनभोगी हैं और हिलेरी क्लिंटन और मुहम्मद यूनुस के साथ उनके लंबे समय से संबंध हैं। जैसे ही इस्लामवादियों और जेहादियों ने जेहादी तख्तापलट की तैयारी में अपने सरकार विरोधी प्रदर्शनों को तेज किया, मुहम्मद यूनुस ने फ्रांस से तुर्क को फोन किया और शेख हसीना को हटाने और उनकी हत्या में उनके प्रभाव का अनुरोध किया। यूनुस ने तुर्क से आग्रह किया कि वह बांग्लादेश सशस्त्र बलों पर दबाव डाले और धमकी दे कि अगर वे यूनुस के इस्लामवादियों और जेहादियों के नेटवर्क के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हैं तो उन्हें संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन से निकाल दिया जाएगा।

वोल्कर तुर्क के कबूलनामे से एक और चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि उन्होंने अवामी लीग सरकार द्वारा उपद्रवी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित दमन की जांच के लिए एक तथ्य-खोज मिशन के आयोजन में भूमिका निभाई थी। इससे पहले, तुर्क ने बांग्लादेश की यात्रा की, मुहम्मद यूनुस और उनके इस्लामिस्ट-जेहादी सहयोगियों के साथ बैठकें कीं और बाद में एक रिपोर्ट तैयार की, जिसका इस्तेमाल यूनुस ने अपने शासन के तहत किए गए बड़े पैमाने पर अपराधों और आतंकवादी कृत्यों को सही ठहराने के लिए ढाल के रूप में किया है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय द्वारा जारी 12 फरवरी 2025 की रिपोर्ट का यूनुस शासन द्वारा शेख हसीना की सरकार को मानवाधिकारों का घोर उल्लंघनकर्ता और मानवता के खिलाफ अपराध करने वाली के रूप में चित्रित करने के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है। ▶10पर

अत्याचारी मुगल शासक औरंगजेब पर विवाद का होगा पटाक्षेप

मिट्टी में मिला दी जाएगी औरंगजेब की कब्र

मुंबई, 09 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में औरंगाबाद जिले के खुलदाबाद स्थित औरंगजेब की कब्र को विलीन किया जाएगा। औरंगजेब को लेकर देश में चल रही बेमानी बहस के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विवाद को ही मिट्टी में मिलाने का फैसला किया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने औरंगजेब की कब्र को लेकर कहा कि देश और प्रदेश के लोगों की मांग है कि अत्याचारी मुगल शासक औरंगजेब की कब्र को हटा दिया जाए। फडणवीस ने यह भी कहा कि यह काम जल्दबाजी में नहीं हो सकता। औरंगजेब की कब्र को कांग्रेस के जमाने में संरक्षित किया गया था और यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत आती है। लिहाजा, इसे हटाने के लिए बाकायदा कानून का रास्ता अपनाना पड़ेगा। फडणवीस ने कहा, कानून के माध्यम से ही भारत के इतिहास में लगी कालिख को हटाया जाएगा।

फडणवीस मुंबई में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के कार्यक्रम में बोल रहे थे। फडणवीस का बयान तब आया जब औरंगजेब की कब्र पर विवाद किया जा रहा है और विवाद समाप्त करने के लिए पूरे प्रदेश और देशभर में औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की जा रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह भी कहा कि कब्र का संरक्षण एक कानूनी प्रक्रिया के तहत हुआ था। इसे हटाने या उसमें बदलाव करने के लिए कानून का पालन करना जरूरी है।

कानून के जरिए हटाएंगे इतिहास की कालिख : फडणवीस

दो दिन पहले हिंदू जनजागृति समिति ने खुलासा किया कि औरंगजेब की कब्र के रखरखाव पर 2011 से 2023 तक 6.5 लाख रुपए खर्च हुए, जबकि इस दरम्यान सिंधु दुर्ग के मंदिर को सिर्फ 6 हजार रुपए मिले। सतारा के शाही परिवार के उदयनराजे भोसले ने भी 7 मार्च को कब्र हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि जो लोग औरंगजेब की कब्र पर जाते हैं और श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, वे उसका भविष्य हो सकते हैं। उन्हें वह कब्र अपने घर ले जानी चाहिए। अब औरंगजेब का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीते 4 मार्च को भाजपा नेता नवनीत राणा ने भी औरंगजेब की कब्र को ढहाने की मांग की थी। यह समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आज़मी के औरंगजेब की प्रशंसा के जवाब में था। समाजवादी पार्टी विधायक अबु आजमी ने कहा था कि औरंगजेब एक क्रूर, ▶10पर

पीएम मोदी के साथ सीएम योगी ने की मंत्रणा

चुनाव के लिए योगी बनाएंगे अपनी टीम

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात खास मकसद से हुई है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नए अध्यक्ष और मंत्रिमंडल के विस्तार पर सीएम योगी ने पीएम मोदी से दिशा-निर्देश प्राप्त किए। सीएम योगी की प्रधानमंत्री मोदी के साथ 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात हुई। करीब एक घंटे तक दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई।

इस मुलाकात के दौरान राज्य से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। यूपी में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और सांगठनिक चुनाव और प्रदेश में होने वाली नियुक्तियों को लेकर सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी से सलाह-मशविरा किया। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार 8 मार्च को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से भी मुलाकात की थी। यूपी में कैबिनेट विस्तार के संदर्भ में बात करें तो फिलहाल 6 मंत्रियों की जगह खाली है। इसको लेकर यूपी भाजपा और हाईकमान के बीच मंथन जारी है। यूपी भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को योगी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इसके अलावा विभिन्न आयोगों में नेताओं के समायोजन को लेकर भी सांगठनिक वार्ता जारी है।

भाजपा अध्यक्ष और मंत्रिमंडल पर हुई पीएम से चर्चा

कैबिनेट विस्तार के अलावा यूपी भाजपा के अध्यक्ष के लिए भी नाम की घो-षणा होनी है। कुछ नाम रेस में भी हैं। इनमें दलित नेता कौशल किशोर का नाम सबसे ऊपर है। इसके अलावा पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, बीएल वर्मा, धर्मपाल सिंह, स्वतंत्र देव सिंह के नाम इस रेस में लिया जा रहा है। यूपी में जिलाध्यक्षों के चयन के सिलसिले में पिछले दिनों भाजपा नेता विनोद तावड़े लखनऊ आए थे और जिलाध्यक्षों की सूची पर भी मंथन किया था। जिलाध्यक्षों की सूची आने के बाद ही अध्यक्ष पद के लिए नामांकन होगा।

यूपी के अगले विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ अपनी नई टीम बनाना चाहते हैं। इस नई टीम के तहत कुछ नेताओं को अगर संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है तो कुछ नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। सीएम योगी इस समय कई मंत्रियों के काम से संतुष्ट नहीं चल रहे हैं, ऐसे में पूरी संभावना है कि कई के मंत्रालय बदले जा सकते हैं और कुछ की छुट्टी भी की जा सकती है।

धनखड़ एम्स में भर्ती, मोदी ने ली स्वास्थ्य की जानकारी

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत रविवार को अचानक बिगड़ गयी जिसके बाद उन्हें यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) में भर्ती कराया गया।तिहत्तर वर्षीय श्री धनखड़ को आज तड़के बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत के बाद तत्काल एम्स ले जाया गया और कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में भर्ती कराया गया। उन्हें एक स्टेंट सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया है और डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। उनकी हालत अभी स्थिर बतायी गयी है।इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एम्स जाकर श्री धनखड़ के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। श्री मोदी ने कहा,एम्स जाकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

राज ठाकरे ने गंगा जल की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

मैं कभी इसमें डुबकी नहीं लगाऊंगा

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने गंगा नदी के पानी की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मैं कभी भी नदी में पवित्र डुबकी नहीं लगाऊंगा। लोगों से मेरा कहना है कि वे अंधविश्वास से बाहर आएं और दिमाग का सही इस्तेमाल करें।

मनसे के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में राज ठाकरे ने कहा कि हमारी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर प्रयागराज में हुए महाकुंभ से पवित्र जल लेकर आए थे। लेकिन मैंने इसे पीने से इनकार कर दिया। मैंने उनसे कहा चले जाओ। मैं नहाने नहीं जा रहा हूं। वह पानी कौन पिएगा? कोविड अभी-अभी गुजरा है और लोग दो साल से चेहरे पर मास्क लगाकर घूम रहे थे। अब वे वहां जा रहे हैं और स्नान कर रहे हैं। कौन जाकर उस गंगा में पवित्र डुबकी लगाएगा?

देश में एक भी नदी साफ नहीं है

ठाकरे ने कहा कि मैंने लोगों के शरीर को रगड़ते हुए और गंगा में नहाते हुए वीडियो देखे हैं। देश की हर नदी प्रदूषित है, जबकि विदेशों में ऐसी नदियां पूरे साल साफ रहती हैं। आस्था का भी कुछ मतलब होना चाहिए। देश में एक भी नदी साफ नहीं है, लेकिन हम उसे मां कहते हैं। विदेशों में नदी को मां नहीं कहा जाता, लेकिन वह बिल्कुल साफ रहती है और हमारी सभी नदियां प्रदूषित हैं। कोई उसमें नहा रहा है, कोई कपड़े धो रहा है। उन्होंने कहा, मैं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से ही सुनता आ रहा हूं कि गंगा नदी को साफ किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। लोगों को इस आस्था और अंधविश्वास से बाहर आना चाहिए और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिए। हाल ही में सीपीसीबी ने महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में गंगा की वास्तविक स्थिति को लेकर तैयार रिपोर्ट की थी। 3 फरवरी को एनजीटी में सौंपी अपनी रिपोर्ट में सीपीसीबी ने कहा था कि संगम का पानी नहाने योग्य नहीं है। टीम ने पाया कि फीकल कोलीफार्म 230 एमपीएन/100 मिलीग्राम के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार गैर-अनुपालन मिले।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0

न्यूनतम : 23^0

न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर भारत ने जीता चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

रोहित की कप्तानी में 9 महीने में दूसरा आईसीसी खिताब, रोहित शर्मा प्लेयर ऑफ द मैच, रचिन रविंद्रा प्लेयर ऑफ द सीरीज बने

दुबई 09 मार्च (एजेंसियां)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा (76), श्रेयस अय्यर (48) और के एल राहुल (नाबाद 34) की बेहतरीन पारी की बदौलत भारत ने रविवार को फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। भारत 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता हैं। 252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी की। 19वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने धीमी गति से बल्लेबाजी कर रहे शुभमन गिल (31) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने विराट कोहली (एक) को पगबाधा

कर भारत को दूसरा झटका दिया। 27वें ओवर में रचिन रविंद्र ने रोहित शर्मा को आउट कर भारत का बड़ा झटका दिया। रोहित शर्मा ने 83 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुए (76) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। 39वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने श्रेयस अय्यर को आउटकर न्यूजीलैंड को चौथी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 62 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (48) रन बनाये। इसके बाद अक्षर पटेल (29) रन बनाकर आउट हुये। आखिरी ओवरों में सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी करते हुए के एल राहुल और हार्दिक पंड्या ने न्यूजीलैंड के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के अरमानों पर पानी फेर दिया। हालांकि इस दौरान 48वें ओवर में हार्दिक पंड्या (18) रन बनाकर आउट हो गये। भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया । भारत ने 12 साल के बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। के एल राहुल (34) और रवींद्र जडेजा (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। ▶10पर

मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को दी बधाई

नयी दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी। श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, एक असाधारण खेल और एक असाधारण परिणाम! आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी घर लाने के लिए हमारी क्रिकेट टीम पर गर्व है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। शानदार प्रदर्शन के लिए हमारी टीम को बधाई। उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट टीम ने फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेरणा सम्मान एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नारी वह शक्ति है जो अपनी पहचान स्वयं करती है, वह स्वयं कहानी की सूत्रधार है, सृजक है और न जाने कितनी विशेषताएं अपने भीतर समेटे हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी के सम्मान में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित नारीत्व का उत्सव- स्वरधारा के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 7 मार्च को प्रेरणा सम्मान एवं कवि सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर में किया गया। दो चरणों में चले इस कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत के संगान के साथ हुआ। तत्पश्चात अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी तथा बताया कि सन् 2007 से निरंतर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल इस दिवस का आयोजन कर रही है। कार्यक्रम की प्रथम चरण में हिंदी एवं उर्दू के विविध विषयों पर कविता गीत गजल करने वाली तथा कई सम्मान प्राप्त

कर चुकी विद्या कृष्णा को प्रेरणा सम्मान प्रदान किया गया। विद्या कृष्णा का परिचय प्रचार प्रसार मंत्री अनिता जीरावला ने दिया, जबकि प्रेरणा सम्मान पत्र का वाचन मंत्री दीपिका गोखरू द्वारा किया गया। तत्पश्चात एबीटीएमएम एवं विजयनगर महिला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा विद्या कृष्णा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण का प्रारंभ कवि सम्मेलन के साथ हुआ, जिसमें तमिलनाडु से हिंदी के जाने-माने कवि मिट्ठू मिठास, मध्य प्रदेश के हास्य कवि पंकज जोशी, गुजरात की प्रसिद्ध कवयित्री एवं टीवी स्टार मोनिका हठिला, चेन्नई से समागत दिव्या द्विवेदी तथा बेंगलूरु से स्वीटी सिंघल की सहभागिता रही। सभी कवियों का परिचय उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने दिया। कार्यक्रम के इस चरण का शुभारंभ कवयित्री मोनिका हठिला ने सरस्वती वंदना के साथ किया। जब शुरू करो कोई काम तब मां को करो प्रणाम, मां की महिमा बताते हुए कवि मिट्ठू की मिठास में बहुत ही भाव भरी काव्य प्रस्तुति दी। कवयित्री स्वीटी सिघल ने महिलाओं की वर्तमान स्थिति का चित्रण करते हुए एक बहुत ही सुंदर हास्य प्रस्तुति देते हुए बताया पति पत्नी दोनों के साथ से ही है एक दूजे का अस्तित्व है। हास्य रस के कवि पंकज जोशी ने कहा जहां नारी की पूजा होती है वहीं की संस्कृति, संस्कृति है। नारी के तीन रूप है बेटी पत्नी और मां। सृष्टि के संतुलन का पैमाना है नारी। मातृ शक्ति के सम्मान में पंकज के हास्य काव्य पाठ से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। प्रेरणा सम्मान से सम्मानित विद्या कृष्णा ने परिवार में पिता के महत्व पर सुमधुर गजल प्रस्तुत की तथा नारी एवं होली के त्योहार पर कविता पाठ किया। मोनिका हठिला की जब पलकें ना खुले जब ना होले होले बात हो ऐसे मिलने से तो अच्छा मुलाकात ना हो ''गजल सुमधुर प्रस्तुति सुन पूरा हॉल ओम अरहम की ध्वनि से गूंजायमान हो उठा। कवि सम्मेलन के मंच का संचालन भी कवि मिट्ठू मिठास द्वारा किया गया।

इन लोगों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में एबीटीएमएम की पूर्व महामंत्री वीणा बैद, कर्नाटक प्रभारी लता जैन एवं मधु कटारिया की गरिमामय उपस्थिति रही। वीणा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एक बहुत ही सुंदर काव्य प्रस्तुति भी दी। लता एवं मधु ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। सभी कवि एवं कवयित्रियों का सम्मान महिला मंडल द्वारा मोमेंटो एवं पट्ट से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक सुशीला- पुखराज निकिता-दीपक, रिद्धित श्रीश्रीमाल रहे, तथा सह प्रायोजक कन्हैया लाल, रितेश, शंकर छाजेड़ एवं इच्छुबाई, राजेंद्र, अरविंद, संजय पटावरी रहे। सभी प्रायोजक परिवारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका अनीता जीरावला एवं हंसा दुगड़ रही। कार्यक्रम में मंडल की वरिष्ठ श्राविका चुकी बाई मांडोत, वर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली, पूर्व अध्यक्ष कुसुम डांगी, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, सह मंत्री ललित डागा, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा आदि लोगों की उपस्थिति रही।

सभी प्राणी मात्र को अहिंसा से जोड़ने का सपना तीर्थंकर का होता है: डॉ. समकितमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में रविवार को डॉ. समकितमुनि का होली चातुर्मास निमित्त मंगलमय प्रवेश हुआ। धर्म सभा को संबोधित करते हुए समकितमुनि ने कहा सभी जीवों की रक्षा करना जैन धर्म का मूल मंत्र है। जैन धर्म एक मात्र ऐसा धर्म है, जो सुक्ष्म से सुक्ष्म जीवों की रक्षा करने का संदेश देता है। सभी जीवो को जिनशासन से जोड़ने का जिसका सपना होता है वह समय आने पर तीर्थंकर बनता है। सभी प्राणी को अहिंसा से जोड़ने का सपना तीर्थंकर का होता है। तीर्थंकर बनने वाली आत्मा ना सिर्फ यह सपना देखती है बल्कि सपने को सच में बदलने के लिए अपना पूरा जोर लगा देती है। सपना देखना और सपने को पूरा करने में जुट जाना दोनों अलग अलग बात है। जो प्राणी मात्र के लिए त्याग करता है वह जगत का मसीहा बन जाता है। तीर्थंकर परमात्मा का एक ही लक्ष्य है समस्त जीवों को जिनशासन से जोड़ना। परमात्मा को हमने दिल में नहीं बसाया फिर भी परमात्मा ने हमें दिल में बसाया है। परमात्मा ही हमारा बेड़ा पार करता है।

डॉ. समकितमुनि का होली चातुर्मास आगामी 13 मार्च को राजाजीनगर संघ के तत्वावधान में 2-2 सामायिक एवं धर्म आराधना द्वारा आयोजित होगा। इस अवसर पर चेन्नई, हैदराबाद व अन्य शहरों से अनेक श्रद्धालुओं के उपस्थित होने की संभावना है। गुरुदेव का आगामी 2025 का चातुर्मास चेन्नई में घोषित है। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय तथा संघ संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सोमवार से प्रवचन श्रृंखला प्रातः 9.15 से 10.15 तक रहेगी। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने व्यक्त किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आचार्य श्री पार्श्वचंद्र आज अलसूर पधारेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में फाल्गुनी होली चातुर्मास प्रसंग पर सान्निध्य प्रदान हेतु आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी, डॉ. पदम मुनिजी, जयधुरंधर मुनि, जय कलश मुनि, जय पुरंदर मुनि जी सोमवार सुबह महावीर भवन अलसूर पधारेंगे। मुख्य आयोजन होली चातुर्मास प्रवचन गुरुवार को अलसूर झील के पास मुदलियार संघ के सभागार में होगा। इस दिन मुमुक्षु दिलीप कुमार धोका के सम्मान में वरघोड़ा का आयोजन है। प्रवचन सभा में अनेक स्थानों के संघ आचार्य के समक्ष संत सतीयों के अपने यहां चातुर्मास हेतु विनती रखेंगे और परंपरा अनुसार आचार्य चातुर्मास स्थल की घोषणा करेंगे। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने बताया कि इस प्रसंग पर मुमुक्षु दिलीप कुमार धोका एवं जयमल श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश बोहरा तथा प्रांतीय अध्यक्ष उत्तम चन्द गादिया का भी संघ की ओर से अभिनंदन किया जाएगा।

तेरापंथी परिवारों द्वारा होली गोठ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

थली प्रांत के विजयनगर में प्रवासित तेरापंथी परिवारों द्वारा अर्हम भवन में होली गोठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से मुस्कान कोचर द्वारा किया गया। अध्यक्ष मनोज बैद ने सभी का स्वागत करते हुए होली की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विजयनगर परिषद के पूर्व अध्यक्षों का सम्मान प्रबंध मंडल एवं परामर्शक द्वारा किया गया। विजय मंडल द्वारा शानदार गीतों की प्रस्तुति दी गई। बाबूलाल बोथरा एवं लोकेश पारख द्वारा एक शानदार नृत्य का प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक छत्र सिंह मालू एवं प्रबंध मंडल व कार्यकारिणी सदस्यों का अथक श्रम रहा। मंच का संचालन छत्र सिंह मालू ने किया। राजस्थान परिषद के अध्यक्ष संजय बैद एवं मंत्री रजत बैद की उपस्थिति के साथ विजयनगर परिषद् परिवार के सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। अंत में आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष राकेश दूधोड़िया द्वारा किया गया।

एयरोस्पेस मेडिसिन में और अधिक संभावनाएं तलाशने की जरूरत: राजनाथ सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को बेंगलूरु में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान (आईएएम) का दौरा किया और आईएएफ अधिकारियों का अभिवादन किया। उन्होंने हवाई और अंतरिक्ष यातायात में निरंतर वृद्धि को देखते हुए एयरोस्पेस मेडिसिन में विशेषज्ञता की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। रक्षा के दृष्टिकोण से, अंतरिक्ष युद्ध में एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। हमने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है और एंटी-सैटेलाइट जैसी सबसे उन्नत तकनीकों में महारत हासिल की है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला विमानन बाजार भी बन गया है।

जैसे-जैसे हम अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, हमें एयरोस्पेस मेडिसिन में और अधिक संभावनाएं तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास में वृद्धि की जरूरत है क्योंकि किसी भी उच्च-स्तरीय जटिल तकनीक में अनुसंधान कई क्षेत्रों को लाभ प्रदान करता है। रक्षा मंत्री ने एयरोस्पेस मेडिसिन के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, विकिरण और अंतरिक्ष में मनुष्य द्वारा सामना किए जाने वाले अलगाव जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण बताया, साथ ही शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा चाहे वह न्यूरॉन से जुड़ा मुद्दा हो, हड्डियों का नुकसान हो या मानसिक समस्याएं हों, इन चुनौतियों से निपटना एयरोस्पेस और स्पेस मेडिसिन की जिम्मेदारी है। इस क्षेत्र को भविष्य में बड़ी जिम्मेदारियों के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सिंह ने लड़ाकू पायलटों के हाई-जी प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डायनेमिक फ्लाइट सिम्युलेटर और हाई-परफॉर्मेंस ह्यूमन सेंट्रीफ्यूज और उड़ान में स्थानिक भटकाव के जोखिम को टालने के लिए सशस्त्र बलों के पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए स्थानिक भटकाव सिम्युलेटर का भी निरीक्षण किया। सिंह ने एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में आईएएम के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा एयरोस्पेस मेडिसिन के अलावा, आईएएम क्रू मॉड्यूल डिजाइन और विकास के विभिन्न पहलुओं में एयरो-मेडिकल परामर्श प्रदान करता है। कॉकपिट डिजाइन में इसका योगदान उल्लेखनीय है। संस्थान ने एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस के डिजाइन और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह देश के सबसे आधुनिक एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के डिजाइन और विकास में भी सलाह दे रहा है। सिंह ने जोर देकर कहा कि आने वाले समय में एयरोस्पेस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा यह क्षेत्र तकनीकी प्रगति, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। इसके अलावा, यह उपग्रह प्रक्षेपण, अंतर-ग्रहीय मिशन और वाणिज्यिक अंतरिक्ष सेवाओं जैसे मील के पत्थर हासिल करने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। इस यात्रा के दौरान उनके साथ वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान एयर मार्शल नागेश कपूर और महानिदेशक चिकित्सा सेवा (वायु) एयर मार्शल संदीप थरेजा भी थे। सिंह बेंगलूरु में आईएएम का दौरा करने वाले पहले रक्षा मंत्री हैं।

अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें पायलट प्रशिक्षण, चिकित्सा मूल्यांकन और एयरोमेडिकल अनुसंधान में आईएएम की अनूठी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

अग्रवाल महिला मंडल ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल समाज कर्नाटक की इकाई अग्रवाल महिला मंडल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ब्रिगेड रोड स्थित एक होटल में महिलाओं के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस आयोजन की अध्यक्षता महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कविता तायल ने की।

उनके साथ समिति सदस्यों ने इस विशेष दिन को और भी यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और साथ में रंग खेल कर एक दूसरे को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर नीरू तायल ने कहा महिलाएं समाज की रीढ़ हैं और उन्हें सशक्त बनाना ही एक उन्नत और मजबूत समाज की नींव रखना है। आंकाक्षा तायल, अर्पिता अग्रवाल, साक्षी चन्नानील ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई। अग्रवाल महिला मंडल हमेशा से महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण के लिए कार्य करती रही है और आगे भी इसी उद्देश्य के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस आयोजन ने महिलाओं के आत्मविश्वास को और बढ़ाया और उन्हें नए उत्साह से प्रेरित किया। उपस्थित सभी महिलाओं ने सुन्दर आयोजन की सहराना की।

मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु की मंत्रिमंडल वार्ड प्रभारी और सहप्रभारी की बैठक यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में आयोजित हुई।

बैठक की शुरुआत नमस्कार महामंत्रोचार से हुई। अध्यक्ष ललित मांडोत ने स्वागत किया। उपस्थित वार्ड प्रभारी और सह प्रभारी ने समाज के काम को आगे बढ़ाने हेतु अपने सुझाव दिए। क्षेत्र प्रभारियों ने अपने विभागों की प्रगति के रिपोर्ट प्रस्तुत किए। देवीलाल सेहलोत व मुकेश मेहता ने आगे के एजेंडे की विस्तृत जानकारी दी। प्रवीण देसरला ने अपने वार्ड में माइनॉरिटी कार्ड बनवाने हेतु व्यवस्था के लिए निवेदन किया। मुकेश मेहता, रमेश चावत, विनोद पोखरना, महावीर दक, हसमुख कोठारी, मनोहर मांडोत, नेमीचंद देरासरिया, जीतू भटेवरा, सुनील बाबेल, संतोष भटेवरा ने सुझाव दिए। संगठन मंत्री प्रवीण दक ने कहा कि प्रभारी और सह प्रभारी की भूमिका और जिम्मेदारियां समाज की रीड की हड्डी हैं। मदारिया बैनर तले स्नेह मिलन करने का सुझाव दिया और जल्द से जल्द तारीख घोषित करने की बात कही। बैठक का कुशल संचालन मंत्री सुरेश गन्ना ने किया एवं सभी के प्रति आभार सह मंत्री कैलाश दलाल ने व्यक्त किया।

वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा पर विशेष सत्र आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में फाइनेंसियल लिटरेसी और साइबर वाइस वुमन राइस सत्र का आयोजन किया गया। चामराजपेट स्थित आदर्श कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और वक्ता सुमन पिरगल ने महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता और डिजिटल साक्षरता के माध्यम से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल प्रदीप सिंह ने तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के लिए पासवर्ड सुरक्षा, डिजिटल सिग्नेचर और डेटा संरक्षण जैसे अनेक

उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने नवकार मंत्र से की। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, कन्वीनर नेमीचंद दलाल एवं बिंदु रायसोनी ने महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। कन्वीनर मधु कटारिया ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर नारी शक्ति को समर्पित एक विशेष नाटिका का भी मंचन हुआ। इस आयोजन में जीतो महिला विंग की मेंटर सरिता खिवेंसरा, कोषाध्यक्ष तनूजा मेहता, सह मंत्री मीना बडेरा, सुमन रांका और 150 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। फाइनेंसियल लिटरेसी संयोजिका लेखा गांधी, सह संयोजिका प्रिया भंडारी एवं रिंकू बाफना ने व्यवस्थाएं संभाली। अंत में मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी का आभार जताया।

खाटू श्याम की निशान यात्रा में लिया सेवा का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

फाल्गुन मास में बाबा श्याम के लखी मेले के तहत शहर में भी बन्नेरघट्टा रोड स्थित श्याम मन्दिर में भक्तों का निशान चढ़ाने का तांता लगा हुआ है। रविवार को चन्द्र प्रकाश रामसिसरिया गौशाला से निशान उठाकर श्याम मंदिर बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने अर्पित किया गया। भक्तों के लिए स्थानीय श्री दादी धाम प्रचार समिति ने रास्ते में जल, सेवा, जूस, निम्बू सरबत, टॉफी इत्यादि की सेवा कर लाभ लिया। अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बताया समिति का होलिकोत्सव 14 मार्च को जेपी अग्रवाल फार्म लक्ष्मी पूरा, तुमकुरु रोड पर सुबह 10

बजे से मनाया जायेगा। इसमें दादी एवं दादी के भक्त सादर आमंत्रित हैं। चन्दन, केसर, गुलाब जल, इत्र एवं फूलों की होली भजनों के साथ खेलते हुए आनन्द लिया जाएगा। उन्होंने सभी भक्तों को आने का आह्वान किया। कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने बताया कि राणी सती दादीजी के जीवन पर बनी फिल्म मोटी सेठानी बेंगलूरु में दादी धाम प्रचार समिति एवं कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में 21, 22, 23 मार्च को दिखाई जाएगी। इस सेवा कार्य में राजेंद्र बजाज, राजकुमार बड़बड़िया, सुमित टेकड़ीवाल, दिनेश गोयल, संतोष डालमिया, जया चौधरी, सरोज चौधरी, रेनू अग्रवाल सहित काफी सदस्य उपस्थित थे।

हम्पी बलात्कार की घटना को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा: गृह मंत्री

राज्य सरकार पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाएगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हम्पी में एक इजरायली नागरिक सहित दो महिलाओं के कथित बलात्कार के बाद, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार इस घटना को बहुत गंभीरता से ले रही है और कई गिरफ्तारियाँ की गई हैं। परमेश्वर ने कहा हमने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है। हमने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा है। कई लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक टीम का गठन करेंगे। आईजी पहले ही वहाँ जा चुके हैं। परमेश्वर ने आश्वासन दिया कि बलात्कार के मद्देनजर पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा उपायों को काफी मजबूत किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि आगे बढ़ते हुए, कर्नाटक आने वाले पर्यटकों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इस बारे में जानकारी दी जाएगी। परमेश्वर ने कहा निश्चित रूप से हम हम्पी और अन्य पर्यटन स्थलों जैसे स्थानों पर अपने सुरक्षा उपायों को बढ़ाने जा रहे हैं। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि सरकार मौजूदा सुरक्षा उपायों का पुनर्मूल्यांकन करेगी। मंत्री ने यह भी कहा कि एक इजरायली नागरिक सहित दो महिलाओं के बलात्कार से पर्यटन क्षेत्र पर असर पड़ने की संभावना है। एक ओर

हम दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस तरह की घटनाएं पर्यटकों को हमारे देश में आने से रोकती हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को इसे ''जघन्य अपराध'' करार दिया और पुलिस अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कोप्पल पुलिस ने शनिवार को कहा कि 6 मार्च की रात को कर्नाटक के विजयनगर जिले में हम्पी हेरिटेज साइट के पास तीन लोगों ने एक इजरायली नागरिक सहित दो महिलाओं के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कोप्पल जिले के गंगावती तालुक के सनापुर में एक इजरायली नागरिक और एक होमस्टे मालिक पर भयानक हमला और बलात्कार एक बहुत ही जघन्य अपराध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। सिद्धरामैया ने कहा घटना की सूचना मिलते ही मैंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने, कड़ी जांच करने और अपराधियों को तेजी से पकड़ने का निर्देश दिया है। पुलिस ने पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और जांच जारी है। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक सरकार हमारे राज्य में आने वाले पर्यटकों सहित हर व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा हम ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेंगे। पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय होमस्टे संचालक, तीन पुरुष पर्यटक और एक इजरायली पर्यटक तारों को देखने के लिए सनापुर झील के पास तुंगभद्रा नहर में गए थे। वे नहर के पास बैठे थे, गिटार बजा रहे थे और तारों को निहार रहे थे, तभी आरोपी उनके पास आया और पूछा कि उन्हें पेट्रोल कहां मिल सकता है। होमस्टे संचालक ने आरोप लगाया कि 6 मार्च की रात को, डिनर के बाद, हमने रात में तारे देखने का फैसला किया। हम अपने स्कूटर लेकर सनापुर झील के पास दुर्गम्मा गुडी के पास तुंगभद्रा नहर के किनारे गए। जब हम तारे देख रहे थे और गिटार बजा रहे थे, रात करीब 10:30 बजे, मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग हमारे पास आए और कन्नड़ में पेट्रोल मांगा।

उसने उनसे कहा कि आस-पास कोई पेट्रोल स्टेशन नहीं है और उन्हें सनापुर में पेट्रोल मिल सकता है। तीनों में से एक व्यक्ति ने अचानक 100 रुपये मांगे। शिकायतकर्ता ने कहा चूंकि वे हमें नहीं जानते थे, इसलिए मैंने उनसे कहा कि मेरे पास कोई पैसा नहीं है। हालांकि, जब उन्होंने बार-बार जोर दिया, तो पुरुष पर्यटकों में से एक ने उन्हें 20 रुपये दिए। जब उन्होंने उन्हें और पैसे देने से मना कर दिया, तो आरोपी ने बहस करना शुरू कर दिया और पत्थरों से धमकाया। उसने आरोप लगाया कि दो आरोपियों ने होमस्टे संचालक और इजरायली पर्यटक पर हमला किया और उसके साथ बलात्कार किया, जबकि तीसरे ने पुरुष पर्यटकों को नहर में धकेल दिया। एफआईआर के अनुसार, दो आरोपियों ने होमस्टे संचालक पर हमला किया और तीसरे व्यक्ति ने आक्रामक तरीके से तीन पुरुष पर्यटकों को नहर में धकेल दिया। आरोपियों ने उसे पत्थरों से भी मारा।

मुझे बहुत खून बह रहा था

होमस्टे संचालक ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, मुझे बहुत खून बह रहा था। दो आरोपियों ने मिलकर मुझे नहर के किनारे खींच लिया। उनमें से एक ने मेरा गला घोंट दिया और मेरे कपड़े उतार दिए। एक-एक करके उन्होंने मुझे जबरन पीटा और मेरे साथ बलात्कार किया। उसने आगे कहा कि आरोपियों ने उसका बैग भी छीन लिया और उसके दो मोबाइल फोन और 9500 रुपये नकद छीन लिए। इसी तरह, एक आरोपी ने इजरायली पर्यटक को खींचकर उसके साथ बलात्कार किया। उसने आरोप लगाया जब हम चिल्ला रहे थे और रो रहे थे, तो तीनों लोग अपनी मोटरसाइकिल लेकर चले गए। उसने यह भी बताया कि आरोपी कन्नड़ और तेलुगु बोलते थे और वह उन्हें पहचान सकती है। उनकी शिकायत के आधार पर, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की संबंधित धाराओं के तहत गंगावती ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है, जिसमें हत्या का प्रयास, डकैती और बलात्कार के आरोप शामिल हैं। कोप्पल के पुलिस अधीक्षक राम अरसिद्दी ने कहा कि मामले के सिलसिले में गंगावती में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

गृह मंत्री ने 'स्टे फिट कर्नाटक' पहल की शुरुआत की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को कर्नाटक पुलिस द्वारा आयोजित स्टे फिट कर्नाटक दौड़ को हरी झंडी दिखाई, जिसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और साइबर अपराध के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर बोलते हुए, परमेश्वर ने पुलिस बल में शारीरिक फिटनेस के महत्व पर जोर दिया और कर्नाटक को नशा मुक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। यह कार्यक्रम सभी पुलिसकर्मियों को स्वस्थ रहने और पुलिस बल में होने पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हम इस दौड़ के साथ ड्रग्स और साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता भी पैदा कर रहे हैं। यह कार्यक्रम हर साल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के प्रायोजन के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया सीएम सिद्धरामैया ने पहले ही सदन में घोषणा की है कि सरकार कर्नाटक को नशा मुक्त बनाएगी और हम इस पर काम कर रहे हैं। हम युवाओं से अपील करते हैं कि वे ड्रग्स से दूर रहें और माता-पिता से भी अपने बच्चों पर नजर रखने की अपील करते हैं।

परीक्षा के डर से पीयू के छात्र दिगंत को घर छोड़ना पड़ा: एसपी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक यतीश एन ने कहा कि परीक्षाओं के डर से पीयू छात्र दिगंत ने घर छोड़ा था, आखिरकार 10 दिनों के बाद उसे उडुपी में पाया गया। रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, एसपी यतीश एन ने याद किया कि दिगंत 25 फरवरी को फरंगीपेटे में अपने घर से लापता हो गया था, और बंटवाल टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा वह अपनी पीयू परीक्षाओं से डरता था क्योंकि वह उम्मीद के मुताबिक तैयार नहीं था। 25 फरवरी को घर से निकलने के बाद, दिगंत रेलवे ट्रैक के किनारे अरकुला मेन रोड की ओर चला गया। फिर उसने एक राहगीर से लिफ्ट ली और मेंगलूरु के निजी बस स्टैंड पर पहुंच गया। वहां से, वह बस से शिवमोग्गा गया, फिर ट्रेन से मैसूरु गया, और बाद में बिना टिकट के केंगेरी चला गया। बाद में वह नंदी हिल्स पहुंचा, जहां उसने पैसे कमाने के लिए कुछ दिनों तक एक रिसॉर्ट में काम किया। केंगेरी होते हुए मैसूरु वापस आने पर उसकी यात्रा जारी रही। एसपी यतीश एन ने कहा मैसूरु से, उसने मुरुदेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन ली और उडुपी में उतरा। पैसे न होने पर, उसने शॉपिंग सेंटर में भुगतान किए बिना भागने का प्रयास किया, जिसके कारण पुलिस को उसके ठिकाने के बारे में पता चला। रेलवे ट्रैक पर छोड़े गए उसके चप्पलों पर मिले खून के धब्बों के बारे में, एसपी ने स्पष्ट किया कि चोटें उसने खुद ही लगाई थीं। उन्होंने कहा उसके पैर में चोट लगी थी और अपनी चप्पलें और मोबाइल फोन वहीं छोड़ दिया था। एसपी ने कहा कि पीसीएमबी के छात्र दिगंत ने एसएसएलसी में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे, लेकिन वह अपनी पीयू की पढ़ाई से जूझ रहा था, जिसके कारण उसे परीक्षाओं का डर था। पुलिस द्वारा लापरवाही के आरोपों को खारिज करते हुए, एसपी यतीश एन ने कहा कि विभाग दिगंत की सक्रिय रूप से तलाश कर रहा था। उन्होंने कहा डीएसपी के नेतृत्व में सात टीमें गठित की गईं। तलाशी अभियान चलाए गए और कुत्तों के दस्ते तथा ड्रोन तैनात किए गए। इस मामले में हमने किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती।

रान्या राव के माध्यम से भारत के सबसे बड़े अवैध सोना तस्करी रैकेट का पर्दाफाश!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार अवैध सोना तस्करों और बेंगलूरु हवाई अड्डे पर गिरफ्तार अभिनेत्री रान्या राव के बीच कोई संबंध है या नहीं।

एक ही सप्ताह में अवैध सोना तस्करी के तीन मामले प्रकाश में आए हैं। रान्या राव पहले दिल्ली और फिर बेंगलूरु हवाई अड्डे पर फंस गईं। इसके बाद मुंबई में एक व्यक्ति सोने की तस्करी करते पकड़ा गया। इन तीनों मामलों में सोने के बिस्कुटों की तस्करी की गई थी। जांचकर्ताओं को संदेह है कि तीनों मामलों में जब्त किए गए सोने के बिस्कुटों का पैटर्न एक जैसा है। गत 2 मार्च को दिल्ली हवाई अड्डे पर अवैध रूप से सोना ले जाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। ऐसा कहा जाता है कि वे मेनार्ड से 2 किलो 158 ग्राम सोना एक जूते में भरकर ले जा रहे थे। रान्या राव को बाद में 3 मार्च को बेंगलूरु हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। रान्या राव के पास से 14.2 किलोग्राम सोने के बिस्कुट बरामद

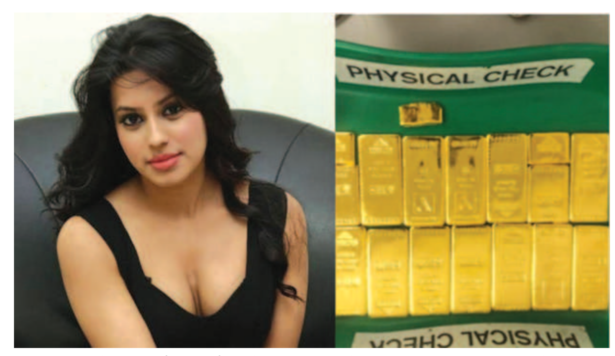

हुए। बाद में, मुंबई हवाई अड्डे पर फिर से सोने की तस्करी का पता चला। डीआरआई अधिकारियों ने दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनसे पूछताछ की जो कई किलोग्राम सोने की छड़ों की तस्करी कर रहे थे। डीआरआई अधिकारियों ने दो व्यक्तियों को पकड़ा जो दुबई से सोना लेकर आ रहे थे और एक ही सप्ताह में तीन स्थानों पर कई किलोग्राम सोने की तस्करी के मामले का खुलासा हुआ। इसलिए रान्या राव के किसी अंतरराष्ट्रीय गिरोह से संबंध होने का संदेह है और इस संबंध में जांच की जा रही है। डीआरआई अधिकारियों को यह भी संदेह है कि रान्या और अन्य तस्करों के पीछे एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय गिरोह हो सकता है। क्योंकि अब तक सामने आए तीनों मामलों में सोने के तस्कर अलग-अलग देशों से सोना भारत लाए थे। अधिकारियों ने संदेह व्यक्त किया है कि इस मामले में रान्या अकेली शामिल नहीं है, बल्कि उसके पीछे कई अन्य लोग भी शामिल हैं। मामले की जांच कर रहे जांचकर्ताओं ने अभिनेत्री रान्या की सभी विदेश यात्राओं के बारे में जानकारी निकाली है, जिसमें खुलासा हुआ है कि रान्या कई बार विदेश यात्रा कर चुकी हैं। रान्या फिलहाल डीआरआई अधिकारियों की हिरासत में है और उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। रान्या की सोमवार को जमानत याचिका दायर होने की संभावना है।

पर्यटक और एक होमस्टे मालिक के साथ बलात्कार एक बहुत ही जघन्य कृत्य: जनार्दन रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक गली जनार्दन रेड्डी ने कहा कि भारत में सबसे अधिक विदेशी पर्यटकों वाले पर्यटन स्थल हम्पी में एक होमस्टे मालिक के खिलाफ बलात्कार की घटना सामने आई है। यह घटना इसलिए घटी क्योंकि यहां तैनात पुलिस सुरक्षा हटा ली गई थी। उन्होंने हम्पी में तुरंत एक पुलिस उप-विभाग शुरू करने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि गंगावती तालुका के सनापुर में एक इजरायली पर्यटक और एक होमस्टे मालिक के साथ मारपीट और बलात्कार एक बहुत ही जघन्य कृत्य है। मैंने पुलिस को घटना की रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है तथा आगे की जांच जारी है। मुख्यमंत्री येदियुरप्पा की पिछली सरकार में मैं पूरे बल्लारी जिले का प्रभारी मंत्री था और उनके सहयोग से हम्पी में एक पुलिस उप-विभाग स्थापित किया गया था। एक डीएसपी स्तर के अधिकारी की नियुक्ति की गई, 32 पुलिस टीमें गठित की गईं और उन्हें दोपहिया वाहन दिए गए। इसके साथ ही, चूंकि अनेगांवड़ी को भी हम्पी विकास प्राधिकरण में शामिल कर लिया गया था, इसलिए दोनों ऐतिहासिक स्थलों पर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा के लिए दिन-रात गश्त करने के लिए एक अच्छी पुलिस व्यवस्था स्थापित की गई। अब दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि बाद की सरकार ने उस पुलिस उपविभाग प्रणाली को पूरी तरह से बंद कर दिया है और उसे अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया है। इसलिए हम राज्य सरकार से विनम्र अनुरोध करते हैं कि हम्पी आने वाले पर्यटकों और हाथियों की सुरक्षा के लिए हम्पी में पूर्व में परिकल्पित पुलिस उप-विभाग को पुनः स्थापित किया जाए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि अनेगोंडी में एक अलग पुलिस स्टेशन बनाया जाए और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

नारियल तेल मिल आग में जलकर खाक

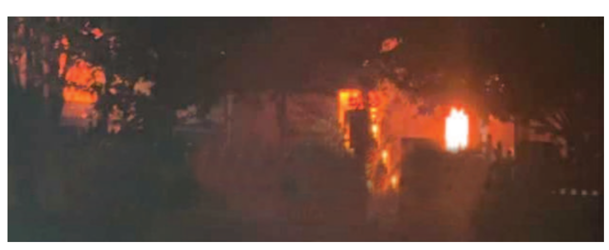

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल-बेल्टांगडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बॉम्बिल में रविवार की सुबह लगी आग में एक नारियल तेल मिल पूरी तरह से नष्ट हो गई। कवलपडूरू गांव के बॉम्बिल निवासी जयराम गौड़ा की स्वामित्व वाली आई-ग्रो इनकॉर्प नारियल मिल चल रही थी। बताया जाता है कि आग रविवार को रात करीब 1 बजे लगी।

मिल के पास ही स्थित जयराम का घर है, उन्होंने तुरंत आग को देखा और स्थानीय लोगों और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। सूचना पाकर बंटवाल फायर ब्रिगेड तुरंत पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक मिल जलकर राख हो चुकी थी। आग में लगभग 12 टन नारियल तेल, कच्चे नारियल और मशीनरी पूरी तरह से नष्ट हो गई। अनुमानित नुकसान लगभग 3 करोड़ रुपये है। जयराम को संदेह है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच चल रही है।

कार-बस की आमने-सामने की टक्कर में दो लोग जिंदा जल गए

चिकबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। चिंतामणि तालुका के गोपाली गांव के पास एक निजी बस और कार के बीच हुई टक्कर में कार में आग लग गई, जिसके परिणामस्वरूप दो लोग जिंदा जल गए। मृतकों का नाम व पता अज्ञात है। मदनपल्ले मार्ग पर गोपाल्ली गांव में रविवार सुबह एक निजी बस और कार के बीच टक्कर हो गई, जिसमें कार पूरी तरह जल गई। कार में सवार पांच लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी तीन गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बस में सवार लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं। मामले की जानकारी मिलने के तुरंत बाद केंचरलाहल्ली पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। यह पता नहीं चल पाया है कि कार में सवार लोग कहां जा रहे थे, तथा उनके नाम और पते भी नहीं मिल पाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

कार और लॉरी की टक्कर में बेंगलूरु के पांच लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चित्रदुर्ग में तमाताकल ब्रिज के पास रविवार दोपहर ट्रक और कार के बीच हुई भीषण दुर्घटना में शहर के पांच लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान सी.वी. रमननगर निवासी चिदंबर आचार्य (52), इरन्ना बरंगाय निवासी मल्लिकार्जुन (50), विद्यारण्यपुरा निवासी रुद्रस्वामी (52) और शांतमूर्ति (60) के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति का नाम और पता अज्ञात है। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को चित्रदुर्ग जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना उस समय हुई जब शहर के छह लोग कार से सवादत्तियाल्ला मंदिर से

लौट रहे थे। चित्रदुर्ग में राष्ट्रीय राजमार्ग पर तमाटाकल पुल के पास दोपहर करीब 12 बजे एक कार के खड़े ट्रक से टकरा जाने से कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया। दुर्घटना के कारण कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। खबर मिलने पर चित्रदुर्ग ग्रामीण पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल का दौरा किया, जांच की, मामला दर्ज किया और आगे की कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल का दौरा कर निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कार की अत्यधिक गति दुर्घटना का कारण थी।

जर्जर इमारत गिरने से कम से कम दो लोगों की मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलूर में रविवार दोपहर एक जर्जर दुकान ढहने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य के फंसे होने की आशंका है।

पुलिस ने बताया कि जब दुकान ढही, तब ग्राहक दुकान के अंदर थे। सूचना मिलने पर पुलिस और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। खबर लिखे जाने तक मलबे से दो शव बरामद किए गए, जबकि फंसे हुए लोगों को बचाने के प्रयास जारी हैं।

एयरोस्पेस क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान और विकास बढाना जरूरी: राजनाथ

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा है कि आने वाले समय में एयरोस्पेस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि होने जा रही है और इससे संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान और विकास पर अत्यधिक ध्यान दिये जाने की जरूरत है।

श्री सिंह ने रविवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में भारतीय वायु सेना के एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान (आईएएम) का दौरा किया। इस संस्थान का दौरा करने वाले वह पहले रक्षा मंत्री हैं। उन्हें पायलट प्रशिक्षण, उनके चिकित्सा संबंधी मूल्यांकन और एयरोमेडिकल अनुसंधान में आईएएम की अनूठी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा मंत्री ने लड़ाकू पायलटों के उच्च-जी प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले डायनेमिक फ्लाइट सिम्युलेटर और हाई परफॉरमेंस ह्यूमन सेंट्रीफ्यूज और उड़ान में स्थानिक भटकाव के जोखिम को रोकने के लिए सशस्त्र बलों के पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए स्थानिक भटकाव सिम्युलेटर का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने संस्थान में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की एक्स्ट्रामुरल रिसर्च परियोजना, सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च का भी शुभारंभ किया। परियोजना का शीर्षक 'अंतरिक्ष मनोविज्ञान: भारतीय अंतरिक्ष मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष यात्रियों के चयन और व्यवहारिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण' है।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर हवाई और अंतरिक्ष यातायात में निरंतर वृद्धि के मद्देनजर एयरोस्पेस मेडिसिन में विशेषज्ञता की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, रक्षा के दृष्टिकोण से, अंतरिक्ष युद्ध में एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। हमने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है और एंटी-सैटेलाइट जैसी सबसे उन्नत तकनीकों में महारत हासिल की है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता विमानन बाजार भी बन गया है। चूंकि हम अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, इसलिए हमें एयरोस्पेस मेडिसिन में और अधिक संभावनाएं तलाशने की जरूरत है। अनुसंधान और विकास में वृद्धि की आवश्यकता है क्योंकि किसी भी उच्च-स्तरीय जटिल तकनीक में अनुसंधान कई क्षेत्रों को लाभ प्रदान करता है। श्री सिंह ने एयरोस्पेस मेडिसिन के महत्व का उल्लेख करते हुए इसे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, विकिरण और अंतरिक्ष में मनुष्य द्वारा सामना की जाने वाली अलगाव जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण बताया, साथ ही शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, चाहे वह न्यूरॉन्स, हड्डियों के नुकसान या मानसिक समस्याओं से संबंधित कोई मुद्दा हो, इन चुनौतियों से निपटना एयरोस्पेस और अंतरिक्ष चिकित्सा की जिम्मेदारी है। इस क्षेत्र को भविष्य में बड़ी जिम्मेदारियों के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। उन्होंने एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में आईएएम के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा, एयरोस्पेस मेडिसिन के अलावा, आईएएम क्रू मॉड्यूल डिजाइन और विकास के विभिन्न पहलुओं में एयरो-मेडिकल परामर्श प्रदान करता है। कॉकपिट डिजाइन में इसका योगदान उल्लेखनीय है। संस्थान ने एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस के डिजाइन और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह देश के सबसे आधुनिक एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के डिजाइन और विकास में भी सलाह दे रहा है।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि आने वाले समय में एयरोस्पेस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि होने जा रही है और यह सरकार के 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र तकनीकी उन्नति, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को तय करने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। इसके अलावा, यह उपग्रह प्रक्षेपण, अंतर-ग्रहीय मिशन और वाणिज्यिक अंतरिक्ष सेवाओं जैसे मील के पत्थर हासिल करने में केंद्रीय होगा।

इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री के साथ प्रशिक्षण कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल नागेश कपूर, चिकित्सा सेवाएं (वायु) के महानिदेशक एयर मार्शल संदीप थरेजा और भारतीय वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

कठुआ हत्याकांड: एक परिवार के तीन लोगों की हत्या

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पारदर्शी जांच के आदेश दिए

कठुआ, 09 मार्च (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले की बिलावर तहसील के एक सुदूर इलाके में एक परिवार के तीन लोगों की हत्या के मामले में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, 15 वर्षीय वरुण सिंह और उसके 32 वर्षीय चाचा योगेश सिंह, तथा 40 वर्षीय दर्शन सिंह के शव शनिवार को जिले के सुदूर मल्हार इलाके के इशु नाले से बरामद हुए। तीनों 5 मार्च को लापता हो गए थे। उपराज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैंने विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए हैं और परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह तीनों की नृशंस हत्या से स्तब्ध और दुखी हैं। सिन्हा ने कहा, मैं लोगों को आश्वासन देता हूं कि अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। न्याय होगा और जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने मृतकों के परिजनों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले की बिलावर

तहसील के एक सुदूर इलाके में तीन नागरिकों की हत्या में रविवार को आतंकवादियों की संलिप्तता की ओर इशारा किया। उधमपुर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री ने एक्स पर कहा, कठुआ जिले के बानी इलाके में आतंकवादियों द्वारा तीन लोगों की नृशंस हत्या बेहद दुखद और चिंताजनक है। एक शांतिपूर्ण क्षेत्र में माहौल खराब करने के पीछे कोई गहरी साजिश नजर आ रही है।

उन्होंने कहा, हमने इस मामले पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की है। केंद्रीय गृह सचिव खुद जम्मू पहुंच रहे हैं, ताकि मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया जा सके। मुझे पूरा विश्वास है कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और लोगों का विश्वास मजबूत बना रहे। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन यहां एक बैठक में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने हत्याओं पर शोक व्यक्त किया और कहा, बढ़ते अपराध चिंता का विषय हैं। उन्होंने बनी से विधायक रामेश्वर सिंह पर हुए 'जानलेवा' हमले पर भी चिंता व्यक्त की। सिंह पर प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उस समय हमला कर दिया था, जब वह शनिवार देर रात बिलावर के एक स्थानीय अस्पताल में मृतकों के परिजनों से मिलने गए थे।

कठुआ में स्थिति बेहद चिंताजनक: महबूबा

श्रीनगर, 09 मार्च (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कठुआ जिले की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा है कि कुछ विघटनकारी तत्व सीमा के भीतर और पार सांप्रदायिक तनाव भड़का सकते हैं।

गौरतलब है कि तीन व्यक्ति जोगेश सिंह (35) निवासी मरहून, दर्शन सिंह (40) व बरून सिंह (14), दोनों देहोटा बिलावर निवासी, सात मार्च को एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद लापता हो गए थे, और उनके शव शनिवार को बिलावर के ऊपरी इलाकों से बरामद किए गए।

सुश्री मुफ्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कठुआ में स्थिति

बेहद चिंताजनक है। थोड़े समय के अंतराल में मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदायों के लगभग 12 लोगों की जान चली गई है। उनमें से पांच का कथित तौर पर पुलिस और गौरक्षकों द्वारा पीछा किया गया, जिसके कारण दुर्घटनाएँ हुईं। बाद में, हिंदू समुदाय के दो सदस्यों के शव बरामद किए गए, इसके बाद कल तीन और शव मिले, जिनमें एक चौदह वर्षीय बच्चे का दिल दहला देने वाला मामला भी शामिल है जबकि पुलिस माखन दीन जैसे पीड़ितों से झूठे बयान निकलवाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है, असली अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं।

उन्होंने कहा, आज तक लगभग 30 व्यक्तियों पर पीएसए या यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए हैं, अक्सर बहुत कम या बिना किसी सबूत के। ऐसे संकेत हैं कि सीमा के भीतर और उस पार सक्रिय कुछ विघटनकारी तत्व इस संवेदनशील सीमावर्ती जिले में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे सकते हैं।

सुश्री मुफ्ती ने कहा,अधिकारियों को वास्तविक अपराधियों की पहचान करने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के लिए तेजी से तथा विवेकपूर्ण तरीके से कार्य करना चाहिए, ताकि शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखा जा सके।

सुरक्षा के लिए सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल जरूरी : गडकरी

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए बेहतर सड़क सुरक्षा उपायों को लागू करने की सख्त जरूरत है और इसके लिए आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल किए जाने की आवश्यकता है।

श्री गडकरी ने रविवार को यहां सुरक्षित सड़कों की नीति विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रौद्योगिकी और टिकाऊ पुनर्चक्रणीय सड़क निर्माण सामग्री को अपनाकर सड़कों में सुरक्षा को बढ़ाने के लिए रणनीति विकसित करने में सहयोग देने का सबका आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के कर्म की पड़ताल में यह पाया गया है देश में होने वाली ज्यादातर सड़क दुर्घटनाएँ खराब सिविल इंजीनियरिंग की चली आ रही

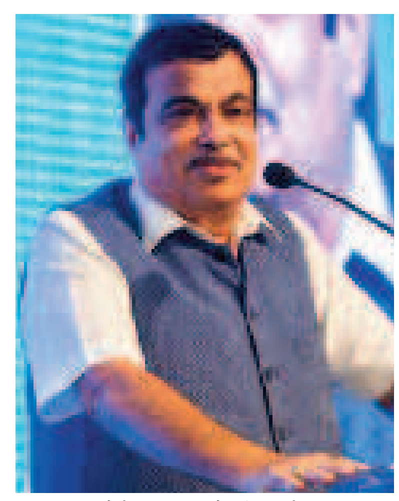

व्यवस्था जैसे कारण है जिनको बदलकर सड़कों के डिजाइन, निर्माण, प्रबंधन तथा अनुचित सड़क संकेत जैसे कई कारणों पर ध्यान देने की आवश्यकता है और उनकी ठीक तरह से पहचान कर इनमें व्यापक स्तर पर सुधार लाने की कवायद को प्रभावित तरीके से शुरू किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कई देशों में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं और इस क्रम मे ऑस्ट्रिया, स्पेन स्विटजरलैंड जैसे कई देश जो भी कदम उठा रहे हैं उसको भारत में लागू करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इन देश में किए जा रही प्रयासों का अनुकरण करके सड़क सुरक्षा की काम में और ज्यादा सुधारा लाया जा सकता है।

उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा देते हुए बताया कि भारत में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाओं में से 1,80,000 लोगों की मृत्यु हुई जिनमे लगभग 4,00,000 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सबसे चिंता की बात यह है कि इनमें 1,40,000 दुर्घटनाओं में ज्यादातर दुपहिया वाहनों से सफर करने वाले 18-45 वर्ष की आयु के लोग शामिल हैं।

शाह गुजरात में विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

गांधीनगर, 09 मार्च (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को गुजरात में विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

श्री शाह ने गांधीनगर में हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स सेंटर का शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने नागरिक केंद्रित सेवाओं की ऑनलाइन डिलीवरी के लिये गुजरात सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और कॉमन सर्विस सेंटर के मध्य समझौता ज्ञापन कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

इससे पहले, श्री शाह ने गुजरात बार काउंसिल द्वारा आयोजित

नव-निबंधित अधिवक्ताओं का शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित किया।

श्री शाह ने अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक के 'स्वर्णिम शताब्दी समापन महोत्सव' को भी संबोधित किया। इसके अलावा श्री शाह ने अहमदाबाद में सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट द्वारा पुनर्मुद्रित पुस्तकों का विमोचन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद में आचार्य भगवंत श्री बुद्धि सागर सुरिश्वर महाराज की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 150 के सिक्के का विमोचन भी किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार ने स्पोर्ट्स के लिए अनेक पहल की हैं।

उन्होंने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने खेले गुजरात और अब प्रधानमंत्री के रूप में उनके द्वारा दिए गए स्पोर्ट्स फॉर ऑल के मंत्र को साकार करने के लिए श्री भूपेन्द्र पटेल जी की सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज गुजरात, देशभर में सबसे ज्यादा स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर वाला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि मोटेरा, विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम - नरेन्द्र मोदी स्टेडियम और उसके पास सरदार पटेल स्पोर्ट्स संकुल बननेवाला है, जिसमें दस से अधिक स्टेडियम बनेंगे।

श्री शाह ने कहा कि वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेल हमारे मोटेरा स्टेडियम के पास सरदार पटेल स्पोर्ट्स संकुल में आयोजित करने का हमारा लक्ष्य है और इसके लिए गुजरात सरकार ने सारी तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात को स्पोर्ट्स के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए वर्ष 2002 में जब श्री नरेन्द्र मोदी जी मुख्यमंत्री बने, तब वार्षिक बजट सिर्फ ढ़ाई करोड रूपए था और आज वह बजट बढ़कर 352 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

भारत ने कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

भारत ने अमेरिका में कैलिफोर्निया के एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना की कड़ी निंदा की है और अमेरिकी प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई एवं धर्मस्थलों की सुरक्षा करने का आह्वान किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हमने कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की खबरें देखी हैं। हम इस तरह के घृणित कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम स्थानीय कानून प्रवर्तन

अधिकारियों से इन कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और पूजा स्थलों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी कैलिफोर्निया के सबसे बड़े हिंदू मंदिरों में से एक श्री स्वामीनारायण मंदिर को शनिवार रात अपवित्र किया गया है और इसकी दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए।

इस घटना के बाद मंदिर के प्रशासन संभालने वाले बीएपीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस बार चिनो हिल्स कैलिफोर्निया में, एक और मंदिर के अपवित्रीकरण के सामने हिंदू समुदाय नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। चिनो हिल्स और दक्षिणी कैलिफोर्निया में समुदाय के साथ हम कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगे। इसमें आगे कहा गया कि हमारी साझा मानवता और आस्था यह सुनिश्चित करेगी कि शांति और सद्भाव कायम रहे।

एक हजार कर अधिकारियों पर निलंबन की तलवार

नौकरी के लिए खतरा बनी एमनेस्टी योजना

लखनऊ, 09 मार्च (एजेंसियां)।

एमनेस्टी योजना राज्य कर अधिकारियों के लिए खतरा बन गई है। इसके तहत उन्हें हर रोज पांच व्यापारियों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इसमें पांच से दस फीसदी अधिकारी ही रोजाना लक्ष्य पाने में सफल हो रहे हैं। शासन ने लक्ष्य पूरा न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश में राज्य कर में 436 खंड हैं, जिनमें लगभग 1200 अधिकारी तैनात हैं। बमुश्किल पांच से दस फीसदी अधिकारी ही रोजाना पांच व्यापारियों को इस योजना में जोड़ने में सफल हो रहे हैं।

लक्ष्य पूरा न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश प्रमुख सचिव एम. देवराज ने दिए हैं। इस संबंध में जोनल एडिशनल कमिश्नरों द्वारा जारी पत्र में साफ कहा गया है कि हर हाल में रोजाना पांच केस एमनेस्टी में शामिल करने ही हैं। इसे पूरा न करने वाले अधिकारी का नाम निलंबन के लिए भेज दिया जाएगा।

इसी के साथ खंडों में तैनात 1200 अधिकारियों में से लगभग 1000 पर निलंबन का खतरा मंडरा रहा है। ऐसा पहली बार होगा जब किसी सरकारी विभाग के 90 फीसदी से ज्यादा

अधिकारियों पर एकसाथ कार्रवाई होगी।

एमनेस्टी योजना स्वैच्छिक है। व्यापारियों को इसमें शामिल करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। यही वजह है कि लगभग 1.92 लाख केसों में से अभी तक करीब 25 हजार ने ही योजना में अपील के लिए आ-वेदन किया है। 31 मार्च अंतिम तारीख है। सबसे ज्यादा विवादों के मामले लखनऊ जोन में हैं, जहां करीब 22 हजार केस हैं। दूसरे नंबर पर 19 हजार केस के साथ वाराणसी है। तीसरे नंबर पर 18,500 केस लेकर गाजियाबाद है। चौथे नंबर पर 14 हजार केस कानपुर में और पांचवें पर 13,500 केस मुरादाबाद में हैं। छठे स्थान पर 10 हजार मामले गोरखपुर के हैं।

एमनेस्टी योजना कारोबारियों को जीएसटी मामलों में ब्याज और जुर्माने से राहत दे रही है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18, वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 के मामलों में राहत मिलेगी। इन तीन वित्त वर्षों के मामलों को एमनेस्टी योजना में लाने से कारोबारियों को केवल टैक्स देना पड़ेगा। ब्याज और पेनाल्टी से छूट मिल जाएगी। प्रदेश में लगभग 1.92 लाख व्यापारी एमनेस्टी योजना के दायरे में हैं। उन पर विभाग के 7,816 करोड़ रुपए बकाया है। टैक्स चुकाने पर 5,150 करोड़ रुपए के ब्याज और 1,213 करोड़ रुपए पेनाल्टी की छूट मिलेगी।

युवाओं की प्रगति के रास्ते की बाधाएं हटाएगी सरकार : योगी

मेरठ में 1070 युवाओं को दिया गया 48 करोड़ का ऋण

मेरठ, 09 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेरठ एवं सहारनपुर मंडल के 1070 युवाओं को 48 करोड़ के ऋण वितरण कार्यक्रम में शिरकत किया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं के उत्साह और सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रगति में आने वाली हर बाधा को दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि 24 जनवरी को शुरू की गई सीएम युवा उद्यमी स्कीम को लेकर प्रदेश के युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। योजना के तहत 1 लाख आवेदनों के लक्ष्य के सापेक्ष 2 लाख 67 हजार से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है। इनमें से 1 लाख से अधिक आवेदनों को स्क्रीनिंग के बाद बैंकों को भेजा गया, जिनमें से 25 हजार से अधिक को मंजूरी मिल चुकी है और ऋण वितरण शुरू हो गया है। आज मेरठ में 1070 युवाओं को इस योजना का लाभ मिला।

सीएम ने कहा कि पहले चरण में 5 लाख रुपए तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका पूरा ब्याज सरकार वहन करेगी। अनुसूचित जाति, जनजाति और महिलाओं के लिए योजना में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पीएम मोदी के स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सीएम ने मेरठ को क्रांतिधरा और पावन स्थल बताते हुए कहा कि इसे शिक्षा का हब बनाना जरूरी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पश्चिमी यूपी को विकास से नहीं पिछड़ने दिया जाएगा। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि सरकार उनके लिए हर अवसर के बैरियर को हटाएगी।

मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार के 8 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने बताया कि 15 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को जमीन पर उतारा गया, जिससे 7 लाख युवाओं को रोजगार मिला।

इसके अलावा साढ़े 7 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। एमएसएमई सेक्टर को पुनर्जीवन देकर 96 लाख यूनिट्स के साथ यूपी देश में नंबर एक बन गया है। सवा दो लाख करोड़ के उत्पादों का निर्यात हो रहा है। नतीजतन, बेरोजगारी दर घटी और 6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे।

सीएम ने हाल ही संपन्न महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं ने इसे सुरक्षित और श्रद्धा-पूर्वक अनुभव किया। गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार तक विस्तार देने की योजना की बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह दो कुंभ नगरियों को जोड़ेगा। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली-मेरठ के बीच शुरू होने से यात्रा आसान हुई है। उन्होंने दावा किया कि अब प्रदेश में कानून व्यवस्था का संकट नहीं है और हर बेटी, व्यापारी व नौजवान सुरक्षित है।

कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने योजना के तहत कारोबार शुरू करने वाले युवाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मेरठ, गौतमबुद्ध नगर, सहारनपुर और शामली के युवाओं ने इसमें हिस्सा लिया। सीएम ने कहा कि युवाओं के लिए चुनौती तब चुनौती नहीं रहती, जब सरकार उनके साथ खड़ी हो।

नया उत्तर प्रदेश नए भारत का आधार बन रहा है। होली के ठीक पहले इस कार्यक्रम के जरिए 1070 नए युवा उद्यमियों को प्रोत्साहन देने पर जोर देते हुए सीएम ने कहा कि यह युवा ऊर्जा उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में संबल प्रदान करेगी। इससे भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

इस अवसर पर मंत्री राकेश सचान, सोमेन्द्र तोमर, दिनेश खटीक, सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, अरुण गोविल, राजकुमार सांगवान, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, महापौर हरिकांत अहल-वालिया, विधायक अमित अग्रवाल, अश्विनी त्यागी, धर्मेन्द्र भारद्वाज, गुलाम मोहम्मद, क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिसोदिया, जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

इस साल से शुरू होगा मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स विवि का पहला सत्र

नवंबर तक बन जाएगा विश्वविद्यालय का कैंपस: सीएम योगी

मेरठ, 09 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेरठ में मीडिया से बातचीत के दौरान शहर के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि मेरठ में प्रदेश का पहला स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेजर ध्यानचंद के नाम पर बनाया जा रहा है, जिसका निर्माण नवंबर 2025 तक पूरा होने की संभावना है। सीएम योगी ने कहा कि मैंने इसका निरीक्षण किया है और इसी साल इसके पहले सत्र को शुरू करने की योजना है।

यह विश्वविद्यालय यूपी के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। शुरुआत में इसकी कक्षाएं सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 10 वर्षों में मेरठ ने देश की बेहतरीन कनेक्टिविटी हासिल की है।

इस कड़ी में देश की पहली रैपिड रेल सेवा दिल्ली से मेरठ के लिए शुरू हो चुकी है, जबकि 12 लेन का एक्सप्रेस वे पहले ही मेरठ के लिए चालू हो चुका है। उन्होंने कहा कि मेरठ से लखनऊ और प्रयागराज को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण अंतिम चरण में है और इस बार के बजट में मेरठ से हरिद्वार तक इसके विस्तार का निर्णय लिया गया है। प्रयागराज में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के बाद अब मेरठ पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इनर रिंग रोड, ट्रैफिक जाम, वेंडिंग जोन, सीवर, ड्रेनेज और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि समय पर प्रस्ताव मिलने पर आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि मेरठ को बेहतरीन सुविधाओं से युक्त बनाना हमारा संकल्प है। सीएम योगी ने जनप्रतिनिधियों की विकास कार्यों में रुचि की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से मेरठ और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से प्रगति हो रही है। इस दौरान उन्होंने मेरठ को बेहतर प्लानिंग के साथ एक मॉडल शहर बनाने पर जोर दिया।

गंगा की रेती पर शोभा बढ़ा रहे दुर्लभ पक्षी इंडियन स्कीमर

पक्षियों के 150 जोड़े की सुरक्षा के किए गए इंतजाम

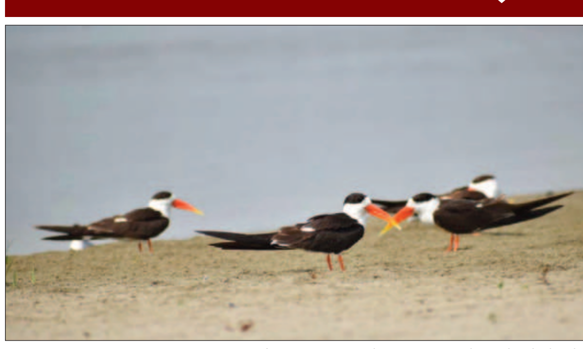

लखनऊ/प्रयागराज, 09 मार्च (एजेंसियां)।

महाकुंभ मेले में रिकॉर्डतोड़ 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन के बाद अब गंगा की रेती पर दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर के वेलकम की तैयारी शुरू हो गई है। महाकुंभ की शुरुआत में 150 जोड़े इंडियन स्कीमर के पहुंचे, जो दिसंबर से लेकर फरवरी अंत या मार्च की शुरुआत तक अंडे देते हैं। अब 150 जोड़ों के साथ ही इन दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर को जंगली जान-वरों से बचाने के लिए बड़े पैमाने पर वाचर तैनात कर दिए गए हैं। इसी के साथ वाइल्ड लाइफ की टीम भी अलर्ट कर दी गई है। दुनिया के इस सबसे बड़े मेले में 90 से अधिक प्रजातियों के देशी और विदेशी पक्षी पहुंचे हैं। प्रदूषण को रोकने में भी यह काफी कारगर साबित होते हैं।

महाकुंभ में इन्हें देखने देश विदेश से लोग जुड़ते हैं। इसी के मद्देनजर यहां बर्ड फेस्टिवल का भी आयोजन किया गया है। इसी के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है। जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। प्रयागराज के डीएफओ अरविंद कुमार यादव ने बताया कि महाकुंभ के दौरान 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के साथ-साथ इंडियन स्कीमर के 150 से अधिक जोड़े संगम क्षेत्र में पहुंचे हैं। यहां वे प्राकृतिक वातावरण में घुल-मिल गए। ये पक्षी जंगली जानवरों से अपने अंडे को बचाने के लिए संगम की रेती में छुपा देते हैं। जिन्हें बचाने और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार की तरफ से भी कई तरह के इंतजाम किए गए हैं। दुर्लभ प्रजाति के अंडों और नन्हे पक्षियों को जंगली जानवरों और अन्य खतरों से बचाने के लिए बड़ी संख्या में वाचर तैनात किए गए हैं। इसके अलावा वाइल्ड लाइफ की टीम को भी लगाया गया है। जो पक्षियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी गणना का भी काम कर रहे हैं। वन्यजीव सुरक्षा को लेकर वाइल्ड लाइफ की टीम लगातार गश्त कर रही है। ताकि पक्षियों और उनके अंडों को किसी भी तरह के खतरे से बचाया जा सके।

महाकुंभ के दौरान पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इको टूरिज्म को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है। जिससे स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिल रहा है। दुनिया के इस सबसे बड़े मेले में 90 से अधिक देशी और विदेशी प्रजातियों के पक्षी पहुंचे हैं। जो इस क्षेत्र की जैव विविधता को समृद्ध बना रहे हैं।

क्रिकेटर सुरेश रैना के रिश्तेदारों का हत्यारा एनकाउंटर में ढेर

मथुरा, 09 मार्च (एजेंसियां)।

मथुरा में पुलिस ने एक लाख के इनामी जिस गैंगस्टर असद को मुठभेड़ में ढेर किया, उसने क्रिकेटर सुरेश रैना के तीन रिश्तेदारों की हत्या की थी। पुलिस को इस घटना में असद की तलाश थी। 19 अगस्त 2020 में पठानकोट में लूट के लिए क्रिकेटर सुरेश रैना की बुआ और फूफा समेत 3 लोगों की छैमार गिरोह ने हत्या कर दी थी। पुलिस ने कुख्यात बदमाश असद उर्फ फाती के साथी राशिद उर्फ सीपाई पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने एक माह बाद ही सोरम-गोयला मार्ग पर मुठभेड़ में मुख्य हत्यारोपी राशिद को ढेर कर दिया था। असद की तलाश जारी थी।

मथुरा के डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि 19 अगस्त 2020 को पठानकोट में लूट के लिए छैमार गैंग के मुखिया फाती उर्फ असद ने पूरी योजना तैयार की थी। इसके बाद उसके साथी राशिद ने क्रिकेटर सुरेश रैना की बुआ और फूफा के घर पर धावा बोल दिया था। लूट का विरोध करने पर राशिद ने सुरेश रैना के फूफा अशोक कुमार, बुआ आशा और फुफेरे भाई कौशल कुमार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। रैना के फूफा अशोक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बुआ आशा और भाई कौशल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

इस मामले से जुड़े दो बदमाशों को शहर कोतवाली पुलिस ने 19 सितंबर 2022 में किदवई नगर में मुठभेड़ के दौरान पकड़ लिया था। एक बदमाश की पहचान जिला सहारनपुर के थाना गंगोह स्थित गांव धलापड़ा झुग्गी झोपड़ी निवासी काका उर्फ गोलू उर्फ शहजान के रूप में हुई थी, जबकि दूसरा बदमाश मुरादाबाद पीपल साना निवासी तालिब उर्फ फैजान उर्फ आसिम था। पुलिस की जांच में बदमाश राशिद का नाम सामने आया था। वह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम भी घोषित था। एक अप्रैल 2023 को शाहपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और एस-ओजी से मुठभेड़ में एक बदमाश राशिद घायल हो गया। उसे सीएचसी शाहपुर पहुंचाया गया, वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राशिद छैमार गिरोह का सदस्य था। वह तीन लोगों की हत्या के मामले में वांछित था। मुजफ्फरनगर में राशिद के खिलाफ जानलेवा हमले और डकैती के मुकदमे दर्ज हैं। एक अन्य बदमाश मौके से फरार हो गया।

तीनों राज्य की पुलिस को लंबे समय से असद की तलाश में जुटी थी। डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि थाना हाईवे के कृष्णा कुंज कॉलोनी के एक घर में फाती अपने 3 साथियों के साथ छिपा है।

एसओजी व हाईवे पुलिस ने घर की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक गोली फाती के लग गई। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंधेरे का फायदा फाती के साथी भाग गए। जिस समय वारदात हुई थी, तब सुरेश रैना 2020 में संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए गए थे। वह चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे थे। जब उन्हें अपने रिश्तेदारों की मौत की जानकारी हुई तो वह निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल मैच छोड़कर वापस भारत लौट आए थे। इसके कारण चेन्नई सुपर किंग्स और सुरेश रैना के फैंस को काफी निराशा हुई थी। सीएसके की पूरी टीम ने उन्हें मुश्किल समय में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया था।

अमेठी में प्रार्थना सभा की आड़ में हो रहा था धर्मांतरण

अमेठी, 09 मार्च (एजेंसियां)।

अमेठी के पालपुर कस्बे में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला रविवार को सामने आया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक मकान में छापा मारा। मौके से धर्म परिवर्तन से संबंधित कई पुस्तकें, दस्तावेज और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है।

पालपुर कस्बे के एक मकान में प्रार्थना सभा के नाम पर 100 से अधिक महिला पुरुष जमा हुए थे। किसी ने धर्म परिवर्तन की सूचना हिन्दू धर्म संगठन और पुलिस को दे दी। जानकारी पर

सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना राहुल सिंह, नायब तहसीलदार मुसाफिरखाना प्रशांत सिंह व प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव फोर्स संग मौके पहुंचे। घर के भीतर जाकर देखा तो छत पर बड़ी संख्या में आस पास गांवों के महिला पुरुष बच्चे मौजूद मिले।

ईसाई धर्म से जुड़ी पुस्तकें, डायरी, पैंपलेट, माइक, डफली सहित ऑडियो सिस्टम सहित कई सामान बरामद हुआ। मकान में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के बाद कुछ को घर से तो कुछ को थाने लाने के बाद छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस संदिग्ध पांच महिला व एक पुरुष को हिरासत में लेकर जांच में जुटी है।

इंस्पेक्टर ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्म परिवर्तन एक संगठित तरीके से कराया जा रहा था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ भी की जा रही है कि क्या वे स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन कर रहे थे या किसी लालच, भय अथवा दबाव में आकर ऐसा कर रहे थे। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

अंसल इंटीग्रेटेड टाउनशिप की आड़ में हुआ फर्जीवाड़ा

368.50 एकड़ के बजाय पास करा लिया 477 एकड़

लखनऊ, 09 मार्च (एजेंसियां)।

अंसल प्रॉपर्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर (अंसल एपीआई) ने प्रदेश की पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप ताज सुशांत सिटी की आड़ में कई फर्जीवाड़े किए। 368.50 एकड़ भूमि का मालिकाना हक था। लेकिन, धोखाधड़ी से 477 एकड़ भूमि में टाउनशिप का नक्शा पास करा लिया। नक्शा पास कराने के बाद विकास शुल्क नहीं दिया। सड़क, पार्क, एसटीपी भी नहीं बनाए। अंसल एपीआई के प्रमोटर्स प्रणव अंसल व सुशील अंसल के अलावा कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट विनय यादव के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज व धोखाधड़ी के आरोप में एलडीए के नगर नियोजक प्रभात कुमार पाल ने केस दर्ज कराया है। पुलिस को तीनों आरोपियों की तलाश है। इधर, प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले 2 हजार से अधिक लोगों की रकम डूब रही है। भूखंड व भवनों की खरीद के 10 से 12 साल बाद भी कब्जा नहीं मिला। अंसल होम बायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष केजी अग्रवाल ने बताया कि अंसल ने सर्किल रेट में भी फर्जीवाड़ा किया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया है। अंसल ने अधूरा प्रोजेक्ट राजदरबार ग्रुप को हस्तांतरित किया। दोनों ही ग्रुप घर खरीदारों संग मनमानी कर रहे हैं। दोनों के विरुद्ध होम बायर्स एसोसिएशन ने एक और केस दर्ज कराने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है।

अंसल एपीआई ने ताज सुशांत सिटी का नक्शा पास कराने के बाद एलडीए को विकास शुल्क अदा नहीं की। 4.33 करोड़ रुपए विकास शुल्क वसूली के लिए एलडीए ने डीएम के माध्यम से अंसल ग्रुप प्रमोटर्स के खिलाफ रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी कराई। इसके अलावा बड़ी संख्या में निवेशकों ने अंसल एपीआई के खिलाफ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) की शरण ली है।

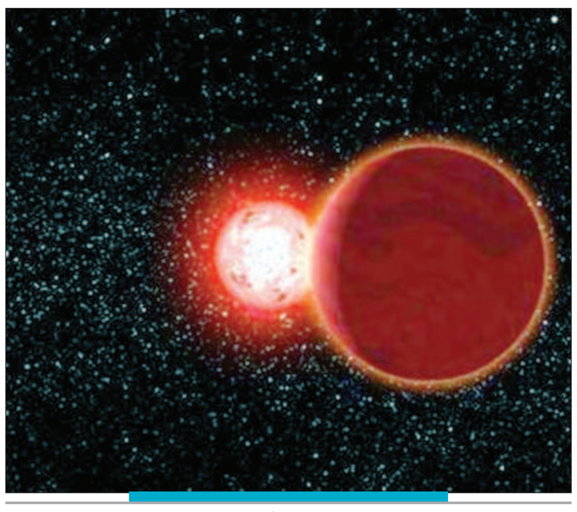

यहां लगता है साढे तीन साल का सूर्यग्रहण!

वैज्ञानिकों ने एक ऐसे तारे की खोज की है जहां साढे तीन वर्ष का सूर्यग्रहण लगता है। ये दो तारे हैं जो कि पृथ्वी से एक हजार प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। विज्ञानियों ने टीवाइसी 2505-672-1 युगल तारों में सबसे लंबे तथा सर्वाधिक अवधि के बाद लगने वाले ग्रहण का पता लगाया है। यह शोध एस्ट्रोनोमिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वांडरबिल्ट विश्वविद्यालय के विज्ञानी जोए रोड्रिग्स ने अपने शोध में बताया कि दो विशेष खगोलीय पिंडों से यह खोज करना संभव हो पाया।वैज्ञानिकों का कहना है कि टीवाईसी बेहद दूर होने के कारण उसके चित्र आदि लेने की संभावनाएं बेहद सीमित रहीं। इसके सहयोगी तारे का तापमान सूर्य की सतह से दो हजार डिग्री सेल्सियस अधिक था। इस तरह का अगला ग्रहण 2080 में लगेगा। इससे पहले सहयोगी तारे के कारण सबसे लंबे और अधिक अवधि के ग्रहण का रिकॉर्ड 27 वर्ष और 640 से 730 दिन का था जो विशाल तारे एप्सिलोन औरिगी के नाम था जो पृथ्वी से 22 सौ प्रकाश वर्ष दूर था।

चार साल के बच्चे को उम्रकैद!

एक चार के बच्चे को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। आप भी पढकर हैरत में पड गए होंगे। इस बच्चे पर मर्डर सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कमाल की बात यह है कि जब मर्डर हुआ था तब बच्चा मात्र एक साल का था। इस बच्चे को यह सजा मिस्त्र की एक अदालत ने सुनाई है। इस बच्चे का नाम है अहमद मंसूर करमी। मामले की सुनवाई के दौरान बच्चा कोर्ट में उपस्थित नहीं था।कोर्ट ने उस बच्चे पर मर्डर के चार काउंट्स, हत्या की कोशिश के आठ काउंट्स, प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने के एक काउंट और पुलिस को धमकाने के एक काउंट पर दोषी ठहराया। इस बच्चे के साथ साथ इस मामले में 115 अन्य लोगों को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बच्चे के वकील का कहना है कि मंसूर का नाम गलती से सजा पाने वालों की लिस्ट में चला गया था, लेकिन कोर्ट में जज के सामने उसका जन्म प्रमाणपत्र पेश नहीं किया गया जिससे यह प्रमाणित किया जा सके कि उसका जन्म 2012 में हुआ था। जब तक जन्म प्रमाण पत्र आया तब तक मामला मिलिटरी कोर्ट में चला गया था और उसे सजा दे दी गई।

समुद्री गुफा के बीच बना है यह रेस्टोरेंट

आज आपको एक ऐसे रेस्टोरेंट के बारे में बता रहे जो समुद्र से घिरी गुफा के अंदर बनाया गया है। इस रेस्टोरेंट का नाम ग्रोट्टा पलाजेसे है। ये दक्षिण इटली के पोलीगनानो में बनाया गया है। इस रेस्टोरेंट के पास ही समुद्र है, यहां से आप चट्टानों के खूबसूरत नजारों का मज़ा ले सकते हैं। ये लाइमस्टोन केव्स हजारों साल पुरानी है। 1700 ईसवी में यहां ग्रीक कॉलोनी भी होती थी। इस रेस्टोरेंट में लोग अपने मनोरंजन को लिए आते हैं। अगर कोई लेखक यहां पर इसकी खूबसूरती को देखें तो वह इस पर एक पूरी किताब लिख सकता है। यह जगह बाहर की सर्द हवाओं से छुपी हुई है। यहां पर लोग अपनी हर तरह की खुशी को सेलिब्रेशन करने जाते हैं। आपको इस रेस्टोरेंट में रोमांटिक डांस, मस्ती करने के बहुत सी सुविधाए मिलती हैं।

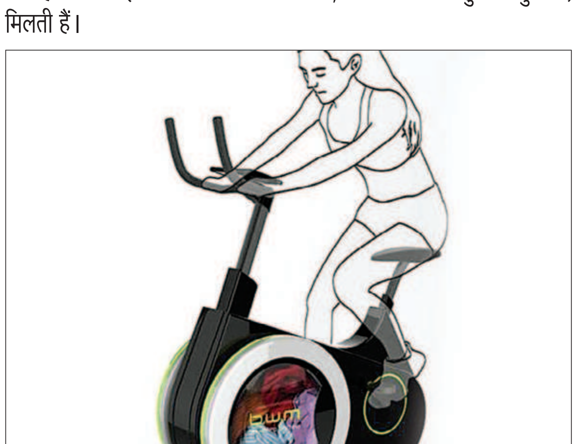

मोटापा घटाने के साथ धोती है कपडे

कपडे धोने को अधिकतर लोग तनावपूर्ण कार्य समझते हैं और इस काम को टालने के लिए हजारों बहाने ढूंढ़ते हैं। लोगों के इस तनाव को कम करने के लिए चीन के कॉलेज छात्रों ने एक ऐसी स्थिर (स्टेशनरी) बाइक की संरचना तैयार की है, जो लोगों को कपडे धोने के साथ ही व्यायाम करने का मौका भी प्रदान करेगी। इस अनोखी और विचित्र संरचना को बाइक वाशिंग मशीन (बीडब्लूएम) का नाम दिया गया है। इस शोध में शामिल एक छात्र ने वेबसाइट टूवी में लिखा, जब आप इस बाइक की सवारी करेंगे तो पैडल मारने पर वाशिंग मशीन का ड्रम घूमेगा। उसी दौरान अतिरिक्त बिजली उत्पन्न होगी, जो डिस्प्ले स्क्रीन या किसी अन्य उपयोग के लिए भंडारित की जा सकेगी। इस मशीन को चीन की डालियान नेशनलिटिज यूनिवर्सिटी के छात्रों ने डिजाइन किया है। यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस बाइक वाशिंग मशीन की पहली जानकारी कब प्रकाशिक की गई, लेकिन यह इन दिनों मीडिया और लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इस परियोजना को खासतौर पर उन लोगों के लिए अधिक कारगर माना जा सकता है, जो एक ही समय में एक से अधिक काम करने को तवज्जो देते हैं।

जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी में करियर...

जियोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब यह सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों में बड़े निर्णयों का आधार बनने लगा है। इसकी मदद से मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क प्लानिंग, एग्रीकल्चर, मीटिअरोलॉजी, ओशियनोग्राफी और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट से संबंधित कार्य पहले की तुलना में काफी सुगम हो गए है। आपके शहर, घर और पसंदीदा जगहों की सेटेलाइट तस्वीरों की हो या फिर उस जीपीएस तकनीक की, जिसकी मदद से आप कोई पता तलाशते हैं, किसी अनजाने क्षेत्र में जाने के लिए आसान रास्ता ढूंढ़ते हैं या कोई नजदीकी होटल खोजते हैं। कुछ साल पहले तक कोरी कल्पना लगने वाली ये तकनीकें अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं। यह सब संभव हुआ है जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी के कारण।

क्या है यह तकनीक

जीआईएस या जियोमेटिक्स एक नई वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसका इस्तेमाल जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन साइंस या जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है। अकादमिक रूप से यह जियोइंफॉर्मेटिक्स विषय की एक शाखा है। इस विषय के सिद्धांतों को आधार बनाकर तैयार की गई तकनीकों को जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक की मदद से सभी तरह की भौगोलिक सूचनाओं को इकट्ठा करके उनका संग्रहण, विश्लेषण और प्रबंधन किया जा सकता है। इस कार्य में जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और रिमोट सेंसिंग का प्रयोग किया जाता है।

भारत में प्रारंभिक अवस्था

भारत में जियोमेटिक्स का क्षेत्र अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन एक उद्योग के रूप में यह तेजी से विस्तार कर रहा है। इसको अपने कामकाज के लिए बड़े पैमाने पर स्पेशल डाटा (आकाशीय आंकड़ों) की जरूरत होती है। मगर शुरुआती दौर में होने की वजह से इस उद्योग में कुशल पेशेवरों की कमी बनी हुई है। इस कारण यहां रोजगार और तरक्की की दृष्टि से काफी संभावनाएं हैं।

इन क्षेत्रों में संभावनाएं

जियोइंफॉर्मेटिक्स शब्द जियोग्राफी और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी से मिलकर बना है। इस तकनीक का लाभ परिवहन, रक्षा, विनिर्माण और संचार सहित सैकड़ों क्षेत्रों में लिया जा रहा है। अर्बन प्लानिंग, लैंड यूज मैनेजमेंट, इन-कार नेविगेशन सिस्टम, वचरुअल ग्लोब, पब्लिक हेल्थ, इंवायरन्मेंटल मॉडलिंग एंड एनालिसिस, मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, मीटिअरोलॉजी, ओशियनोग्राफी एंड एटमॉस्फेयर मॉडलिंग, बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर, आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन, टेलीकम्यूनिकेशंस, क्रिमिनोलॉजी एंड क्राइम सिमुलेशन, एविएशन और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट आदि से संबंधित कार्यो में जियोइंफॉर्मेटिक्स काफी मददगार साबित हो रहा है।क्लाइमेट चेंज स्टडीज, टेलीकम्यूनिकेशंस, डिजास्टर मैनेजमेंट और उसकी तैयारियों में इस तकनीक से विशेष मदद मिलती है। इसी तरह बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर और आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन में इस तकनीक को अपनाए जाने के बाद काम की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जियोग्राफी और अर्थ साइंस के विशेषज्ञों और शोधार्थियों को भी इस तकनीक से सटीक अध्ययन में काफी मदद मिली है। जियोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब यह सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों में बड़े निर्णयों का आधार भी बनने लगा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान, पर्यावरण एजेंसियां, सरकार, शोध-शिक्षण संस्थान, सर्वेक्षण और मानचित्रीकरण संगठन अपने कामकाजी फैसलों में इस तकनीक से प्राप्त आकंड़ों को वरीयता देते हैं। कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने अपने दैनिक कार्यों का प्रबंधन करने के लिए भी स्पेशल डाटा का उपयोग शुरू कर दिया है।

कई तरह के रोजगार

जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी में कई तरह के रोजगार उपलब्ध हैं। साथ ही नए-नए अवसर भी इस क्षेत्र में पैदा हो रहे हैं। एनालिस्ट, काटरेग्राफर, सर्वेयर, प्लानर, एरियल फोटोग्राफर और मैपिंग टेक्निशियन आदि रोजगार के कुछ प्रमुख विकल्प हैं, जिन्हें जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रहे छात्र चुन सकते हैं।

प्रमुख रोजगार क्षेत्र और कार्य

- **आईटी:** जीआईएस प्रोग्रामर और जीआईएस डेवलपर
- **इंवायरन्मेंट:** इंवायरन्मेंटल प्लानिंग एंड मैनेजमेंट
- **गवर्नमेंट (स्टेट एंड सेंट्रल):** को-ऑर्डिनेटर, साइंटिस्ट, रिसर्च एसोसिएट और जीआईएस एग्जिक्यूटिव
- **जियोलॉजी:** जियोलॉजिकल एंड जियोमॉफरेलॉजिक मैपिंग, टरेन एंड कडैस्ट्रल मैपिंग और माइनिंग
- **डिजास्टर मैनेजमेंट:** आकलन और राहत कार्यक्रमों में
- **एग्रीकल्चर:** फसलों का रकबा जानने और नुकसान का आकलन करने में
- **मिलिट्री:** युद्ध की योजना बनाने और युद्ध के बाद के प्रभावों का अनुमान लगाने में
- **अर्बन:** टाउन प्लानिंग, मॉनिटरिंग सर्फेस वाटर और टार्गेटिंग ग्राउंड वाटर
- **एजुकेशनल इंस्टीट्यूट :** लेक्चरर, रीडर, साइंटिफिक ऑफिसर और प्रोफेसर

जियोइंफॉर्मेटिक्स कंपनियों में मिलेंगे ये पद

- जीआईएस मैनेजर
- जीआईएस इंजीनियर
- जीआईएस एनालिस्ट/ कंसल्टेंट
- जीआईएस बिजनेस कंसल्टेंट
- जीआईएस प्रोग्रामर
- जीआईएस एग्जिक्यूटिव

उपलब्ध पाठ्क्रम

- बीटेक इन जियोइंफॉर्मेटिक्स
- एमएससी इन जियोइंफॉर्मेटिक्स
- एमएससी इन जियोइंफॉर्मेटिक्स एंड रिमोट सेंसिंग
- एमटेक जियोइंफॉर्मेटिक्स एंड सर्वेइंग टेक्नोलॉजी
- पीजी डिप्लोमा इन जियोइंफॉर्मेटिक्स

कैसे जाएं इस क्षेत्र में

जियोइंफॉर्मेटिक्स एक खास क्षेत्र है, जो विषय की बेहतर समझ और गहरी जानकारी की अपेक्षा रखता है। इस क्षेत्र में बतौर छात्र प्रवेश करने के लिए विज्ञान पृष्ठभूमि का होना जरूरी है। जियोग्राफी, जियोलॉजी, एग्रीकल्चर, इंजीनियरिंग, आईटी और कंप्यूटर साइंस में से किसी एक विषय में बैचलर डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र जियोइंफॉर्मेटिक्स एंड रिमोट सेंसिंग विषय के एमएससी या एमटेक पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं। इसके बाद पीएचडी करने का भी विकल्प रहता है। इन विषयों में शार्ट टर्म डिप्लोमा, सर्टिफकेट और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। इस विषय के पाठ्यक्रमों में प्रोजेक्शन सिस्टम से संबंधित तकनीकों, एनोटेशन डाइमेंशन एंड प्लॉटिंग, डाटाबेस मैनेजमेंट, 3 डी विजुअलाइजेशन, थिमेटिक मैपिंग, रिमोट सेंसिंग प्लेटफॉर्म, वेब मैपिंग, फोटोग्रामेट्री, काटरेग्राफी, जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम्स और ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के बारे में जानकारी दी जाती है।

संबंधित संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, कानपुर और रुड़की
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची, कोलकाता, जयपुर
- नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, हैदराबाद
- इसरो, बेंगलुरु
- जवाहरलाल नेहरू टेक्निकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
- सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ जियोइंफॉर्मेटिक्स

कैसा हो व्यक्तित्व

- जटिल मामलों को सुलझाने का कौशल
- विश्लेषण करने का हुनर
- समस्याओं को भांपने और उनका हल तलाशने की काबिलियत
- अपने विषय से गहरा लगाव
- नए उपायों को तलाशने का उत्साह
- रचनात्मकता और सीखने की ललक
- लिखित व मौखिक रूप में भाषा पर गहरी पकड़
- नई चीजों को जानने और सीखने में रुचि
- अपने विषय क्षेत्र की गहरी जानकारी और उसमें हो रहे बदलावों का ज्ञान

जो युवा अपने कॅरियर को लेकर असमंजस की स्थिति में रहते हैं। उनके लिए आईटी सेक्टर काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। हर युवा चाहता है कि वो ऐसी नौकरी हासिल करे, जिसमें ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाया जा सके, तो ऐसे में हम आपको बता दें कि आईटी के क्षेत्र में पैसों की कोई कमी नहीं है।

वेतन मामले में आईटी क्षेत्र है सबसे आकर्षक

ये मिलता है फायदा

वेतन के लिहाज से देश का आईटी क्षेत्र सबसे आकर्षक है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईटी क्षेत्र के कर्मचारियों को 341.8 रुपए प्रति घंटे का वेतन मिलता है। इसके बाद वित्तीय क्षेत्र का नंबर आता है। वित्तीय क्षेत्र में कर्मचारियों का वेतन 291 रुपए प्रति घंटा है। ऑनलाइन करियर और रिक्रूटमेंट सॉल्यूशन कंपनी मॉन्सटर इंडिया के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में वेतन की बात की जाए, तो आईटी क्षेत्र सबसे आगे है। इस क्षेत्र में कर्मचारियों को 341.8 रुपए प्रति घंटे का वेतन मिलता है। मॉन्सटर के वेतन इंडेक्स के अनुसार निर्माण क्षेत्र में 259 रुपए प्रति घंटे, शिक्षा क्षेत्र में 186.5 रुपए, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 215 रुपए, विधि क्षेत्र में 215.6 रुपए व विनिर्माण तथा परिवहन क्षेत्र में 230.9 रुपए प्रति घंटे का वेतन मिलता है।

अच्छी नौकरी के लिए टिप्स...

आजकल हर कोई बढ़िया नौकरी की तलाश के लिए कई पापड़ बेलता है पर बढ़िया नौकरी मिल पाना मुश्किल ही नहीं बलिक नामुमिकन भी होता है। पर कुछ टिप्स की मदद से आप भी अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी पा सकते है। पहले तो आपको जिस कंपनी में नौकरी चाहिए उसके बारे में पूरी जानकारी एकित्रत कर लेनी चाहिए। अपने सम्पर्क फैलाएं, अपने गुणों से परिचित हों, रेज्यूम अच्छे से बनाएं, कम्युनिकेशन स्किल डेवलप करें। जिससे आपको इंटरव्यू के दौरान अपने बॉस के सामने अपनी बात रखने में कोई परेशानी न हो। इन दिनों सोशल नैटविर्क ग वैबसाइट्स का काफी चलन है। इन पर सिक्रय रहें और लोगों से मिलना-जुलना भी बढ़ाएं। इंटरनैट पर मौजूद नौकरी संबंधित वैबसाइट्स पर अपनी उपिस्थति भी दर्ज करवानी चाहिए।इन पर नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप लिख दें। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें क्योंकि इससे लोगों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा और आपको नौकरी मिलने की सम्भावनाएं कई गुणा बढ़ जाएंगी। आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कम्पनियों के काम करने के ढंग और नियुक्तियों के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में अधिक से अधिक जानकारी जुटाएं।

AWARENESS | ‘फीयर ऑफ मिसिंग आउट’ से पैदा हो सकती हैं परेशानियां

कहीं आप भी ‘फोमो’ के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप ‘फोमो’ यानि ‘फीयर ऑफ मिसिंग आउट’ के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको ‘फोमो’ का शिकार बना सकती है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे ‘फोमो’ का शिकार हो जाते हैं।

ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि ‘फोमो’ सोशल एंजाइटी का रूप है। ‘फोमो’ की स्थिति में एक व्यक्ति खुद से जुड़ी सभी बातें सोशल मीडिया पर शेयर करने का दबाव महसूस करता है।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

जब नहीं मिलता अटेंशन...

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटैंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढ़ना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, ‘फोमो’ फोबिया उन पर हावी हो जाता है। साइकोलॉजिकली या सोशियलर अगर आप सामने वाले से खुद को कमतर पाते हैं तो ये सारी बातें आपको परेशान करने लगती हैं। ऐसे में आपके मन में ‘फीयर ऑफ मिसिंग आऊट’ जैसी बातें आने लगती हैं।

आपके भीतर पैदा कर देता है ‘डर’

‘फोमो’ में एक व्यक्ति के भीतर डर विकसित होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति ‘फोमो’ के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षित या अकेला महसूस करने लगता है।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ ‘फोमो’ ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहेवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

बैंक मित्र बनकर आप भी कमा सकते हैं पैसा

आप चाहे युवा हों या रिटायर्ड एम्प्लाई अगर आप भी पैसा कमाना चाहते हैं तो यह जॉब आपके लिए है। प्रधानमंत्री जनधन योजना से जुड़कर यानि बैंक मित्र बनकर आप पैसा कमा सकते हैं। बैंक मित्र को न्यूनतम 5000 रुपए का फिक्सड वेतन मिलेगा, इसके अलावा खातों में लेन-देन पर अलग से कमीशन भी मिलेगा। साथ ही बैंक मित्र के लिए अलग के एक कर्ज स्कीम भी तैयार की गई है। इसमें उसे कंप्यूटर, वाहन आदि के लिए कर्ज भी बैंक देगा।

खाताधारकों में जागरुकता पैदा करने का प्रयास...

- प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत बचत और दूसरी सुविधाओं के बारे में लोगों को शिक्षित करना और जागरूकता फैलाना।
- सेविंग्स और लोन संबंधित बातों की सलाह देना।
- ग्राहकों की पहचान करना।
- प्राथमिक जानकारी, आंकड़ें इकट्ठा करना, फॉर्म को संभालकर रखना, लोगों द्वारा दी गई जानकारी की जांच करना और लोगों द्वारा दी गई राशि को संभल कर जमा करवाना।
- आवेदन और खातों से सम्बंधित फॉर्म भरना।
- राशि का समय पर भुगतान और जमा करने का कार्य।
- किसी की तरफ से आया हुआ पैसा सही हांथों तक पहुंचना और उसकी रसीद बनाने का काम।
- खातों और अन्य सुविधाओं से सम्बंधित जानकारी उपलब्ध करवाना।

क्या योग्यता चाहिए...?

कोई भी व्यस्क व्यक्ति बैंक मित्र बन सकता है। इसके अलावा सेवानिवृत हो चुके बैंक कर्मचारी, शिक्षक, बैंक, सेना के व्यक्ति भी इसके लिए पात्र होंगे। साथ ही केमिस्ट शॉप, किराना शॉप, पेट्रोल पंप, स्वयं सहायता समूह, पीसीओ, कॉमन सिर्वस सेंटर आदि भी बैंक मिऋ बन सकेंगे। बैंक मित्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपनी नजदीकी शाखा में संपर्क कर सकते हैं।

संपादकीय

शिक्षा में शिक्षा की खोज

अभिप्राय जीवन के द्वंद्व में सार्थकता की खोज में, कितना सफल होता है, इसका विवेचन ज्ञान की निरंतरता है। शिक्षा के सेतु से गुजरते ज्ञान को रोजगार के पाठ्यक्रम ने इस कद्र ओवरटेक किया कि आज इसका गुणात्मक पक्ष ही खारिज हो गया। हिमाचल में शिक्षा के मायने या तो सीधे नौकरी से चस्पां हैं या उपाधियों के तिलिस्म में ज्ञान बिखर रहा है। अध्ययन को पाठशाला में विस्तारित करने के बजाय पाठशालाओं का विस्तार अप्रासंगिक हो गया है। नौबत यह कि दर्जनों स्कूल-कालेज बंद करने पड़ रहे हैं या विज्ञान की पढ़ाई से स्कूल बेदखल करने पड़ रहे है। ऐसे में पढ़ाई की आरजू है क्या। पढ़ाई, ज्ञान, नौकरी, रोजगार और शिक्षा के सरोकार भले ही एक जैसे अभिप्राय लगते हों, लेकिन इनके भीतर व्यक्तित्व विकास और भविष्य की संभावना की परख अलग-अलग है। अब स्कूल से सीधे बीएड कोर्स में प्रवेश में पढ़ाई देखें, ज्ञान देखें, नौकरी देखें या रोजगार का अभिप्राय समझें। अगर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में डिग्रियों का मूल्यांकन कर रहे हैं, तो शिक्षा के चबूतरे और परिसर बदलेंगे, वरना मात्रात्मक डिग्रियां फांस बन जाएंगी। बेशक पढ़ाना भी एक हुनर है, लिहाजा शिक्षा संस्थानों का स्तर ऊंचा होना चाहिए। इसीलिए हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, केंद्रीय मंत्री धमेंद्र प्रधान से क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का परिसर मांग रहे हैं। बागबानी जैसे व्यावसायिक ट्रेड को स्कूली शिक्षा में शामिल करने की अरदास कर रहे हैं। होना तो यह भी चाहिए कि टीवी एवं फिल्म संस्थान का क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र हिमाचल में स्थापित हो ताकि बच्चों के लिए रोजगार के रास्ते खुलें। आश्चर्य यह कि हिमाचली मानसिकता में पाठ्यक्रम का अर्थ नौकरी तक पहुंचना है। इसलिए अगर मीडिया एवं जनसंचार की पढ़ाई शुरू हुई, तो बच्चों ने हुनर के बजाय अपने आवेदन को जनसंपर्क एवं सूचना विभाग की नौकरी में सजाना शुरू कर लिया। कांगड़ा में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान का हाजिरी रजिस्टर बताता है कि वहां हिमाचल के इक्का दुक्का छात्र ही आते हैं, क्योंकि वहां से नौकरी नहीं एक निपुण व्यवसाय निकलता है। विडंबना यह कि हिमाचली शिक्षा ने छात्रों को प्रोफेशन के बजाय नौकरी की दासता करनी सिखा दी। हमने इतने वकील बना दिए कि अदालतें और केस फाइल बढ़ा कर भी बेरोजगारी के संदर्भ कम पूरे नहीं हुए। कमोबेश यही हाल बीएड कालेजों की शुमारी में भी दर्ज होता है। इंजीनियरिंग कालेजों ने इतने इंजीनियर पैदा कर दिए कि वे ठेकेदारी में भी निपुण व्यवसायी नहीं बन पा रहे। कल यही आंकड़ा मेडिकल कालेज परिसरों के बाहर नौकरी और रोजगार के द्वंद्व की शिकायत करेगा। एक बार बेरोजगारों की कतार से भी तो पूछा जाए कि उनकी शिक्षा में कहां कोताही हुई। उन्होंने जो पढ़ा, उससे जीवन की क्षमता व ऊर्जा में इतना विस्तार क्यों नहीं हुआ कि आगे बढने के लिए अब कोई तुक्का चाहिए। ऐसा नहीं है कि हिमाचल में रोजगार नहीं बढ़ा, लेकिन पढ़ाई ने इसकी योग्यता पैदा नहीं की। कहीं पढ़ाई ऊंची हो गई, कहीं यह सरकारी नौकरी की दरख्वास्त बन गई। हिमाचल में फार्मा का हब बना, लेकिन न किसी स्कूल और न ही किसी कालेज को इसके भीतर पनपते रोजगार की खबर मिली। ऐसे में अगर हिमाचल जमा दो के बाद बीएड कोर्स को सफल बनाने को आतुर है, तो बारहवीं के बाद इंडस्ट्रियल रोजगार पर आधारित कोर्स क्यों न बढ़ाए जाएं। तरह-तरह के उद्योगों में शैक्षणिक योग्यता के पाठ्यक्रम शुरू किए जाते हैं, तो हिमाचल में रोजगार के पैमाने, शिक्षा के उद्देश्य और छात्रों के संकल्प भी बदलेंगे। यानी आप वो शिक्षा दें जो छात्रों को रोजगार के सफर पर आगे बढ़ाए। प्रदेश में ऐसे रोजगार परिसरों या शहरों की आवश्यकता है, जहां शिक्षा का सफर मुकम्मल हो। अगर इंजीनियर को अपने प्रोफेशन के इतर नौकरी की तलाश है, तो शिक्षा की नाकामी में राज्य के नजरिए में भी खोट है। बेहतर होगा हम रोजगार की क्षमता बढ़ाते हुए सरकारी नौकरी के पाठ्यक्रम के बोझ से छात्रों को मुक्त करें।

शिक्षा के सेतु से गुजरते ज्ञान को रोजगार के पाठ्यक्रम ने इस कद्र ओवरटेक किया कि आज इसका गुणात्मक पक्ष ही खारिज हो गया। हिमाचल में शिक्षा के मायने या तो सीधे नौकरी से चस्पां हैं या उपाधियों के तिलिस्म में ज्ञान बिखर रहा है। अध्ययन को पाठशाला में विस्तारित करने के बजाय पाठशालाओं का विस्तार अप्रासंगिक हो गया है। नौबत यह कि दर्जनों स्कूल-कालेज बंद करने पड़ रहे हैं या विज्ञान की पढ़ाई से स्कूल बेदखल करने पड़ रहे है। ऐसे में पढ़ाई की आरजू है क्या। पढ़ाई, ज्ञान, नौकरी, रोजगार और शिक्षा के सरोकार भले ही एक जैसे अभिप्राय लगते हों, लेकिन इनके भीतर व्यक्तित्व विकास और भविष्य की संभावना की परख अलग-अलग है। अब स्कूल से सीधे बीएड कोर्स में प्रवेश में पढ़ाई देखें, ज्ञान देखें, नौकरी देखें या रोजगार का अभिप्राय समझें। अगर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में डिग्रियों का मूल्यांकन कर रहे हैं, तो शिक्षा के चबूतरे और परिसर बदलेंगे, वरना मात्रात्मक डिग्रियां फांस बन जाएंगी। बेशक पढ़ाना भी एक हुनर है, लिहाजा शिक्षा संस्थानों का स्तर ऊंचा होना चाहिए। इसीलिए हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, केंद्रीय मंत्री धमेंद्र प्रधान से क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का परिसर मांग रहे हैं। बागबानी जैसे व्यावसायिक ट्रेड को स्कूली शिक्षा में शामिल करने की अरदास कर रहे हैं।

संपादकाचार्य श्री के. रामा राव की पुण्यतिथि (9 मार्च) पर विशेष

कलम ही जिनकी धारदार तलवार थी

के. विक्रम राव

प्रख्यात संपादक, जानेमाने स्वाधीनता-सेनानी और प्रथम संसद (राज्य सभा) के सदस्य (1952), श्री कोटमराजू रामा राव अपने दौर के अकेले ऐसे पत्रकार थे जो 25 से अधिक दैनिक समाचार पत्रों में कार्यशील रहे। इनमें अविभाजित भारत के लाहौर से प्रकाशित (लाला लाजपत राय का) दि पीपुल (1936), कराची का दैनिक दि सिंध आब्जर्वर (1921), मुंबई का दि टाइम्स आफ इंडिया (1924), चेन्नई का दि स्वराज्य (1935), कोलकाता का दि फ्री इंडिया (1934), नई दिल्ली का दि हिन्दुस्तान टाइम्स (1938), इलाहाबाद का दि लीडर (1920) और दि पायनियर (1928) तथा पटना का दि सर्चलाइट दैनिक (1950) थे। किन्तु रामा राव को ऐतिहासिक ख्याति मिली जब उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के दैनिक दि नेशनल हेराल्ड (1938-1946) का लखनऊ में सम्पादन किया। ढेर सारे अखबार बदलने पर रामा राव के एक साथी ने टिप्पणी की, वे अपने एक जेब में संपादकीय की कापी और दूसरे में त्यागपत्र रखते थे। स्व. रामा राव की जन्मशताब्दी के अवसर पर उपराष्ट्रपति कृष्णकांत ने डाक टिकट जारी किया था। भारत के प्रधान न्यायाधीश जेएस वर्मा ने कानून और पत्रकारिता पर स्मृति व्याख्यान दिया था।

चीराला (आंध्र प्रदेश) में 9 नवम्बर 1896 को जन्मे, तेलुगु भाषी रामा राव ने मद्रास विश्वविद्यालय से 1917 में अंग्रेजी साहित्य से स्नातक परीक्षा पास की और वहीं अंग्रेजी भाषा का अध्यापन भी किया। पत्रकारिता में उनका प्रवेश चेन्नई में ब्रह्म समाज की पत्रिका दि ह्यूमैनिटी से हुआ। फिर आचार्य टी.एल. (साधू) वासवानी के दि न्यू टाइम्स (1919) में कराची में उन्होंने कार्य किया। अपने अग्रज-संपादक के. पुन्नय्या के दैनिक दि सिंध आब्जर्वर में सह-संपादक बने। चार दशक के अपने पत्रकारी जीवन में रामा राव ने दो विश्व-युद्धों के दौर की घटनाएं, गांधी-नेहरू युग का स्वाधीनता-संघर्ष और स्वातंत्र्योतर भारत में आर्थिक नियोजन, निर्गुट विदेश नीति तथा मीडिया के आधुनिकीकरण को देखा और उन पर लिखा।

महात्मा गांधी के सान्निध्य में रहकर (1942-45) रामा राव ने दो दर्जन से ज्यादा भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्रों के सेवाग्राम में विशेष संवाददाता के रूप में राष्ट्रीय आंदोलन की रपट भेजीं। केन्द्रीय विधान सभा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों तथा राजनीतिक मुकदमों और क्रिकेट टेस्ट मैचों की रिपोर्टिंग की। उन्होंने बड़ी संख्या में युवा पत्रकारों को प्रशिक्षित किया, जिनमें हैं स्व. शाम लाल (बाद में टाइम्स आफ इंडिया के प्रधान संपादक), एच. वाई. शारदा प्रसाद (इंदिरा गांधी के मीडिया सलाहकार) और एम. चलपति राव जो नेशनल हेराल्ड में तेरहवें स्थान पर आये थे और बाद में संपादक बने।सन् 42 में रामा राव को दि नेशनल हेरल्ड में जेल या जंगल शीर्षक के संपादकीय लिखने पर ब्रिटिश हुकूमत ने छह माह का कारावास और जुर्माना की सज़ा दी थी। इस संपादकीय में उन्होंने लखनऊ कैंप जेल में कांग्रेसी सत्याग्रहियों पर हुये बर्बर अत्याचार की भर्त्सना की थी। अवध चीफ़ कोर्ट के निर्णय को आधे घन्टे में रेडियो जापान ने प्रसारित कर दिया था। लखनऊ जेल के क्रांतिकारी यार्ड में रामा राव को नजरबंद रखा गया, जहां उनके पूर्व मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, आचार्य जेबी कृपलानी, आरएस पंडित (पं. नेहरू के बहनोई) आदि कैद थे। रामा राव के जेल के साथियों में थे भगत सिंह वाले लाहौर षड्यंत्र केस के क्रांतिकारी शिव वर्मा तथा जयदेव कपूर, कम्युनिस्ट काली शंकर, विप्लवी जोगेश चटर्जी और लोहियावादी गोपाल नारायण सक्-सेना।

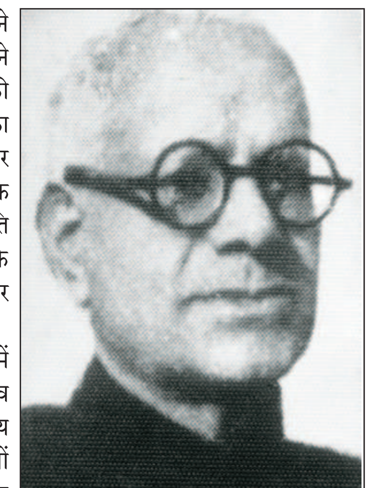

संपादक–स्वाधीनता सेनानी सांसद स्व. के. रामा राव.

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री की यूरोप, अफ्रीका और अमेरीका यात्रा (1949) पर रामा राव दि हिन्दुस्तान टाइम्स ग्रुप (इलाहाबाद के दि लीडर तथा पटना के दि सर्चलाइट दैनिकों) के विशेष प्रतिनिधि के नाते गए। संयुक्त राष्ट्र अमेरीका के अलावा श्री रामा राव ने ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, मिस्र, कनाडा, ब्राज़िल, ग्रीस (यूनान), स्विट्जरलैण्ड आदि देशों की यात्रा भी की। श्री रामा राव प्रथम राज्य सभा (1952) के लिये अविभाजित मद्रास राज्य (आंध्र प्रांत) से कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में निर्वाचित हुये। इनके नाम का प्रस्ताव विधायक के. कामराज तथा नीलम संजीव रेड्डी ने किया था। दोनों बाद में कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। भारत सरकार के प्रथम सलाहकार (1956) के नाते में रामा राव ने पंचवर्षीय योजना के प्रचार-प्रसार का संचालन किया था।कई पुस्तकों के लेखक, रामा राव ने अपनी आत्मकथा दि पैन एज़ माई स्वोर्ड लिखी। अखिल भारतीय समाचारपत्र संपादक सम्मेलन (आल-इंडिया न्यूजपेपर एडिटर्स कान्फ्रेंस, 1940) के संस्थापकों में रामा राव थे। देश के सम्पादकों ने मुम्बई में 1942 में हुए अपने अधिवेशन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए रामा राव को लखनऊ जेल में कैद रहते समय ही निर्वाचित किया था। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स) के उपाध्यक्ष (1950) की भूमिका में उन्होंने फेडरेशन के संविधान की रचना की। श्रमजीवी पत्रकारों के देश-विदेश के अधिवेशनों में शिरकत की। प्रथम भाषाई-राज्य आंध्र के निर्माण हेतु जन आंदोलन में सक्रिय रहे।रामा राव के पिता श्री कोटमराजू नारायण राव संस्कृत के पंडित तथा स्कूल के हेडमास्टर (1898) थे। उनकी मां वेंकायम्मा ने ब्रिटिश कलेक्टर (गुंटूर जनपद) के विरुद्ध 1899 में असहयोग करने और टैक्स न देने हेतु ग्राम वासियों को संगठित किया था। उनके चचेरे भाई कोटमराजू बोम्बू रामय्या आंध्र के प्रथम क्रांतिकारी थे, जिन्होंने 1910 में कट्ठेश्वर (तेनाली) में बम बनाया था।रामा राव ने अंग्रेजी भाषा की कवयित्री और ज्योतिषी सरसवाणी से सागरतटीय मछलीपत्तनम नगर (आंध्र प्रदेश) में 1922 में विवाह किया। इस पाणिग्रहण कार्य को मछलीपत्तनम वासी, बाद में कांग्रेस अध्यक्ष, स्वतंत्रता-सेनानी और मध्य प्रदेश के राज्यपाल स्व. डॉ. बी. पट्टाभि सीतारामय्या ने सम्पन्न कराया था। त्रिपुरी अधिवेशन में सीतारामय्याजी सुभाष चन्द्र बोस के विरुद्ध गांधीजी-नेहरू के मनोनीत प्रत्याशी थे। श्री रामा राव के श्वसुर प्रो. चोडवरपु जगन्नाथ राव आंध्र टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्रिंसिपल थे। रामा राव के चार पुत्रों में प्रथम, स्व. प्रताप राव भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) से रिटायर होने पर अमेरिका में बस गए थे। दूसरे, नारायण राव ने भारतीय आडिट एवं एकाउंट्स सर्विस से रिटायर होकर नई दिल्ली के भारतीय विद्या भवन में ज्योतिष शोध केंद्र को स्थापित किया। बाद में भवन के त्रैमासिक जर्नल ऑफ एस्ट्रोलॉजी के संपादक बने। तृतीय पुत्र के विक्रम राव लखनऊ में श्रमजीवी पत्रकार है। आखिरी सुभाष राव सिंडीकेट बैंक में मैनेजर थे। चार पुत्रियों में ज्येष्ठ वसंत तथा कनिष्ठ हेमंत अमेरिका में बस गईं। द्वितीय शरद तथा तृतीय शिशिर भारतीय सेना के अधिकारियों से विवाह कर कानपुर तथा हैदराबाद में बसीं। प्रपौत्र विश्वदेव लखनऊ में पत्रकार हैं।

कैसे पटेगी लैंगिक असमानता की खाई?

धरती के इस छोर से उस छोर तक/ मु_ी भर सवाल लिए मैं, छोड़ती-हांफती-भागती/ तलाश रही हूं सदियों से निरंतर, अपनी जमीन/अपना घर, अपने होने का अर्थ!' सुप्रसिद्ध कवयित्री निर्मला पुतुल की कविता 'अपने घर की तलाश में' से ली गई ये पंक्तियां स्त्री जीवन के यथार्थ की मर्मस्पर्शी अभिव्यक्ति है। लैंगिक समानता के वादों और दावों के बावजूद हमारे समाज में स्त्रियां दोयम दर्जे की नागरिक प्रतीत होती हैं। लैंगिक असमानता एक ऐतिहासिक और वैश्विक सत्य है। यद्यपि पिछले कुछ वर्षों में इस समानता की प्राप्ति की दिशा में कई निर्णायक कदम भी उठाए गए हैं, जिसके सुपरिणाम हमारे समक्ष भी हैं, तथापि लैंगिक अंतराल (जेंडर गैप) के आंकड़े बताते हैं कि अभी स्त्री मुक्ति का संघर्ष शेष है। संपूर्ण लैंगिक समानता की दिशा में की जाने वाली यात्रा सुदीर्घ होने वाली है। आइए, लैंगिक अंतराल की अवधारणा को जरा और समझें। लैंगिक अंतराल पुरुषों और महिलाओं के बीच जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यमान असमानताओं को सूचित करता है, जैसे कि आर्थिक भागीदारी, नेतृत्व भूमिकाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, और समग्र जीवन की गुणवत्ता। यह शक्ति, अवसरों और सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिणामों में असमानताओं को उजागर करता है। वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट जिसे विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जाता है, इस अंतराल की स्थिति को समझने का प्रमुखतम स्रोत रहा है। पिछले वर्ष जून में जारी की गई रिपोर्ट आशा और निराशा का मिश्रित चित्र प्रस्तुत करती है। एक ओर जहां कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, वहीं दूसरी ओर पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने का मार्ग लंबा और चुनौतीपूर्ण प्रतीत हो रहा है, वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स) इसका मुख्य मापदंड है, जो 0 से 1 तक के मानकों में निर्धारित किया जाता है। जहां 0 पूर्ण असमानता और 1 पूर्ण समानता का प्रतीक है। इस सूचकांक की गणना चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर की तुलना करके की जाती है- आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक प्राप्ति, स्वास्थ्य और जीवन रक्षा और राजनीतिक सशक्तिकरण। 2024 के वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक के अनुसार विश्व का औसत लैंगिक अंतराल स्कोर लगभग 0.579 है। इसका अर्थ यह हुआ कि लगभग आधी दूरी तो तय कर ली गई है। कुछ क्षेत्रों में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हुई है, किंतु यदि वर्तमान गति पर कार्य चलता रहे, तो इस अंतराल को पूरी तरह समाप्त करने में 130 वर्षों से अधिक का समय लग सकता है और यदि इस बीच ईश्वर न करे, कोविड महामारी जैसा कोई व्यवधान आ जाए तो लक्ष्य और दूर चला जाएगा। भारत में भी लैंगिक अंतराल एक गंभीर समस्या है। भारत का जीजीजीआई स्कोर लगभग 0.651 है, और वह विश्व में 140वें स्थान पर है। आर्थिक भागीदारी के संदर्भ में, महिलाओं का कार्यबल में योगदान केवल 23 फीसदी है, जो वैश्विक औसत से कहीं कम है, जबकि लड़कियों के नामांकन दर में सुधार हुआ है, भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में अभी भी कई चुनौतियां हैं। स्वास्थ्य के मामले में उच्च मातृ मृत्यु दर और स्वास्थ्य सेवाओं में असमानताएं लैंगिक अंतराल को और बढ़ाती हैं। राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की संसद में भागीदारी केवल 14 फीसदी है जो निर्णय लेने में उनकी सीमित भागीदारी को दर्शाता है। भविष्य में यह अनुमान लगाया गया है कि भारत में लिंग समानता प्राप्त करने में और 149 बरस लग सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कोई बड़ा हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो यह लक्ष्य और दूर चला जाएगा। लैंगिक अंतराल को समाप्त करने के लिए विभिन्न सुधारों और पहलों की आवश्यकता है। सबसे पहले, नीति सुधारों की दिशा में हमें समान वेतन सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव से रक्षा करने हेतु कानूनों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही पालन-पोषण अवकाश नीतियों को सुदृढ़ करना चाहिए, ताकि घरेलू जिम्मेदारियों में पुरुषों की सहभागिता बढ़ सके। यदि हम शिक्षा क्षेत्र की बात करें तो हमें ऐसी योजनाओं में निवेश करना चाहिए जो लड़कियों को एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकता, गणित) जैसे पारंपरिक रूप से पुरुषों के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए प्रेरित करें। साथ ही लैंगिक भूमिकाओं को लेकर सामाजिक मान्यताओं को चुनौती देने के लिए जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। यदि हम स्वास्थ्य क्षेत्र की बात करें तो विशेष रूप से मातृ और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच को सुधारने की आवश्यकता है।

कुछ अलग

विकास के झंडे...

नेताजी सज-धज कर मीडिया के सामने आ चुके हैं। सिर के बाल और मूंछें कलर से चमक रही हैं। चेहरा फेशियल के बाद किसी फिल्मी सितारे की तरह दमक रहा है। मंद-मंद मुस्कान चेहरे पर चिपकी हुई है, मानो विकास की गंगा उनके मुखमंडल से ही बह रही हो। प्रेस कॉन्फ्रेंस का पूरा मंच सजा है और नेताजी आत्मविश्वास से लबालब भरे बैठे हैं। एक-एक करके उनकी निगाहें मीडिया वालों के चेहरे टटोल रही हैं, मानो चेहरा पढने की कला में वह किसी ज्योतिषी से कम नहीं। मीडिया के लिए जलपान का पूरा इंतजाम है। कैमरे ऑन हो चुके हैं। नेताजी माइक के सामने आते ही थोड़ी दार्शनिक मुद्रा अपनाते हैं, हल्की खंखार के बाद गला साफ करते हैं और कहना शुरू करते हैं, 'बात कहां से शुरू करूं और क्या-क्या गिनाऊं, यह सोचकर ही मैं असमंजस में पड़ जाता हूं। इतने विकास कार्य हमने किए हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि कितने किए हैं। लेकिन चलिए, विकास पर ही बात करते हैं। मैं आपसे ही पूछना चाहूंगा कि ऐसा कौनसा विकास है जो हमने नहीं किया?' नेताजी अपनी मूंछों पर उंगलियां फेरते हुए आगे कहते हैं- 'हमने शिलान्यासों की झड़ी लगा रखी है। कोई भी ऐसा कोना बता दीजिए जहां हमने पत्थर न लगाया हो। जहां पत्थर रखा, समझो विकास वहीं से शुरू हो गया। फिर जब हम उन्हीं विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे, तो नए पत्थर लगाएंगे। यानी पत्थरों की श्रृंखला विकास की सबसे बड़ी निशानी है।' नेताजी जोश में आते हैं- 'हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे प्रदेश में पत्थरों की कोई कमी नहीं है। सडक़ों पर पत्थर गिरते रहते हैं, हमारी मेहनतकश लेबर उन्हें हटाने में जुटी रहती है। हमने भी सोचा, क्यों न इन्हीं पत्थरों का सही इस्तेमाल किया जाए! हमने चौराहों, गलियों, सरकारी दफ्तरों, जहां भी जगह मिली, वहां विकास के नाम पर पत्थर लगवा दिए। विपक्ष कहता है कि विकास नजर नहीं आ रहा, लेकिन पत्थर तो नजर आ रहे हैं न? यही असली विकास है।' अब नेताजी की आवाज में गंभीरता झलकती है- 'पिछली सरकार तो कागजों पर ही विकास करती रही, उसे विकास का असली फॉर्मूला पता ही नहीं था। लेकिन हमने क्या किया? हमने विकास को होटल मीटिंग्स, हवाई दौरों, और फाइव स्टार बैठकों में ले जाकर सशरीर साक्षात्कार कराया। विकास कैसा होना चाहिए, इसे तय करने के लिए हमने समोसे से लेकर जंगली मुर्गा तक प्लेट पर परोसा। हमनें हर वह चीज चखी जिससे हमारी योजनाओं को ग्लोबल टच मिल सके।' नेताजी का आत्मविश्वास अब सातवें आसमान पर है- 'विपक्ष कहता है कि खजाना खाली है। तो हमने कहा, खाली खजाने से भी विकास हो सकता है, अगर सही लोगों को ठेके दिए जाएं। हमने अपनी पार्टी के तमाम नेताओं के रिश्तेदारों को ठेके दिए, और परिणाम देखिए, आज उनके घरों में समृद्धि बह रही है। उनकी तिजोरियां भर चुकी हैं। बिना विकास के यह सब कैसे होता?' थोड़ा ठहरकर नेताजी नया तर्क प्रस्तुत करते हैं, 'हम दिखाने में यकीन रखते हैं। हमने प्रदेश की चट्टानों पर विकास के नारे खुदवा दिए हैं। चट्टानों पर लिखे नारे ही असली विकास होते हैं। जो भी चट्टान पर लिखा दिखे, समझिए वह सरकार की योजना का हिस्सा है। नारों के दम पर सरकारें बनती और गिरती हैं, और हमारे नारे इतने मजबूत हैं कि चट्टान पर भी अमिट हैं। जनता को अब विकास देखने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं है, वह गली-गली, सडक़-सडक़ देख सकती है। हमारी सरकार सिर्फ पत्थरों पर नहीं, फ्लेक्स बोर्ड पर भी भरोसा रखती है। हमने पूरे शहर में विकास कार्यों की इतनी होर्डिंग्स लगवा दी हैं कि किसी को भी यह भ्रम नहीं रहेगा कि विकास नहीं हुआ।'

देश दुनिया से

स्वास्थ्यकर भोजन व सक्रिय जीवन को दें बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक सार्वजनिक अभियान शुरू किया, जिसमें 10 सार्वजनिक हस्तियों को अपने भोजन में 10 प्रतिशत तेल कम करने की चुनौती दी और उनसे आगे अन्य 10 लोगों को इस चुनौती से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे मोटापे से लड़ने में काफी मदद मिलेगी। एनसीडी और तेल की खपत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री का यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेश महत्वपूर्ण है, लेकिन यह पूरी कहानी का केवल एक हिस्सा भर है। दरअसल, बड़ी वजह है वसा का अत्यधिक सेवन, मुख्य रूप से ट्रांस फैटी एसिड या ट्रांस फैट, जो एनसीडी श्रृंखला का जोखिम बढ़ाने के बड़े कारकों में से एक है। ट्रांस फैट स्रोतों में डेयरी उत्पाद, घी, मांस और वनस्पति हैं। अन्य किस्म की वसा का अधिक सेवन भी हानिकारक है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद द्वारा जारी आहार दिशानिर्देशों के अनुसार, नारियल तेल, घी और पामोलीन तेल में संतृप्त वसा का अनुपात सबसे अधिक है। प्रधानमंत्री द्वारा सुझाया गया विचार—खाना पकाते या उसकी सजावट करते समय उपयोग किए जाने वाले तेल की खपत को कम करना- केवल आधा कदम है। हम प्रसंस्कृत भोजन पदार्थ, फास्ट फूड, तले स्नैक्स, कुकीज इत्यादि के जरिए ट्रांस फैट ग्रहण करते हैं। अन्य कारकों में, भोज्य पदार्थों में मौजूद संतृप्त और असंतृप्त वसा का स्रोत भी कम या ज्यादा मात्रा में होता है। जन स्वास्थ्य के हित में, न केवल तेल बल्कि देसी एवं वनस्पति घी के साथ-साथ पैकेटबंद अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और डेयरी उत्पादों के सेवन में कटौती करना आवश्यक है। मोटापे के विरुद्ध अभियान में अस्वास्थ्यकारी आहार और आरामपरस्त जीवनशैली के त्याग को भी शामिल किया जाए। स्वेच्छा से खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती करने के लिए कहकर, प्रधानमंत्री ने मोटापे और असंक्रामक महामारी से निपटने का जिम्मा लोगों पर डाल दिया है। यह दशकों से अर्जित उस जन स्वास्थ्य ज्ञान के विरुद्ध है, जो कहता है कि स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को अपनाना व्यक्तिगत और सामाजिक, दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है। सरकार का यह कर्तव्य है कि वह ऐसी नीतियों के जरिए वातावरण बनाए, जो लोगों को कम वसा वाले स्वस्थ आहार का सेवन करने में सक्षम और प्रोत्साहित करें। यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि जब सारा माहौल ही मोटापे को बढ़ावा देने वाला हो, जिसे वैज्ञानिक मोटापे को बढ़ावा देने वाला वातावरण कहते हैं- वहां कोई स्वस्थ आहार और स्वस्थ जीवनशैली कैसे अपना सकेगा। यह प्रयोजन सार्वजनिक नीतियों द्वारा आकार पाता है, वरना समुदायों को स्वस्थ विकल्प प्रदान नहीं करता। हमें व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ मोटापा और एनसीडी से निपटने के लिए जनसंख्या-व्यापी और बहुक्षेत्रीय नीतिगत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भारत खाद्य तेल आपूर्ति के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, और सार्वजनिक नीतियां पाम ऑयल के आयात को प्रोत्साहित करने वाली हैं। कुल आयातित खाद्य तेलों में पाम ऑयल का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत है। पाम ऑयल प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग का मनपसंद माध्यम है, हालांकि अनेक अध्ययनों ने इसके सेवन को हृदय रोग के बढ़ते जोखिम से जोड़ा है। खाद्य तेलों के उत्पादन और आयात को नियंत्रित करने वाली सार्वजनिक नीतियों को इस तरह से बनाया जाए कि वे लोगों को कम हानिकारक खाद्य तेलों का विकल्प प्रदान करें। पिछले कुछ दशकों में, भारत में बढ़ती आय, शहरीकरण और खाद्य उत्पादों के बढ़ते वैश्वीकरण के साथ खान-पान संबंधी आदतें बदल गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप नमक, चीनी और वसा से भरपूर अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ लोकप्रिय हो गए हैं। इन उत्पादों ने खाद्य पारिस्थितिकी को बदल दिया है। जंक फूड अब हर जगह उपलब्ध है— पास-पड़ोस, मोहल्ले, स्कूल कैंटीन, कार्यालय, अस्पताल, सिनेमा हॉल, झुग्गी-झोपड़ियां, गांव तक में। इस बदलाव में नीतियों का योगदान बहुत बड़ा है। सरकारें चिप्स, कोला, कुकीज, नमकीन इत्यादि बनाने वाली प्रसंस्कृत खाद्य कंपनियों को सब्सिडी प्रदान करती हैं (इसे कृषि आधारित उद्योगों के लिए सब्सिडी के साथ भ्रमित न किया जाए)। जंक फूड उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए खाद्य कंपनियों को प्रोत्साहित किया जाता है। दरअसल, होना यह चाहिए कि कम दाम पर ताजे फलों और सब्जियों की उपलब्धता प्रोत्साहित की जाए क्योंकि यह स्वास्थ्यकारी विकल्प है। लेकिन हमारी नीतियां फलों और सब्जियों को प्रसंस्कृत कर उत्पाद बनाने वाली कंपनियों को प्रोत्साहित कर रही हैं। तिस पर तुर्रा यह है कि खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण पिछले कुछ वर्षों से प्रमुख जंक फूड कंपनियों के साथ साझेदारी में 'ईट राइट' अभियान चला रहा है! जंक फूड पर सख्त नियमन के लिए समर्थन जुटाने के बजाय, जिसकी मांग सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता विशेषज्ञ करते आए हैं- खाद्य सुरक्षा नियामक उलटे उन कंपनियों के साथ साझेदारी कर रहा है, जिन पर इसे नकेल डालनी चाहिए। 2019 में, नियामक ने 2022 तक खाद्य श्रृंखला से औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस फैट खत्म करने के लिए एक पहल 'भारत@75 : ट्रांस वसा से मुक्ति' शुरू की थी। लेकिन, जंक फूड उद्योग के कड़े विरोध के कारण यह लक्ष्य हासिल नहीं हो पाया। शारीरिक श्रमविहीन जीवनशैली और व्यायाम निष्क्रियता और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ, जिसे मोटापा बनने का मुख्य सूत्रधार बताया जाता है, उसके पीछे भी यही कहानी है। बेशक शारीरिक रूप से सक्रिय रहना और व्यायाम करना व्यक्तिगत चुनाव का मामला है, लेकिन सार्वजनिक नीतियां सक्रिय वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिनसे सामुदायिक स्तर पर शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए, पैदल चलने और व्यायाम के लिए अनुकूल सार्वजनिक स्थान मुहैया करवाने से शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने में दीर्घकालीन असर है। सार्वजनिक परिवहन, पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने के लिए अलग से रास्ता बनाने जैसे उपाय कारों के उपयोग को हतोत्साहित करने में जाने-माने उपाय हैं।

आप का नजरिया

वे खालिस्तान समर्थक हैं!

लंदन में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सुरक्षा में जो चूक हुई है, वह कोई सामान्य घटना नहीं है। खामोश नहीं बैठा जा सकता और न ही बर्दाश्त किया जा सकता है, लिहाजा यह निंदनीय घटना है। कुछ भी हो सकता था! जो खालिस्तान-समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला भी कर सकता था! यकीनन यह ब्रिटिश पुलिस की लापरवाही है। उस खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया। सवाल यह है कि जहां विदेश मंत्री बैठक कर रहे थे, उसी स्थल के करीब खालिस्तान समर्थकों को, उनके कथित झंडे के साथ, प्रदर्शन करने की अनुमति क्यों दी गई? क्या ब्रिटिश सरकार और पुलिस का ऐसे अलगाववादी तत्त्वों के प्रति रवैया कुछ ज्यादा उदार और लचीला हो गया है? यदि यह सुरक्षा चूक, किसी विदेशी मंत्री या प्रतिनिधि के संदर्भ में, भारत में हो जाती, तो पश्चिमी और यूरोपीय देश आसमान सिर पर उठा लेते! सवाल और जिज्ञासा यह भी है कि आखिर अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया सरीखे देशों में खालिस्तान-समर्थक इतने निरंकुश और सक्रिय क्यों हैं? यह पहली घटना नहीं है। मार्च, 2023 में भारतीय उच्चायोग से 'तिरंगा' उतार दिया गया था। ये सभी देश भारत के मित्र-देश, रणनीतिक साझेदार देश होने का भी दावा करते रहे हैं और खालिस्तानी उग्रवादियों, समर्थकों को भी पालते-पोसते रहे हैं। क्या यह दोगलापन नहीं है? क्या ये देश वैचारिक और बुनियादी तौर पर 'खालिस्तान' को एक अलग देश के तौर पर मान्यता देने के पक्षधर हैं? यदि यह सोच है, तो वह पूरी तरह भारत-विरोधी है। सिर्फ कूटनीति या संबद्ध देश के उच्चायुक्त अथवा राजदूत को तलब कर, अपनी तल्खी दिखाने मात्र से ही इस सोच का समाधान हासिल नहीं होगा। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री के स्तर पर यह द्विपक्षीय संवाद होना चाहिए कि खालिस्तान का समर्थन स्वीकार्य नहीं है। इन देशों को लोकतंत्र और मानवाधिकार की परिभाषाएं, कमोबेश भारत के संदर्भ में, बदलनी पड़ेंगी। क्या ये देश यह नहीं जानते कि भारत ने खालिस्तानी उग्रवादियों के खिलाफ कितनी लंबी लड़ाई लड़ कर उन्हें कुचला है और कितनी कुर्बानियों के बाद आज भारत और पंजाब में शांति-स्थिरता का माहौल है? गौरतलब यह है कि भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री रहे ऋषि सुनक की सरकार ने खालिस्तानियों पर शिकंजा कसने के लिए कई कदम उठाए थे। टास्क फोर्स को 1 करोड़ रुपए का फंड दिया था, ताकि सरकार खालिस्तान-समर्थक उग्रवाद से पैदा हुए खतरों को समझ सके। उनकी ऑनलाइन-ऑफलाइन धन उगाही पर भी निगरानी रखी गई थी। सुनक सरकार ने सिख समुदाय के साथ सक्रिय होकर काम किया, ताकि गुरुद्वारों और धर्मार्थ संगठनों का इस्तेमाल धन उगाही के लिए न किया जा सके। अब वहां प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी की सरकार है। उनका खालिस्तानियों के प्रति रुख नरम रहा है। बीते दो साल में स्टार्मर सरकार ने टास्क फोर्स को कोई नया फंड नहीं दिया, लिहाजा वह निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर है। चरमपंथियों की जो निगरानी की जा रही थी, वह भी शिथिल पड़ी है।

दुनिया का सबसे अमीर रेस्टोरेंट कारोबारी ट्रंप का यार....जमीन से शिखर तक पहुंचे

वाशिंगटन, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

दुनिया भर की हॉस्पिटैलिटी और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए टिलमैन फर्टिटा मशहूर नाम है। इस अरबपति अमेरिकी कारोबारी को दुनिया का सबसे अमीर रेस्टोरेंट कारोबारी बताया जाता है। दुनिया की सबसे मशहूर लक्जरी होटल कैसीनो के 10 प्रतिशत से ज्यादा शेयर खरीदकर वे फिर चर्चा में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'जिगरी यार' माने जाने वाले फर्टिटा की नेटवर्थ 90,100 करोड़ है। वे नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) के ह्यूस्टन रॉकेट्स के भी मालिक हैं। फर्टिटा ने 'शट अप एंड लिसन' नामक एक किताब भी लिखी है, जो काफी मशहूर है। बात दें कि ट्रंप के करीबी यार फर्टिटा के पास अमेरिका के 36 राज्यों और 15 से अधिक देशों में 600 से ज्यादा होटल, रेस्तरां और एंटरटेनमेंट प्रॉपर्टी हैं। उनकी कंपनियों में दुनियाभर में 60,000 से ज्यादा लोग काम करते हैं। एक छोटे से फिश कारोबार से लेकर हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के टाइकून बनने तक का सफर फर्टिटा के लिए आसान नहीं था, लेकिन उनकी मेहनत और दूरदर्शिता ने उन्हें यहां पहुंचाया। टिलमैन फर्टिटा का जन्म 25 जून, 1957 को टेक्सास के गैल्वेस्टन में हुआ था। वे सिसिली मूल के हैं। फर्टिटा ने ह्यूस्टन विश्वविद्यालय से पढाई की। उनके पिता का एक छोटा सा फिश रेस्टोरेंट था। इसकारण बचपन में ही उन्होंने अपने पिता के काम से हॉस्पिटैलिटी का हुनर सीखा और उसी को आगे बढ़कर फर्टिटा एंटरटेनमेंट की नींव रखी। उनकी कंपनी के पास लैंड्रीज सीफ़ूड हाउस, मास्ट्रोज़, मॉर्टन्स द स्टेकहाउस और बुब्बा गम्प श्रिम्प कंपनी जैसे प्रसिद्ध ब्रांड हैं।

फर्टिटा ग्राहक को भगवान मानते हैं। अपनी किताब शट अप एंड लिसन में उन्होंने लिखा, हॉस्पिटैलिटी का मतलब सीधा है, ग्राहक के साथ आपका व्यवहार कैसा है, आप उनकी कितनी इज्जत करते हैं और परिस्थितियों के हिसाब से खुद को कितना बदल सकते हैं। यही सोच उनकी सफलता का सबसे बड़ा कारण बनी। फर्टिटा की सफलता के चर्चे व्हाइट हाउस तक हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनके अच्छे दोस्त माने जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

धर्मगुरु पोप की सैलरी सुन रह जाएंगे हैरान, पूरी सैलरी जरूरतमंदों को कर देते हैं दान, नहीं है कोई निजी संपत्ति

वेटिकनसिटी। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप को मासिक वेतन मिलने की परंपरा है। यह वेतन 32,000

डॉलर हर माह दिया जाता है। सालाना यह राशि 3,84000 डॉलर होती है यानी हर महीने पोप फ्रांसिस को करीब 26,52,480 लाख रुपए सैलरी मिलती है। यह रकम सालाना करीब 31,829,760 करोड़ रुपए बैठती है। हालांकि पोप फ्रांसिस ने साल 2013 में पदभार संभालने के बाद से सैलरी लेने से इनकार कर दिया था। वह अपनी पूरी सैलरी जरूरतमंदों लोगों को दान कर देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पोप फ्रांसिस की पूरी सैलरी अनाथ बच्चों की शिक्षा, गरीबों की मदद, चर्च की सहायता, चैरिटी और दूसरे कामों में खर्च होती है। पोप फ्रांसिस, पोप के रूप में नामित होने से पहले भी रोमन कैथोलिक चर्च में जब अहम पद पर थे, तब भी वे सैलरी नहीं लेते थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक पोप की कुल संपत्ति 25 मिलियन डॉलर (2,07,23,75,000 अरब रुपए) के आसपास है। यह संपत्ति उनकी निजी नहीं है, बल्कि पोप के रूप में उनके पद के साथ उन्हें मिली है। पोप के नाम पर पांच लग्जरी कारें, कई प्रॉपर्टी और दूसरी चीजें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पोप को हर साल करोड़ों रुपए का डोनेशन और गिफ्ट भी मिलते हैं, जो चर्च के पास चले जाते हैं। पोप, खुद किसी गिफ्ट या दान को अपने पास नहीं रखते हैं। पोप को सबसे ज्यादा दान रोथ्सचाइल्ड परिवार देता है। हालांकि वे यहूदी हैं। पोप की उपहार के तौर पर आमदनी 2.9 मिलियन डॉलर सालाना है। उनके पास रियल एस्टेट के तौर पर 16 मिलियन डॉलर की संपत्ति है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोप फ्रांसिस के पास इटली में करोड़ों डॉलर की रियल एस्टेट प्रॉपर्टी है। रिपोर्ट में पोप के स्वामित्व वाली 10 संपत्तियों की सूची दी गई है, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 10.3 मिलियन डॉलर है। पोप के स्वामित्व वाली सबसे मूल्यवान संपत्ति रोम शहर के बाहर फ्रैस्काटी शहर में एक विला है। इस विला की कीमत 5.1 मिलियन डॉलर आंकी गई है। वेटिकन सिटी में एक अपार्टमेंट भी है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.03 मिलियन डॉलर है। इनमें से ज्यादातर संपत्तियां उन्हें उपहार में दी गई थीं।

ज्यादा बच्चे होने से दिमाग की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया हो जाती है धीमी

वॉशिंगटन। जिन लोगों के ज्यादा बच्चे होते हैं, वे शारीरिक और मानसिक रूप से ज्यादा फुर्तीले होते हैं और उनके दिमाग की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इस ताजा अध्ययन में चौकाने वाले खुलासे किए है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि इस अध्ययन के सभी प्रतिभागी यू.के. से थे, इसलिए जरूरी नहीं कि इसके निष्कर्ष दुनिया के अन्य हिस्सों पर भी लागू हों। यह अध्ययन बताता है कि बच्चों की वजह से रातों की नींद हराम होना और तनाव में रहना असल में सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इस अध्ययन में यूके के 19,964 महिलाओं और 17,607 पुरुषों के ब्रेन स्कैन का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों के अधिक बच्चे थे, उनकी उम्र बढ़ने के बावजूद फंक्शनल कनेक्टिविटी बेहतर थी। यानी उनके मस्तिष्क और शरीर के विभिन्न हिस्सों के बीच तालमेल अच्छा था। यह प्रभाव विशेष रूप से उन हिस्सों में देखा गया जो गति, संवेदना और सामाजिक जुड़ाव से जुड़े होते हैं। रटगर्स सेंटर फॉर एडवांस्ड ह्यूमन ब्रेन इमेजिंग रिसर्च में मनोचिकित्सा के प्रोफेसर और अध्ययन के मुख्य लेखक अवराम होम्स के अनुसार, जिन क्षेत्रों में उम्र बढ़ने के कारण फंक्शनल कनेक्टिविटी कम होती है, वे बच्चे होने पर मजबूत हो जाते हैं।

साउथ कोरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल को जेल से रिहा करने का आदेश

सियोल। साउथ कोरिया की अदालत ने महाभियोग का सामना कर रहे अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल को

जेल से रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट के फैसले से यून को अपने ऊपर लगे आरोपों के खिलाफ केस चलाने की अनुमति मिल जाएगी। सुक येओल को देश में 'मार्शल लॉ' लागू करने के लिए जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। यून के वकीलों ने जांच एजेंसी पर आरोप लगाया कि उसके पास विद्रोह के आरोपों की जांच करने का कानूनी अधिकार नहीं है। सुक के महाभियोग की अंतिम सुनवाई 25 फरवरी को हुई थी। इस मामले में कुछ ही दिनों में फैसला आने की उम्मीद है। अगर जज यून को हटाने की पुष्टि कर देते हैं, तब 60 दिनों के भीतर देश में चुनाव कराए जाएंगे।

सीरिया में महिलाओं को नंगा घुमाया गोली मारी, 2 दिन में 1 हजार से अधिक की मौत

दमिश्क, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

सीरिया एक बार फिर हिंसा की आग में जलने लगा है। यहां महिलाओं के सरेआम नंगा घुमाया जा रहा है उन्हे गोलियों से भून दिया जाता है। इस तरह अब तक एक हजार से अधिक लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया है। सुरक्षा बलों और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थकों के बीच संघर्ष के दौरान हिसा हुई थी ।गवाहों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि महिलाओं को कथित तौर पर निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाया गया और फिर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस भयावह दृश्य ने हिंसा को और भड़का दिया ।बानियास शहर को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। वहां सड़कों पर शव पड़े हुए थे। इमारतों की छतों पर भी लाशें देखी गईं। बंदूकधारियों ने नागरिकों को शवों को दफनाने से रोक रखा था। एक निवासी ने एपी को बताया, यह बहुत बुरा था। शव सड़कों पर थे। लोग अपने शहर से भाग रहे थे। बंदूकधारी बिना किसी कारण के गोलियां चला रहे थे। घरों और कारों को भी जलाया जा रहा था। यह हिंसा तब शुरू हुई जब वर्तमान सरकार के पक्ष में गोलियां चलाने वाले बंदूकधारियों ने पूर्व राष्ट्रपति असद के प्रति वफादार अलावित अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ बदले की भावना से हत्या की शुरुआत की। अब हिंसा कुछ हद तक रुक गई है और सरकार ने अधिकांश इलाकों पर नियंत्रण पुन: स्थापित कर लिया है। अधिकारियों ने स्थिरता बहाल करने के लिए तटीय क्षेत्र की ओर जाने वाली सभी सड़कें बंद कर दी हैं, जहां हिंसा का केंद्र था। सीरियाई मानवाधिकार वेधशाला ने कहा कि संघर्षों में 745 नागरिक मारे गए, जिनमें से अधिकांश को नजदीक से गोलियों से मारा गया था। इसके अलावा, 125 सरकारी सुरक्षा बलों के सदस्य और असद से जुड़े सशस्त्र समूहों के 148 उग्रवादी भी मारे गए हैं ।असद शासन के दौरान अलावितों को सेना और अन्य उच्च पदों पर प्रमुख स्थान मिला था। हालांकि, तीन महीने पहले नए शासन की शुरुआत के साथअलावित समुदाय को बार-बार उनके पूर्व राष्ट्रपति से जुड़े होने के कारण निशाना बनाया गया है ।ब्रिटेन स्थित सीरियाई मानवाधिकार वेधशाला ने कहा कि हिंसा के साथ-साथ कई अलावित बहुल क्षेत्रों में बिजली और पीने का पानी भी काट दिया गया है। अलावित गांवों के लोगों ने एपी को बताया कि समुदाय के कई घरों को लूटा गया और फिर आग लगा दी गई।

ट्रंप का साथ छूटने से घबराए यूरोपीय देश कर रहे जंग की तैयारी, जनता को थमा रहे हथियार

वॉशिंगटन । यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई तीखी बहस के बाद यूरोपीय देश टेंशन में आ गए हैं। उन्हे लग रहा है कि अमेरिका ने उनका साथ छोड़ दिया है। इसके बाद से ही सभी देश जंग की तैयारियों में जुटे दिखाई दे रहे है। वे अपनी जनता को हथियार दे रहे और उन्हे उसका प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। अब तक अमेरकिा यूरोप के देशों की रक्षा में हमेशा खड़ा रहता था। उसके फाइटर जेट्स, आर्मी हर पल उनकी सिक्योरिटी में लगे रहते थे। लेकिन जब से ट्रंप ने कह दिया है कि अब वे एक रुपया भी इन पर नहीं खर्च करने वाले, तब से यूरोपीय देश खौफ में आ गए हैं। यूरोपीय यूनियन के नेताओं ने इमरजेंसी मीटिंग की है। इसमें डिफेंस बजट तुरंत बढ़ाने का ऐलान किया गया है। इसके अलावा पोलैंड अपने सभी लोगों को हथियारों की ट्रेनिंग देने जा रहा है। कुछ ऐसा ही प्लान फ्रांस और जर्मनी का भी है। ब्रिटेन के आर्मी चीफ पहले से कहते आ रहे हैं कि हमें सबको आर्म्स ट्रेनिंग देनी होगी, कि अगर कोई अटैक हो तो उसका मुकाबला किया जा सके ।पोलेंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने संसद में कहा कि पोलैंड में सभी पुरुषों को आर्मी ट्रेनिंग देने जा रहे हैं। हम पोलिश सेना का आकार वर्तमान 200,000 से बढ़ाकर 500,000 करना चाहते हैं। महिलाएं भी ट्रेनिं ले सकती हैं। पोलैंड अपना डिफेंस बजट 5 प्रतिशत तक बढ़ाएगा। यूरोपीय यूनियन के 27 देशों ने मिलकर 800 बिलियन यूरो का एक्स्ट्रा डिफेंस बजट मंजूर किया है। इनमें 150 बिलियन यूरो से नए हथियार और गोला बारूद खरीदा जाएगा। फ्रांस, जर्मनी से लेकर ब्रिटेन तक अभी डिफेंस इंडस्ट्री में जान फूंकने का ऐलान कर चुके हैं। उन्हें ज्यादा गोला-बारूद बनाने का आदेश दिया जा चुका है। हंगरी ने अपना डिफेंस बजट अचानक बढ़ा दिया है।

फैटी लिवर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को दे सकता है जन्म

लंदन, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

फैटी लिवर की समस्या अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से तेजी से बढ़ रही है। ताजा अध्ययन के अनुसार, हफ्ते में सिर्फ 4 घंटे साइक्लिंग या जॉगिंग करने से लिवर में जमा वसा को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

एशियाई प्रशांत लिवर अध्ययन संघ (एपीएएसएल) की रिपोर्ट के अनुसार, मध्यम से तीव्र तीव्रता वाले व्यायाम, जैसे तेज चलना, साइकिल चलाना और जॉगिंग, लिवर की चर्बी को कम करने में कारगर साबित होते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, प्रति सप्ताह 150 से 240 मिनट तक एरोबिक एक्सरसाइज करने से लिवर फैट में उल्लेखनीय कमी आती है। अध्ययन में यह भी बताया गया है कि यह एक्सरसाइज इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाती है और शरीर में सूजन को कम करती है, जिससे फैटी लिवर की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, फैटी लिवर की समस्या का सबसे बड़ा कारण अस्वस्थ खानपान, शारीरिक निष्क्रियता, मोटापा और शराब का सेवन है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए, तो यह समस्या लिवर सिरोसिस, टाइप-2 डायबिटीज, हृदय रोग और पाचन संबंधी परेशानियों को जन्म दे सकती है। ऐसे में लिवर की चर्बी कम करने के लिए नियमित व्यायाम बेहद जरूरी है। हफ्ते में 4 घंटे तक साइक्लिंग या जॉगिंग करने से न सिर्फ लिवर हेल्दी रहता है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी तेज होता है, जिससे शरीर की फैट बर्निंग क्षमता बढ़ती है।

इसके अलावा, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और वजन नियंत्रित रहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन 30-40 मिनट की तेज चाल, जॉगिंग या साइक्लिंग करता है, तो यह लिवर फैट को तेजी से कम करने में मदद कर सकता है। स्वस्थ लिवर के लिए जरूरी है कि व्यक्ति अपने खानपान पर भी विशेष ध्यान दे। जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड और अधिक मीठे पदार्थों से बचना चाहिए। हरी सब्जियां, साबुत अनाज, फल और हेल्दी फैट को डाइट में शामिल करना चाहिए। इसके अलावा, ग्रीन टी, हल्दी और एंटीऑक्सीडेंट युक्त भोजन भी लिवर की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं। बता दें कि लिवर में अधिक मात्रा में फैट जमा हो जाने को फैटी लिवर कहा जाता है, जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है।

ग्रुप से हटाने पर एडमिन की हत्या

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य की राजधानी पेशावर में व्हाट्सअप ग्रुप से निकाले जाने से नाराज एक व्यक्ति ने ग्रुप एडमिन की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह घटना पेशावर के बाहरी इलाके रेगी में हुई। अभी तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस के मुताबिक मुश्ताक अहमद नाम के व्हाट्सअप एडमिन ने अशफाक खान को ग्रुप से बाहर कर दिया था। इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया था। दोनों मिलकर विवाद खत्म करने के लिए राजी हो गए थे, लेकिन अशफाक ने मिलते ही मुश्ताक की गोली मारकर हत्या कर दी।

अमेरिका के एक और हिंदू मंदिर पर हमला, दीवारों पर लिखे आपत्तिजनक नारे

कैलिफ्रोर्निया, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

कैलिफोर्निया के चीनो हिल्स स्थित बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर रविवार को हमलावरों ने आपत्तिजनक नारे लिखे और तोड़फोड़ की। हालिया महीनों में अमेरिका में हुई यह दूसरी घटना है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि चीनो हिल्स स्थित मंदिर हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत की एक और घटना का शिकार हुआ है। बीएपीएस की तरफ से एक्स पर घटना का विवरण साझा करते हुए जोर दिया गया है कि वे नफरत को कभी जड़ नहीं जमाने देंगे और शांति और करुणा कायम रहेगी।

बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने कहा, मंदिर के अपमान की एक और घटना के बाद चीनो हिल्स में हिंदू समुदाय नफरत के

खिलाफ डटकर खड़ा है। चीनो हिल्स और दक्षिणी कैलिफोर्निया के समुदाय के साथ मिलकर हम कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगे। हमारी साझा मानवता और आस्था यह सुनिश्चित करेगी कि शांति और करुणा बनी रहे।

हालांकि घटना को लेकर चीनो हिल्स पुलिस विभाग की ओर से अभीतक कोई बयान जारी नहीं किया गया है। घटना को लेकर हिंदू समुदाय में गहरी चिंता देखी जा रही है। अमेरिकी राज्य लॉस एंजिल्स में तथाकथित खालिस्तानी जनमत संग्रह से कुछ दिन पहले, कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स में मौजूद बीएपीएस हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की यह घटना पिछले कुछ महीनों से चल रही भारत विरोधी गतिविधियों की श्रृंखला की तरह सामने आई है। पिछले साल सितंबर में भी इस मंदिर को निशाना बनाया गया था।

यूएई में छोटे अपराधों के लिए भी दिए जाते हैं सख्त दंड

दुबई, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एक इस्लामिक देश है, जहां शरीया कानून का पालन किया जाता है। शरीया कानून के अनुसार कई अपराधों की सजा सीधे मौत होती है। यहां की सरकार का मानना है कि अपराध को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका यह है कि अपराधी को इतनी कड़ी सजा दी जाए कि बाकी लोग अपराध करने से पहले ही डर जाएं।

यही वजह है कि यहां चोरी जैसे छोटे अपराधों के लिए भी सख्त दंड दिए जाते हैं। यूएई की अदालतें अपराध के मामलों में तेजी से फैसले सुनाती हैं, जिससे अपराधियों को जल्द ही सजा मिल जाती है। खासतौर पर हत्या, बलात्कार और ड्रग तस्करी के मामलों में कोर्ट सीधे फांसी की सजा सुनाती है और कई बार दोषियों को अपील का मौका भी नहीं दिया जाता। ड्रग्स से जुड़े अपराधों पर यहां कोई नरमी नहीं बरती जाती। अगर कोई व्यक्ति ड्रग तस्करी या ड्रग्स बेचते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे सीधे मौत की सजा दी जा सकती है। इसी तरह आतंकवाद को लेकर भी कानून बेहद सख्त है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि में शामिल पाए जाने पर बिना देर किए फांसी की सजा सुना दी जाती है। यूएई में लाखों विदेशी काम

करने जाते हैं, लेकिन वहां के कानून इतने सख्त हैं कि अगर कोई विदेशी किसी गंभीर अपराध में पकड़ा जाता है, तो उसे किसी तरह की रियायत नहीं दी जाती।

कई बार देखा गया है कि दूसरे देशों के नागरिकों को भी सीधे फांसी की सजा सुनाई गई है। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ मामलों में फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदला गया है, लेकिन ज्यादातर मामलों में सख्त सजा ही दी जाती है। सरकार का मानना है कि कड़े कानूनों की वजह से वहां अपराध दर बेहद कम है। कुछ लोग इसे न्यायसंगत मानते हैं, जबकि कुछ इसे बहुत ज्यादा कठोर बताते हैं। यूएई दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां कानून बेहद सख्त हैं। यहां हत्या, ड्रग तस्करी, बलात्कार और आतंकवाद जैसे अपराधों के लिए सीधे मौत की सजा दी जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रोक दी वित्तीय मदद, फटेहाल हो गया नेपाल, लोगों से लोन मांगकर काम चल रही सरकार

काठमांडू। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वित्तीय मदद रोकने से नेपाल की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। नेपाल सरकार मौजूदा खर्चों को पूरा करने में असमर्थ है, हालात इतनी खराब हो चुकी हैं कि नेपाल सरकार को देश के लोगों से लोन लेना पड़ रहा है। नेपाल पर सार्वजनिक कर्ज तेजी से बढ़ रहा है। अब यह बोझ दोगुना हो गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले 7 महीनों में सार्वजनिक कर्ज में करीब 2 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। कर्ज प्रबंधन कार्यालय के अनुसार, बीते साल के जुलाई में सार्वजनिक कर्ज 24.034 लाख करोड़ रुपए था, जो फरवरी तक बढ़कर 26.011 लाख करोड़ रुपए हो गया। नेपाल में सरकारी कर्ज बढ़कर देश के जीडीपी का 45.77 प्रतिशत है। एक दशक पहले तक यह आंकड़ा जीडीपी का 22 प्रतिशत था। वहीं, कुल कर्ज में विदेशी कर्ज 50.87 प्रतिशत है, घरेलू कर्ज 49.13 प्रतिशत है। दरअसल यूएसएआईडी के 95 अरब रुपए के कार्यक्रमों के स्थगित होने से स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि प्रभावित हुई है। मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) परियोजना भी अमेरिकी सहयोग बंद होने के बाद रुक गई है। इस साल सरकार 18.063 लाख करोड़ रुपए का बजट लागू कर रही है, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण बजट में करीब दस प्रतिशत की कटौती की गई है। पिछले सप्ताह सरकार ने नागरिक बचत बांड के माध्यम से 3.5 अरब रुपए का कर्ज जारी किया। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 5 खरब 47 अरब रुपये का सार्वजनिक ऋण जुटाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन चुकौती के लिए केवल 4 खरब 2 अरब रुपए आवंटित किए हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में सरकारी लोन चेतावनी के स्तर पर पहुंच गया है। सुशासन विशेषज्ञ डॉ. ठाकुर प्रसाद भट्ट ने कहा कि सार्वजनिक ऋण में वृद्धि से नेपाल की अर्थव्यवस्था को खतरा हो सकता है। ऋण का सही क्षेत्रों में प्रभावी उपयोग नहीं हो रहा है, जिससे समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति केपी शर्मा ओली की सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। बिगड़ती आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए सरकार ने एक आर्थिक सुधार सुझाव आयोग का गठन किया है, लेकिन सुधार के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

आईएमएल 2025 के सेमीफाइनल में पहुंची इंडिया मास्टर्स , वेस्टइंडीज मास्टर्स को 7 रनों से हराया

रायपुर, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

अंबाती रायडू 63, सौरभ तिवारी 60, युवराज सिंह 49 और गुरकीरत सिंह मान 46 के शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंडिया मास्टर्स की टीम इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को सात विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। टीम की जीत में स्टुअर्ट बिन्नी के तीन विकेट की भी अहम भूमिका रही। इस मैच में इंडिया मास्टर्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 253 रन बनाए जिसके बाद वेस्टइंडीज मास्टर्स की टीम ड्वेन स्मिथ 79, विलियम पर्किन्स 52, लेंडल सिमंस 38 की शानदार पारियों की बदौलत 6 विकेट पर 246 रन ही बना पायी।

इस मैच में वेस्टइंडीज मास्टर्स के कप्तान ब्रायन लारा ने टॉस जीतकर इंडिया मास्टर्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंडिया मास्टर्स की ओर से अंबाती और सौरभ ने पावरप्ले में 51 रन बनाए। रायडू ने 35 गेंदों पर 63 रन बनाये। उनकी इस पारी में आठ चौके और चार छक्के शामिल थे। सौरभ ने भी जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। गुरकीरत के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए सौरभ ने 79 रन जोड़े। कप्तान युवराज सिंह ने 20 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाये।

वेस्टइंडीज मास्टर्स ने भी लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। ड्वेन स्मिथ ने 79 और विलियम पर्किन्स ने 52 रन बनाये पर बिन्नी ने गेंद संभालते ही लगातार विकेट लेकर विरोधी टीम पर दबाव बना दिया। स्मिथ ने इस बीच 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं पर्किन्स ने केवल 23 गेंदों पर ही अपने 50 रन बनाये थे।

नए खिलाड़ी लेंडल सिमंस ने आते ही में पांच छक्के और एक चौका लगाया । इस ओवर में उन्होंने 34 रन जुटाए और अपनी टीम को एक विकेट पर 156 रनों तक पहुंचा दिया। इसके बाद के बल्लेबाजों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।

न्यूज ब्रीफ

मुम्बई इंडियंस ने लिजाद की जगह पर कॉर्बिन को शामिल किया

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर कार्बिन बॉश को शामिल किया है। कॉर्बिन को चोटिल होने के कारण बाहर हुए दक्षिण अफ्रीका के ही तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स की जगह पर शामिल किया गया है। बॉश ने 86 टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 59 विकेट लिए हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 81 है। उन्होंने अभी तक आईपीएल में नहीं खेला है पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका 2020 में मुंबई इंडियंस केप टाउन की ओर से 11 विकेट लिए थे। मुम्बई इंडियंस ने अपने एक बयान में कहा कि विलियम्स चोट के कारण आगामी टाटा आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं और ऐसे में उनकी जगह पर कॉर्बिन को अनुबंधित किया है। पिछले साल पदार्पण करने के बाद से ही एक टेस्ट और दो एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलने वाले कॉर्बिन को चोटिल एनरिक नॉर्किया की जगह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। वह पहले राजस्थान रॉयल्स में नेट गेंदबाज थे। कॉर्बिन गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीकी पिचों का भी अच्छा अनुभव है। उछाल वाली पिचों पर वह काफी प्रभावी साबित होते हैं। ऐसे में उनका आना मुक्बई इंडियंस के लिए लाभदायक हो सकता है।

गुजरात टाइटंस ने पूर्व ऑस्ट्रेलयाई क्रिकेटर वेड को बनाया सहायक कोच

मुम्बई। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 18 वें सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड को टीम का सहायक कोच बनाया है। वेड ने साल 2022 और 2024 में टाइटंस की ओर से खेला था पर संन्यास लेने के बाद वह आईपीएल नीलामी में नहीं उतरे थे। गुजरात टाइटंस ने सोशल मीडिया में लिखा, ''चैंपियन फाइटर अब हमारे सहायक कोच बने बैं। टाइटंस के डगआउट में आपका स्वागत है, वेड।'' वेड ने आईपीएल में कुल 15 मैच खेले जिसमें से 12 में उन्होंने टाइटंस की ओर से खेला था। वह साल 2022 में पहली बार खिताब जीतने वाली टाइटंस टीम में शामिल थे। वेड टाइटंस के कोचिंग स्टाफ में मुख्य कोच आशीष नेहरा, बल्लेबाजी कोच पार्थिव पटेल और सहायक कोच आशीष कपूर और नरेंद्र नेगी के साथ काम करेंगे। वेड ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024 से पहले अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इस क्रिकेटर ने अपने 13 साल के करियर में कुल 225 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने तीन टी20 विश्व कप में भी ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेला है।

जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत इस साल 24 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें । यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है ।

जयपुर में पांच आईपीएल मैचों के लिए तैयारियां जोरों पर

जयपुर, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2025 के मुकाबले 22 मार्च से शुरु होने जा रहे हैं। इस बार जयपुर में भी पांच मुकाबले खेले जाएंगे। इन मैचों के लिए सवाई मानसिंह स्टेडियम में भी तैयारियां जोरों से चल रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में आईपीएल के लिए कार्यक्रम जारी किया था। इस कार्यक्रम के तहत ही 65 दिन में 74 मैच खेले जाएंगे। आईपीएल को लेकर इस बार बीसीसीआई ने नए नियम भी जारी किये हैं।

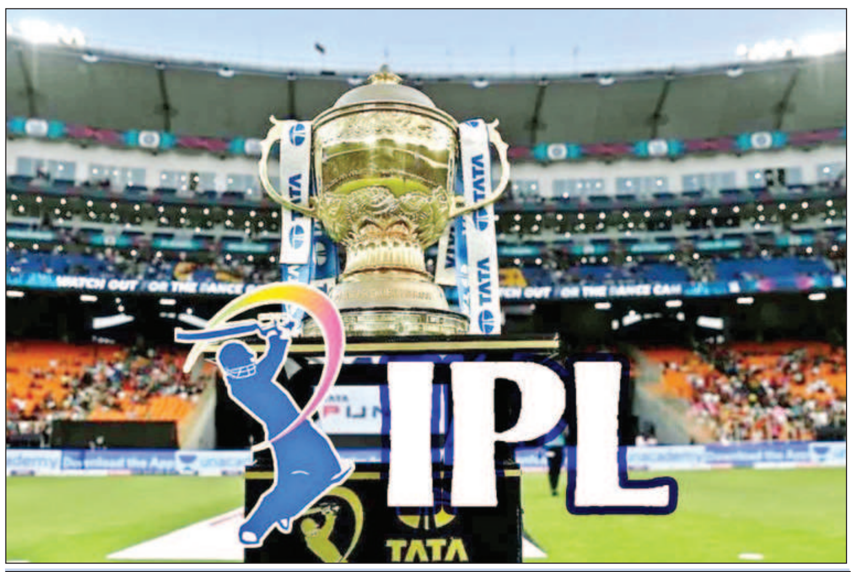

इनके अनुसार अब खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य और दोस्त ड्रेसिंग रूम में नहीं जा सकेंगे। ये नियम अभ्यास के दौरान भी लागू रहेगा। इसके साथ ही टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को टीम बस से ही यात्रा करनी होगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइजियों को स्पष्ट रुप से आदेश दिया है कि परिवार के अलावा अभ्यास मैच के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ ही ड्रेसिंग रूम और खेल के मैदान पर जा सकेंगे, इन बातों के अलावा बीसीसीआई ने मैच के दिन के नियम भी नियम तय किए हैं जिसके अनुसार मैच के दौरान एलईडी बोर्ड्स के सामने बैठने की अनुमति नहीं होगी, खिलाड़ियों को ऑरेंज और पर्पल कैप पहननी होगी। परिवार और दोस्त अलग वाहन से यात्रा करेंगे और हॉस्पिटैलिटी एरिया से अभ्यास देख सकते हैं, साथ ही मैच से पहले अभ्यास करने के लिए टीमों को 2 नेट्स और मुख्य मैदान पर 1 साइड विकेट मिलेगा, ओपन नेट्स की अनुमति नहीं रहेगी, इसके अलावा और भी अन्य नियम तय किए गए हैं जिनका खिलाड़ियों को पालन करना होगा.जयपुर में आईपीएल को लेकर खेल परिषद और एडहॉक कमेटी के आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर विवाद चल रहा था जो अब खत्म हुआ हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने जयपुर में इस बार खेल परिषद को आईपीएल मैच करवाने की जिम्मेदारी दी है पर ये भी साफ किया है कि अंतिम बार स्पोर्ट्स काउंसिल को यह जिम्मेदारी दी गई है, अगले साल से ऐसा नहीं होगा। साथ ही चेताया है कि अगर क्रिकेट संघ में स्थिति नहीं सुधरती है तो अगले साल जयपुर में आईपीएल मैचों का आयोजन नहीं होगा।

गंभीर को लेकर क्या बोले शाहरुख

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक शाहरुख खान ने कहा है टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ उनकी गहरी दोस्ती है। इसलिए उन्हें कभी नहीं लगा कि वह टीम छोड़कर चले गये हैं। गंभीर साल 2017 में टीम छोड़कर चले गये थे पर इसके बाद उन्होंने कोच के तौर पर वापसी करते हुए 2024 में केकेआर को जीत दिलायी। तब श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था। शाहरुख ने कहा, मैंने इस बीच कभी नहीं सोचा था कि गंभीर हमें छोड़कर चले गए हैं। गंभीर के साथ वर्षों से हमेशा एक प्यारा रिश्ता रहा है। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिनके साथ दोस्ती मजबूत बनी हुई है और गौतम गंभीर उनमें से एक हैं। उनके लिए यह एक बड़ी घर वापसी थी। गंभीर को साल 2024 के अंत में भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया और वह एक बार फिर केकेआर से अलग हो गये। वहीं केकेआर के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि साल 2017 में गंभीर के फ्रेंचाइज से जाने से टीम के प्रदर्शन पर भी पड़ा। उसी दिशा पर भी प्रभाव पड़ा। आप हमेशा केकेआर से उच्च स्तर पर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं, और जब प्रदर्शन टीम के आभा से मेल नहीं खाता, तो यह स्पष्ट हो गया कि कुछ बदलना होगा। उथप्पा ने कहा, जैसे ही मैंने सुना कि गंभीर वापस आ रहे हैं, मुझे याद है कि मैंने ट्वीट किया था कि ये सबसे अच्छी बात यह है। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज अजय जडेजा ने कहा, केकेआर और सौरव गांगुली के बीच संबंध, चाहे प्रशंसकों के साथ हों या टीम के भीतर, अच्छे परिणाम नहीं दे रहे थे। इसलिए, 2011 में, एक बड़े बदलाव की योजना बनाई गई। 2011 से पहले, केकेआर को सौरव गांगुली की टीम के रूप में देखा जाता था पर उसके बाद ये गंभीर के नेतृत्व में शाहरुख की टीम बन गई। आईपीएल 2025 सत्र की शुरुआत से पहले, केकेआर ने अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को अपना नया कप्तान और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को उप कप्तान नियुक्त किया है। केकेआर ने जब रहाणे को टीम में शामिल किया तो यह लगभग तय था कि वह टीम की कप्तानी करेंगे, हालांकि मेगा नीलामी में 23.75 करोड़ रुपये में सबसे महंगे खरीदे गए वेंकटश अय्यर और रिंकू सिंह के नाम चर्चा में थे। रहाणे की कप्तानी में हाल ही में मुम्बई ने मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतना चाहते हैं प्रवीण

विजयनगर, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था।

मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है।

इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची–नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची–नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। प्रवीण ने 2023 में क्यूबा के हवाना में प्रुएबा डि कनफ्रोनटेसिन एथलेटिक्स मीट में 17.37 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीतते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

एलपीजीए गोल्फ टूर्नामेंट

चीन में एलपीजीए गोल्फ टूर्नामेंट में खेलते हुए अमेरिका के एस्टन किम ।

पाक सुरक्षा विशेषज्ञों ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के आयोजन को सफल बताया

कराची, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के विशेषज्ञों ने कहा है आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन सफल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे भविष्य में और अधिक अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए पाक की दावेदारी पक्की हुई है हालांकि विशेषज्ञों ने माना है कि बारिश के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी के 3 मैच रद्द हुए और दो मैचों में सुरक्षा घेरा टूटा। वहीं मेजबान टीम के बाहर होने के बाद स्थानीय दर्शकों की रुचि भी टूर्नामेंट में नहीं रही। जिसके कारण स्टेडियम खाली रहे। भारत के अलावा अन्य सभी टीमों ने अपने मुकाबले पाक में खेले। भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से अपने मुकाबले दुबई में खेले।

पाकिस्तान की टीम लीग स्तर पर ही हारकर बाहर हो गयी। क्रिकेट विश्लेषक ओमेर अलावी ने कहा कि लाहौर में सेमीफाइनल से एक दिन पहले ही बन्नू में आतंकी हमला हुआ था पर राहत की बात ये रही कि इतने बड़े टूर्नामेंट में एक भी अप्रिय घटना नहीं हुई। पाकिस्तान सरकार ने टूर्नामेंट की सुरक्षा के लिए कराची, लाहौर और रावलपिंडी में 16000 के करीब पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात लगाये हैं। आस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ, दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा और न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनेर ने भी कहा है कि पाक में कड़े सुरक्षा उपायों के बाद जब वह दुबई में खेलने उतरे तो राहत का अनुभव कर रहे थे। वहीं आईसीसी के सुरक्षा मैनेजर डेव मस्कर ने भी टूर्नामेंट को सफल बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों का समन्वय और पेशेवर रवैया ठीक था। इसके अलावा सुरक्षा विश्लेषक सोहेल खान ने कहा कि पाकिस्तान ने अच्छी मेजबानी की और सुरक्षा हालात भी ठीक थे।

एकदिवसीय क्रिकेट प्रारूप का भविष्य नहीं : मोईन अली

लंदन, 09 मार्च (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोईन अली ने कहा है कि एकदिवसीय क्रिकेट प्रारुप भविष्य नहीं है। मोइन ने कहा कि इसका कारण बल्लेबाजों के पक्ष में नियमों का होना है। जिससे गेंदबाजों के लिए इस प्रारुप में कुछ नहीं बचा है। साथ ही कहा कि इसी कारण आजकल टी20 लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले साल संन्यास लेने वाले मोईन ने इंग्लैंड की ओर से 138 एकदिवसीय मैचों में 2,355 रन बनाने के अलावा 111 विकेट भी लिए हैं। वहीं 68 टेस्ट मैच में उन्होंने 3000 से अधिक रन बनाए हैं और 200 से अधिक विकेट लिए हैं। वह आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलेंगे। मोईन ने कहा, ''विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी को

छोड़कर एकदिवसीय प्रारूप लगभग पूरी तरह समाप्त हो गया है। यह खेलने के लिए सबसे खराब प्रारूप है और मुझे लगता है कि इसके कई कारण हैं। '' पहले के समय में पहले पावरप्ले के बाद सर्कल के बाहर पांच क्षेत्ररक्षक हुआ करते थे पर पिछले कुछ साल में यह संख्या चार हो गई है जिससे बीच के ओवरों में बल्लेबाजी करना आसान हो गया है। इतना ही नहीं दो नई गेंदों का इस्तेमाल किया जाता है जो पहले नहीं होता था जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना अब बहुत आसान हो गया है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि नियम बहुत खराब हैं। पहले पावरप्ले के बाद अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक रखना, मुझे लगता है कि विकेट लेने और किसी भी तरह का दबाव बनाने के लिए यह एक खराब नियम है। इसी वजह से अब खिलाड़ी एकदिवसीय क्रिकेट में 60 और 70 का औसत बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब आप किसी को गेंदबाजी कर रहे होते हैं और आप थोड़ा दबाव डालते हैं तो बल्लेबाज बस रिवर्स–स्वीप करता है और यह एक रन नहीं बल्कि यह चौका होता है।

अ.भा. गोल्डकप फुटबॉल स्पर्धा : बिल्डप क्लब रायसेन और हीरोज क्लब वाराणसी के मध्य खेला जाएगा फाइनल

इन्दौर। सेंट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में आयोजित प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति अ.भा. मोयरा गोल्ड कप फुटबॉल स्पर्धा में रविवार को विजेता टीम का फैसला होगा। बिल्डप क्लब रायसेन व हीरोज क्लब वाराणसी ने अपनी ख्याती के अनुरूप दमदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। विजेता टीम को मोयरा गोल्ड कप के साथ 1 लाख तथा उपविजेता को 50 हजार रुपए की इनामी राशि वितरीत की जाएगी। स्पर्धा अध्यक्ष रमेश मूलचंदानी, स्पर्धा सचिव संजय लुणावत व स्पर्धा संयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि नेहरू स्टेडियम पर मोयरा सरिया, खेल विभाग व नगर पालिक निगम के सहयोग से खेली जा रही इस स्पर्धा के सेमीफाइनल में लगभग आठ से 10 हजार दर्शक दोनों सेमीफाइनल मुकाबले के साक्षी बने। पहला सेमीफाइनल बिल्डप क्लब रायसेन व लायन क्लब जबलपुर के मध्य खेला गया। इस मुकाबले में दर्शकों को दोनों टीमों की ओर से दमदार खेल का प्रदर्शन देखने को मिला। उच्च स्तर के खेल के बावजूद पहला हॉफ गोल रहित रहा। दूसरे हॉफ में दोनों ही टीमें एक दूसरे के गोल पोस्ट पर लगातार हमले बोल रही थी। दोनों ही टीमों के कई मूव तो गोल पोस्ट से टकराकर भी आ गए, लेकिन निर्धारित समय तक यह मैच गोल रहित रहा। नतीजे के लिए टाईब्रेकर का सहारा लेना पड़ा, लेकिन इसमें भी दोनों टीमें 4–4 की बराबरी पर थी। अंततः सडनडेथ में भाग्य बिल्डप क्लब रायसेन के साथ रहा और उसने बाजी 7–6 से अपने नाम कर ली। दूसरे हॉफ में जबलपुर के कई खिलाड़ियों ने रफ खेल का भी प्रदर्शन किया। दूसरे सेमीफाइनल में हीरोज क्लब वाराणसी के समक्ष साई त्रिवेंद्रम केरला की चुनौती थी। केरला की टीम ने पहले हॉफ में पूरी तरह से मैच में अपनी पकड़ बना रखी थी और कलात्मक फुटबॉल खेलते हुए हजारों दर्शकों का दिल जीत लिया। पहले हॉफ में कोई गोल नहीं हो सका। दूसरे हॉफ में हीरोज क्लब वाराणसी की टीम ने पलटवार करते हुए अपना दबदबा कायम कर लिया था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोना 510 रुपये से लेकर 560 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,710 रुपये से लेकर 87,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,400 रुपये से लेकर 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स ने फंड जुटाने की योजना बनाई

नई दिल्ली। वाणिज्यिक विश्व में क्रिएटिव विजुअल इफेक्ट्स के क्षेत्र में उभरती कंपनी फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण स्ट्रैटेजी घोषित की है। इस कंपनी ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट और फुली कनवर्टिबल वॉरंट्स के जरिए फंड जुटाने का ऐलान किया है। इस योजना के अनुसार क्यूआईपी के माध्यम से 80 करोड़ रुपये और प्रिफरेंशियल इश्यू के जरिए 59.95 करोड़ रुपये तक का निवेश किया जाएगा। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स का उद्देश्य है वैश्विक विस्तार रणनीति, टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन, और एआई इंटीग्रेशन को सुदृढ़ करके हॉलीवुड स्टूडियो, ओटीटी प्लेटफॉर्म और गेमिंग इंडस्ट्री की मांग को पूरा करना है। कंपनी ने यहाँ तक कहा है कि उन्हें एडवांस्ड विजुअल इफेक्ट्स टेक्नोलॉजी और एआई-ड्रिवन प्रोडक्शन पाइपलाइन्स में निवेश करके अपनी ऑपरेशनल क्षमताओं को मजबूत करना है। कंपनी ने अपने अंदर 24,27,000 फुली कन्वर्टिबल वारंट्स को प्रिफरेंशियल बेसिस पर जारी और आवंटित करने की आमंत्रण जारी की है। इस इश्यू का कुल साइज 59.95 करोड़ रुपये का है। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स एनएसई पर लिस्टेड कंपनी है और इसकी यह कदम विश्वास को जताता है कि कंपनी का भविष्य उज्जवल है ।

बर्ड फ्लू की खबर के बाद लोगों में दहशत, चिकन बिक्री में गिरावट की उम्मीद

पटना। होली से पहले चिकन-मटन के शौकीन लोगों के लिए भारत में बड़ी खबर आई है। यहां मुर्गियों पर एक आफत मंडराने लगी है, जो कीमतों में उछाल ला सकती है। 27 फरवरी को अचानक से कई मुर्गियों की मौत की खबरें आने के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने बर्ड फ्लू की पुष्टि की है। आईसीएआर परिसर में मुर्गियों की मौत ने प्रशासन को सकते में डाल दिया था, जिसके बाद उन्होंने सभी मुर्गियों को जलाकर दफना दिया। पटना के अलावा, झारखंड के बोकारो जिले में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है. यहां के राजकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र में एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस पाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने एक किलोमीटर के दायरे में मौजूद सभी मुर्गियों को मारने का आदेश जारी कर दिया। ऐसे में चिकन के शौकीनों को खासतौर पर सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि संक्रमित मुर्गे के संपर्क में आने से वायरस इंसानों में भी फैल सकता है। बर्ड फ्लू की खबर के बाद लोगों में दहशत है, और चिकन की बिक्री में भारी गिरावट आ सकती है। वहीं, चिकन के विकल्प के रूप में मटन की मांग तेजी से बढ़ने की संभावना है, जिससे इसकी कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिलेगा। फिलहाल, 700-800 रुपये प्रति किलो मिलने वाला मटन होली तक 1400-1600 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकता है। बर्ड फ्लू से बचाव के लिए प्रशासन ने कच्चे और अधपके मांस से परहेज करने की सलाह दी है। चिकन और अंडे को अच्छी तरह से पकाकर ही खाने की हिदायत दी गई है, ताकि किसी भी तरह के संक्रमण से बचा जा सके।

महानायक ने अयोध्या में दो बीघा जमीन खरीदी, जल्द करेंगे बड़ा ऐलान

अयोध्या। अयोध्या के निकट राम मंदिर से करीब 20 मिनट की दूरी पर स्थित तिहुरा मांझा में महानायक अमिताभ बच्चन ने 86 लाख रुपये में दो बीघा जमीन खरीदी है। इस जमीन पर पिता हरिवंशराय बच्चन के नाम पर मेमोरियल ट्रस्ट बनने की संभावना है। इस खरीदी के माध्यम से द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ने हरिवंशराय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के नाम पर उपहार पेश किया है। यह जमीन राम मंदिर से करीब 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। एक सूत्र के अनुसार, अमिताभ बच्चन ने यह खरीदी के लिए अयोध्या आने वाले पर्व का चयन किया था। उन्होंने पुराने यात्रियों से शुभकामनाएं ली और हमेशा अयोध्या के किनारे वाले छोरे का अनुभव करने की आशा जताई। इससे पहले भी अमिताभ बच्चन की अयोध्या में जमीन खरीदने की खबरें सामने आई थीं। उन्होंने रामनगरी में पिछले महीने भ्रमण किया था और वहां राम मंदिर में दर्शन किए थे।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा : 3 सप्ताह की गिरावट के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

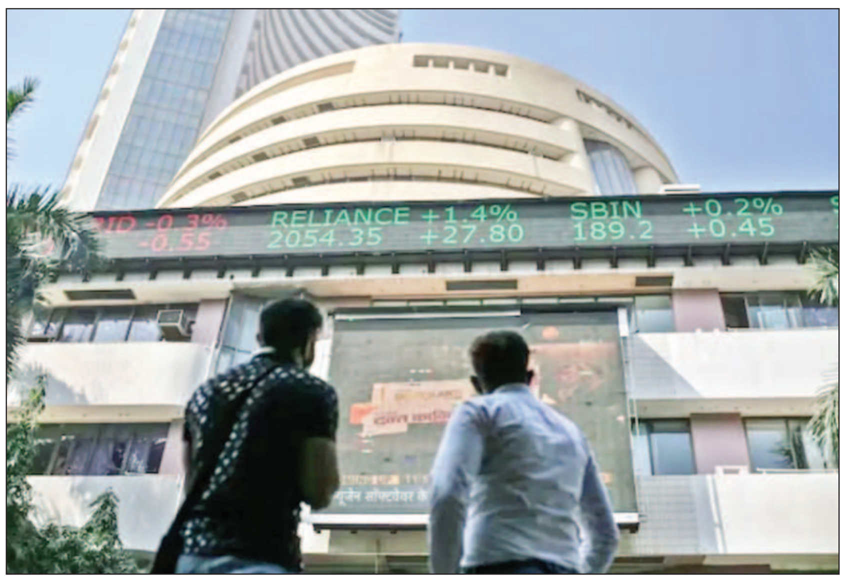

लगातार 3 सप्ताह तक गिरावट का सामना करने के बाद 7 मार्च को खत्म हुए सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर बढ़त हासिल करके बंद होने में सफल रहा। सोमवार से शुक्रवार तक यानी 3 से 7 मार्च तक के कारोबार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 1,134.48 अंक यानी 1.54 प्रतिशत बढ़ कर 74,332.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने 427.80 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,552.50 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। घरेलू बाजार की ये बढ़त इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले सप्ताह अमेरिका में टैरिफ वॉर और ट्रेड पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण ग्लोबल मार्केट में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा।

शुक्रवार 7 मार्च को खत्म हुए सप्ताह में सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी का मेटल इंडेक्स 8.6 प्रतिशत उछल गया। इसी तरह निफ्टी के मीडिया इंडेक्स में 7.3 प्रतिशत और निफ्टी के एनर्जी इंडेक्स में 6 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी के ऑयल एंड गैस इंडेक्स 5.3 प्रतिशत तथा पीएसयू बैंक इंडेक्स 5 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे।

इस सप्ताह बाजार में आई तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 14 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद बढ़ कर 398.24 लाख करोड़ रुपए (अस्थाई) हो गया। जबकि इसके पहले के सप्ताह इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 384.28 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद निवेशकों को करीब 13.96 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स 2.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

इस इंडेक्स में शामिल वेदांता, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, आरईसी, वरुण बेवरेजेज, सीमेंस और टाटा स्टील के शेयरों में 10 से लेकर 15 प्रतिशत तक की मजबूती दर्ज की गई। इसी तरह बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में 3.32 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स, कैस्ट्रोल इंडिया, जी इंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, सीजी पावर, जिंदल स्टेनलेस, बायोकॉन, इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस और सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में 10 से 13 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान सबसे अधिक तेजी बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में दर्ज की गई। ये इंडेक्स 6.02 प्रतिशत उछल कर बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल कॉफी डे एंटरप्राइजेज, भारत वायर रोप्स, मैन इंडस्ट्रीज (इंडिया), त्रिवेणी टरबाइन, वाडीलाल इंडस्टरीज, संदूर मैंगनीज, अलीवस लाइफ साइंसेज, अनुपम रसायन इंडिया, हिम्मतसिंगका सेडे, विंडलॉस बायोटेक, पीटीसी इंडस्ट्रीज, ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन, सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च कंपनी, एनएसीएल इंडस्ट्रीज, और जेन टेक्नोलॉजीज के शेयरों में 20 से 40 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, ईकेआई एनर्जी सर्विसेज, जिंदल वर्ल्डवाइड, जेनसोल इंजीनियरिंग और सूरतवाला बिजनेस ग्रुप के शेयरों में 22 से लेकर 40 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

निवेशकों के लिए बड़ा मौका, इस सप्ताह आएंगे तीन आईपीओ, नैप्स ग्लोबल की भी होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार के लिए इस हफ्ते कुछ खास हलचल की संभावना है, क्योंकि प्राइमरी मार्केट में दो नई कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं और एक कंपनी का लिस्टिंग होने वाली है। यह समय निवेशकों के लिए नए मौके लेकर आया है, क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियां अपने शेयर पेश कर रही हैं। पहली कंपनी है पीडीपी शिपिंग एंड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, जो लॉजिस्टिक्स का कारोबार करती है और इसका आईपीओ 10 मार्च को खुलेगा। दूसरी कंपनी है सुपर आयरन फाउंड्री, जो लोहा और स्टील के कारोबार में है और इसका आईपीओ 11 मार्च को शुरू होगा। इसके अवसर पर निवेशकों को सलाह दी जा रही है वे अपडेट के लिए आईपीओ वॉच पोर्टल पर नजर रखें। साथ ही नैप्स ग्लोबल नाम की कंपनी का आईपीओ लिस्टिंग भी होने जा रही है, जिसका अलॉटमेंट पूरा हो चुका है और 11 मार्च को शेयर बाजार में लिस्ट होगा। इस हफ्ते दो एसएमई आईपीओ भी निवेश के लिए उपलब्ध हैं, जो छोटे उद्यमों के लिए एक अहम मौका हो सकता है।

शॉकवेव इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लॉन्च

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

अल्ट्रावॉयलेट कंपनी ने टेसेरैक्ट इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ शॉकवेव इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल भी लॉन्च की है। मोटरसाइकिल की तरह, स्कूटर के लिए भी 999 रुपये में प्री-बुकिंग शुरू हो गई है और इसकी डिलीवरी 2026 की शुरुआत में शुरू होगी। शॉकवेव की कीमत पहले 1,000 ग्राहकों के लिए 1.50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। उसके बाद, कीमत बढ़कर 1.75 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) हो जाएगी। शॉकवेव अल्ट्रावॉयलेट के लाइट मोटरसाइकिल प्लेटफॉर्म में प्रवेश का प्रतीक है। कंपनी दो और इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल बेचती है - एफ77 सुपरस्ट्रीट और एफ77 मैक 2। शॉकवेव की 14.5बीएचपी मोटर 3.5केडब्ल्यूएच बैटरी से जुड़ी है।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के पिछले पहिये पर 505 एनएम का टॉर्क होने का दावा किया गया है। इसका वजन 120 किलोग्राम है। दावा किया जाता है कि शॉकवेव एक बार फुल चार्ज होने पर 165 किलोमीटर (आईडीसी) की रेंज देता है। यह महज 2.9 सेकंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है, जबकि इसकी अधिकतम गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे बताई जाती है। शॉकवेव में डुअल एलईडी हेडलैंप, चार ट्रैक्शन कंट्रोल मोड, स्विचेबल डुअल-चैनल एबीएस और रीजन के छह लेवल जैसे फीचर्स हैं। आगे (19-इंच) और पीछे (17-इंच) स्पोक व्हील हैं। इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल दो रंगों में उपलब्ध है - कॉस्मिक ब्लैक और फ्रॉस्ट व्हाइट। अल्ट्रावॉयलेट के अनुसार, शॉकवेव की बैटरी सुपरनोवा के साथ 30 मिनट से भी कम समय में और बूस्ट चार्जर के साथ 50 मिनट में 20-80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है।

नई बाइक हीरो एक्सट्रीम 125आर मचाएगी धमाल

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक हीरो एक्सट्रीम 125आर आपके लिए एक बढ़िया विकल्प हो सकती है। हीरो एक्सट्रीम 125आर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 95,000 रुपये रखी गई है। यह 125सीसी सेगमेंट की पहली बाइक है जिसमें डिस्क ब्रेक के साथ सिंगल चैनल एबीएस दिया गया है। यह बाइक 125सीसी सेगमेंट में स्टाइल और परफॉर्मेंस का जबरदस्त कॉम्बिनेशन पेश कर रही है। कंपनी ने इसे टीवीएस राइडर 125 और बजाज पल्सर 125 जैसी बाइक्स को टक्कर देने के लिए लॉन्च किया है। सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए इसके सस्ते वेरिएंट में इंटीग्रेटेड ब्रेकिंग सिस्टम (आईबीएस) का फीचर भी जोड़ा गया है, जबकि टॉप मॉडल में डिस्क ब्रेक के साथ एबीएस दिया गया है। बाइक के डिजाइन की बात करें तो इसका पूरा लुक मस्कुलर और शार्प है। इसमें एलईडी हेडलाइट, टेल लाइट और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है, जो इसे और भी आकर्षक बनाते हैं।

भुवनेश्वर के लिए नई उड़ान हिंडन सिविल टर्मिनल से शुरू होगी

गाज़ियाबाद के हिंडन सिविल टर्मिनल से फ्लाइट की लंबी रेंज के बाद अब भुवनेश्वर के लिए भी नई उड़ान शुरू होने वाली है। भुवनेश्वर के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसकी घोषणा की है। 30 मार्च को इस रूट पर पहली फ्लाइट का आयोजन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह उड़ान भुवनेश्वर के लिए नये पर्यटन, व्यापार और कनेक्टिविटी के द्वार खोलेगी। हिंडन सिविल टर्मिनल के अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि इस नए रूट की तैयारी शेड्यूल पर है और इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द ही हो सकती है। यह उड़ान सुबह 9:20 बजे हिंडन से प्रस्थान करके 11:45 बजे भुवनेश्वर पहुंचेगी। इस रूट पर 180-सीटर विमान की सेवा उपलब्ध रहेगी। इस उत्कृष्ट सेवा का शुरूआती स्तर चेन्नई और जम्मू के लिए भी 22 और 23 मार्च को उड़ान भरेगी। हिंडन सिविल टर्मिनल से कई और लोकल और दूरस्थ शहरों के लिए उड़ानें चल चुकी हैं और इसका प्रयास भारत में हवाई संयोजन को अनुकूल बनाने का है।

शिव नादर ने अपनी बेटी रोशनी को एचसीएल कॉर्प में दी 47 फीसदी हिस्सेदारी

रोशनी ने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक और केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से किया है एमबीए

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

देश के प्रमुख आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजिस के संस्थापक अरबपति शिव नादर ने अपनी बेटी रोशनी नादर मल्होत्रा को एक रणनीतिक उत्तराधिकार योजना के तहत एक बगीचे का हिस्सा बनाया है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया गया है कि रोशनी ने एचसीएल कॉर्प और वामा दिल्ली में अपनी 47 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इस रणनीतिक फैसले से वामा दिल्ली और एचसीएल कॉर्प में नियंत्रण हासिल करने वाली रोशनी एक महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंचेगी। उनका एचसीएल इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड और एचसीएल टेक में शेयरधारक बनने का सपना साकार हो रहा है। उपहार पत्रों के जरिए इस परिवार का नेतृत्व एचसीएल के भविष्य के लिए एक मजबूत स्तंभ बनेगा। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने उन्हें ओपन ऑफर बनाने से छूट दी है और इसे शेयरों के ट्रांसफर में सुविधा प्रदान की जा रही है। रोशनी ने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक डिग्री और केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए की डिग्री हासिल की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत के...

महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों के साथ, नए शासन ने अपने शासन को वैध बनाने के लिए मीडिया कवरेज और जनसंपर्क अभियानों का लाभ उठाया है। साथ ही, यह रिपोर्ट के अध्याय 6 को दबाने का हर संभव प्रयास कर रहा है, जिसे तुर्क बाहर करने में असमर्थ था। इस अध्याय के उजागर होने से यूनुस प्रशासन आखिर क्यों डरता है?सत्ता में अपने उदय के इर्द-गिर्द की कहानी को नियंत्रित करने के लिए, बांग्लादेश में यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार हाल ही में जारी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के अध्याय 6 को दबाने का आक्रामक प्रयास कर रही है। जबकि शासन पिछली शेख हसीना सरकार द्वारा कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर करने के लिए मीडिया और पीआर फर्मों का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहा है, यह एक साथ रिपोर्ट के उन प्रमुख खंडों तक पहुंच को अवरुद्ध कर रहा है जो इसके स्वयं के उत्थान के पीछे हिंसक और चरमपंथी ताकतों को उजागर करते हैं। अध्याय 6 में भीड़ द्वारा हत्या, पुलिस अधिकारियों और राजनीतिक विरोधियों की लक्षित हत्याओं और संकट को अंजाम देने में इस्लामी-जेहादी समूहों की भूमिका के बारे में भयावह विवरण है। यह नई सरकार की वैधता और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए इसके व्यापक निहितार्थों के बारे में गंभीर शंकाएं पैदा करता है। यूनुस शासन इस अध्याय को दफनाने के लिए इतना बेताब क्यों है, और यह उन ताकतों के बारे में क्या बताता है जिन्होंने इसे सत्ता में लाया?वोल्कर तुर्क की नवीनतम स्वीकारोक्ति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि कैसे संयुक्त राष्ट्र ने आतंकवाद और जिहाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, चाहे वह गाजा में हो या बांग्लादेश में। तुर्क के कार्यकाल पर टिप्पणी करते हुए, फॉरेन पॉलिसी पत्रिका ने एक लेख में कहा, वोल्कर तुर्क में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख बनने के लिए योग्यता की कमी है। डेवेक्स की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है, तुर्क, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के एक करीबी, भरोसेमंद विश्वासपात्र, ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के शीर्ष पद के लिए यूरोप, एशिया और अफ्रीका के लगभग एक दर्जन संभावित उम्मीदवारों को हराया। बाइडेन प्रशासन भी वोल्कर तुर्क के पक्ष में ही खड़ा था।कोई पूछ सकता है, जो बाइडेन और उनका प्रशासन, जिसमें एंटनी ब्लिंकन भी शामिल रहे हैं, वोल्कर तुर्क को क्यों पसंद करते हैं? जवाब आसान है। तुर्क जॉर्ज सोरोस का खास शिष्य हैं, जो लंबे समय से अपने एजेंडे को लागू करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख पदों पर अपने कठपुतलियों को रखने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि मुहम्मद यूनुस दशकों से सोरोस के मित्र और वित्तीय सहयोगी रहे हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि वोल्कर तुर्क, यूनुस और सोरोस दोनों के हितों की सेवा करेंगे।अब, मुख्य प्रश्न यह है कि वोल्कर तुर्क द्वारा सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किए जाने के बाद कि उन्होंने बांग्लादेश सशस्त्र बलों को इस्लामवादियों, जेहादियों और आतंकवादियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने से रोका था, जिन्होंने सैकड़ों पुलिसकर्मियों, हिंदुओं, ईसाइयों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की हत्या की है और करोड़ों डॉलर का विनाश किया, क्या वोल्कर तुर्क, संयुक्त राष्ट्र में उनके सहयोगी, मुहम्मद यूनुस और उनके इस्लामवादी-जेहादी सहयोगियों पर मानवता के खिलाफ किए गए अपराध और षडयंत्र के खिलाफ संगीन अपराध का मुकदमा चलेगा?

मिट्टी में मिला...

अत्याचारी या असहिष्णु शासक नहीं था, बल्कि वह उदार और ईमानदार शासक था। आज़मी ने औरंगजेब को एक सफल शासक बताया था। बाद में आज़मी ने माफी मांगते हुए कहा कि अगर उनकी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंची है तो उन्हें इसका पछतावा है। आज़मी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी।ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, संभाजी महाराज को औरंगजेब के कहने पर पकड़ लिया गया था और उन्हें बेरहमी से प्रताड़ित करके मार डाला गया था।

औरंगजेब ने संभाजी महाराज को क्रूरता से मरवा डाला था। औरंगजेब की कब्र छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद) के खुलदाबाद में ही स्थित है। छठे मुगल बादशाह औरंगजेब (3 नवंबर 1618 - 3 मार्च 1707) की कब्र एक दरगाह परिसर में एक अचिन्हित कब्र है और एएसआई के नियंत्रण में आती है।

11 मार्च मेले पर विशेष

खाटू श्याम के लक्खी मेले में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

✻ खाटू में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम ✻ भक्तों के हाथों में निशान, नाचते, गाते कर रहे है बाबा का गुणगान

विश्व प्रसिद्ध बाबा श्याम का फाल्गुनी लख्खी मेला परवान पर है।श्रद्धा का ज्वार हिलोरे ले रहा है और भक्ति जहा कण कण में नजर आ रही है। खाटू धाम में भक्ति, श्रद्धा, विस्वास और आस्था के सैलाब का अद्भुत संगम देख कर अंतरात्मा अभिभूत हो जाती है। यहां न कोई जाति का भेद और न अमीर -गरीब का भेद है। सभी की जुबा पर एक ही नाम- जय श्री श्याम, जय श्री श्याम । एक बार जब कोई इस आस्था के संगम में डुबकी लगाता है तो वह श्याम के रंग में ऐसा रंग जाता है कि वह हर - बार बाबा के दर पर शीश नवाने आता है। सच्ची आस्था और विस्वास के साथ जो भी बाबा के दर पर आता है तो बाबा उनकी मुराद अवश्य पूरी करते है। बाबा के दरबार से कोई निराश नही जाता। रींगस से खाटू धाम तक 18 किलोमीटर का पूरा रास्ता अटा हुवा है। दूर दूर से भक्तगण निशान लेकर बाबा श्याम के जयकारे लगाते चल रहे है। बाबा के अन्य नाम से जैसे लखदातार, हारे का सहारा,शीश के दानी,तीन बाण धारी, श्याम सरकार,नीले घोड़े वाले के नाम के जयकारों से आकाश गूंज रहा है। श्रद्धा और भक्ति का बहुत ही अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है।श्रद्धालु हाथों में निशान लिए,नाचते ,गाते जुबा पर श्याम का गुणगान करते लाखो भक्तों का रेला खाटू धाम की ओर चल रहा है। बाबा श्याम के रंग में रंगे भक्त डीजे और चंग की थाप पर नाचते, गाते, अबीर उड़ाते श्याम सरकार के दीदार करने के लिए बेताब है।

शीश के दानी खाटू नरेश के 28 फरवरी से 11 मार्च तक चलने वाले इस फाल्गुनी सतरंगी मेले में देश के कोने कोने से ही नहीं विदेश से भी लाखों श्रद्धालु बाबा के दरबार में हाजरी लगाने के लिए आ रहे है।

आस्था की अनुपम मिसाल

श्याम सरकार के दीवाने भक्तों की आस्था की अनुपम मिसाल देखने को मिल रही है।जमावड़ी, हांसी से एक भक्त पेट पलायन यात्रा कर बाबा के दरबार पहुंच रहा है तो भिवानी के मोनू हरिद्वार से 61 लीटर गंगाजल के साथ कंधों पर कावड़ ले कर तो कोई कनक दंडवत करते,कोई डाक निशान ले कर खाटू पहुच रहे है। श्रद्धालु निशान ले कर हजारों किलोमीटर से पेदल यात्रा करके दरबार में आ रहे है ।मेले में छोटे बच्चे,वृद्धजन, विकलांग भी आस्था और भक्ति से लबरेज श्याम दरबार मे पहुंच रहे है।

खाटू नरेश के अलौकिक श्रृंगार से भक्त हुए भाव विभोर

श्रद्धालु भक्त खाटू नरेश के रोज नए स्वरूप में दर्शन कर रहे है।बाबा श्याम का न्यूजीलैंड, चीन, इटली से मंगवाए रंग बिरंगे फूलों से रोज मनमोहक श्रृंगार किया जाता है। मेले में श्रद्धालुओं पर इत्र का छिड़काव किया जा रहा है। भक्तगण बाबा के रोज नए स्वरूप में दर्शन कर अभिभूत है। बाबा श्याम मंदिर का लेमनग्रास, लाल गुलाब,मोगरा, रजनीगन्धा, लिली,गुलदावरी, चेरी एवं मोरपंख से सजाया गया है।

शिखर बंद पर 376 वर्ष से चढ़ रहा है सूरजगढ़ का निशान

खाटू श्याम मंदिर में निशान चढाने को लेकर भी एक रोचक चमत्कारी घटना जुड़ी हुई है ।उसे घटना के बाद से सूरजगढ़ (झुंझुनू) का प्राचीन निशान खाटू मंदिर के शिखर पर फहराया जाने लगा है।यह परंपरा 376 वर्ष से अभी तक जारी है।इस बार 377 वा निशान बाबा को अर्पित किया जाएगा।

सूरजगढ़ के भक्त ने मोर पंख से खोला ताला

वयोवृद्ध श्रद्धालुओं ने बताया कि मानना है कि वर्ष 1920 विक्रम संवत 1975 फागुन शुक्ला द्वादशी को खाटू धाम में विभिन्न स्थानों से निशान लेकर आए भक्तों में पहले अपना -अपना निशान चढ़ाने को लेकर बहस होने लगी, तत्पश्चात सर्वसम्मति से यह तय हुआ कि जो भक्त खाटू मंदिर धाम के लगे ताले का बिना चाबी के अपनी श्रद्धा भक्ति से केवल पर मोर पंख से खोल देगा, वही अपना निशान सबसे पहले शिखर पर चढ़ा एगा ।काफी भक्तजनों ने प्रयास किया लेकिन(मोर छड़ी) मोर पंख से कोई ताला नहीं खोल पाया ।आखिर में भक्त गोवर्धन दास ने अपने शिष्य मंगलाराम अहिर को मोर छड़ी से ताला खोलने का आदेश दिया ।मंगलाराम ने अपने गुरु के आदेश पर मंदिर के गेट पर लगे ताले को मोर छड़ी से छुआ तो ताला खुल गया। जो श्याम भक्ति की सच्ची श्रद्धा व निष्ठा का जीवट उदाहरण है। इसके बाद से ही अभी तक परंपरानुसार सूरजगढ़ का प्राचीन निशान मंदिर के शिखर पर बिना किसी रुकावट के सिधे चढ़ाया जाता है।सूरजगढ़ के प्राचीन निशान का पहला जत्था भक्त शिरोमणी हजारीलाल सैनी के अगवाई शुक्ल पक्ष की छठ को,दूसरा जत्था भक्त मनोहरलाल सैनी की अगवाई में सप्तमी को सूरजगढ़ से खाटू धाम के लिए पैदल रवाना होता है। ये प्राचीन निशान खाटू मंदिर के शिखर बंद पर चढ़ाए जाते है।जो वर्ष भर लहराते है।

सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन से मेले पर नजर

राज्य सरकार और सीकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए है।मेला मजिस्ट्रेट बृजेश गुप्ता प्रशासनिक अमले के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर पेनी नजर लगाए हुए है। मेले में 7000 पुलिसकर्मी तैनात है साथ में सामाजिक संस्थाओं ,मंदिर समिति के कार्यकर्ता व्यवस्था में लगे हुवे है। 400 सीसीटीवी कैमरे एवं ड्रोन से मेले पर नजर रखी जा रही है। गाड़ियों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

-डॉ. शम्भू पंवार
लेखक, पत्रकार -विचारक
मो. 7014781345

*****

सिंह राशि के जातक रोजाना करें ये उपाय, शनि की बाधा होगी दूर

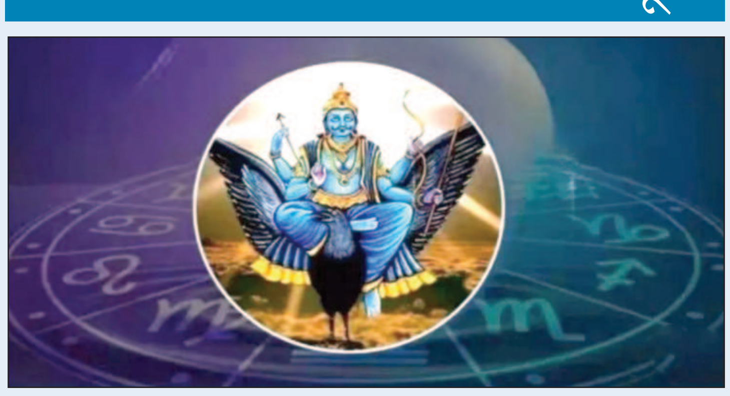

वैदिक पंचांग के अनुसार, शनिवार 29 मार्च को चैत्र अमावस्या है। इस दिन न्याय के देवता शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों के जीवन में नया सवेरा होगा। न्याय के देवता शनिदेव की कृपा इन राशियों पर बरसेगी। हालांकि, मेष और सिंह राशि के जातकों पर साढ़ेसाती और शनि की ढैय्या शुरू होगी।ज्योतिषियों की मानें तो शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती शुरू होगी। वहीं, सिंह राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या शुरू होगी।

इसके साथ ही सिंह राशि के जातकों पर केतु की भी कुदृष्टि पड़ेगी। इसके लिए सिंह राशि के जातकों को आने वाले दिनों में सावधान रहने की जरूरत है। अगर आप भी सिंह राशि के जातक हैं, तो शनि की ढैय्या से मुक्ति पाने के लिए रोजाना पूजा के समय ये उपाय जरूर करें।

उपाय- सिंह राशि के स्वामी आत्मा के कारक सूर्य देव हैं। अतः सिंह राशि के जातक रोजाना सूर्य देव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय कुमकुम मिला जल सूर्य देव को अर्पित करें। इस उपाय को करने से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होगा। साथ ही करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलेगी।

शनि की ढैय्या से मुक्ति पाने के लिए शनिवार के दिन काले तिल और उड़द की दाल का दान करें। इसके साथ ही काले रंग के वस्त्र और चमड़े के जूते और चप्पल का दान करें। इस उपाय को करने से शनिदेव की कृपा साधक पर बरसेगी।

मायावी ग्रह राहु और केतु से मुक्ति पाने के लिए सोमवार के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक अवश्य करें। नारियल जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। साथ ही हर शनिवार के दिन जटा वाला नारियल प्रवाहित जलधारा में बहाएं।

सिंह राशि के जातक रविवार और गुरुवार के दिन भगवान विष्णु के नामों का मंत्र जप करें। भगवान विष्णु के नामों का मंत्र जप करने से हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही भगवान विष्णु की कृपा साधक पर बरसेगी।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग में शिवजी की इन राशियों पर होगी कृपादृष्टि

आज सोमवार 10 मार्च को सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ शोभन योग का शुभ संयोग बना है। इस शुभ संयोग में मेष और कन्या सहित 5 राशियों के लोगों को कारोबार में शानदार मुनाफा हासिल होगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न होगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में योजनाएं सफल होंगी। देखें मेष से मीन तक सोमवार का मनी करियर राशिफल विस्तार से।

मेष : करियर में तरक्की के सुनहरे अवसर आएंगे

मेष राशि वालों का दिन शुभ है और आपके करियर में तरक्की के सुनहरे अवसर आएंगे और आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं। विशेष सम्मान और आर्थिक लाभ होने की संभावना है। कारोबार में कोई बड़ा सौदा भी फाइनल हो सकता है। सामाजिक कार्यों में खर्च करने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार में भी धन लाभ के योग हैं और आपको सम्मान की प्राप्ति होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

वृषभ : परिवार में खुशियां आएंगी

वृषभ राशि वालों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी नई योजनाएं पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न होगा। करियर में लाभ के साथ ही नई योजनाओं पर काम करने का समय है। यात्रा से मानसिक शांति मिलेगी। कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी। स्थान परिवर्तन की संभावना है और आपके सामने कुछ नई चुनौतियां आ सकती हैं। आप उन पर विजय प्राप्त करेंगे। परिवार में खुशियां आएंगी। कार्यालय में सहयोगी आपका साथ देंगे और परिवार में माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

मिथुन : मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे

मिथुन राशि वालों के लिए दिन रचनात्मक कार्यों के लिए बेहतरीन है। आप अपने पसंदीदा काम में व्यस्त रहेंगे और मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे। नई योजनाएं भी आपके दिमाग में आएंगी, जिन पर आप काम शुरू कर सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग लेने से आपको फायदा होगा। इससे आपको आराम करने और नई ऊर्जा प्राप्त करने का मौका भी मिलेगा।

कर्क : करियर में सफलता मिलेगी

कर्क राशि वालों की मेहनत रंग लाएगी और करियर में सफलता मिलेगी। अधूरे काम पूरे होंगे और महत्वपूर्ण बातचीत भी होगी। कार्यालय में आपका पक्ष मजबूत होगा और सहकर्मी भी आपका साथ देंगे। शाम को कहीं शादी में जाने का मौका मिल सकता है और उसमें आपका काफी खर्च भी होगा। इसमें कुछ खर्च भी होगा। आपको पैसे सोचकर खर्च करने की सलाह है।

सिंह : दिन व्यस्त रहेगा

सिंह राशि वालों के लिए दिन व्यस्त रहेगा, लेकिन करियर में लाभ होगा। छात्रों को पढ़ाई के लिए समय निकालना चाहिए। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपको अपना ध्यान काम पर केंद्रित रखना चाहिए। परिवार के साथ समय आनंददायक रहेगा। दोस्तों की मदद से रुके हुए काम पूरे होंगे और आपको धन के मामले में लाभ होगा।

कन्या : करियर में मनचाही सफलता मिलेगी

कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन चुनौतीपूर्ण रहेगा। आपको कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं। हालांकि, आपकी कार्यकुशलता और मेहनत आपको सफलता दिलाएगी। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की आपकी क्षमता आपको प्रशंसा दिलाएगी। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और परिवार में लाभ के योग बने हैं। आपका दिन शुभ होगा और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

तुला : रुके हुए काम पूरे होंगे

तुला राशि वालों के लिए करियर में लाभदायक दिन है। रुके हुए काम पूरे होंगे और कार्यक्षेत्र से जुड़े विवाद सुलझेंगे। तरक्की के रास्ते खुलेंगे और नई योजनाएं शुरू कर सकते हैं। जमीन-जायदाद के मामलों में परिवार और आस-पास के लोग परेशानी पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। आपके लिए कहीं से कोई शुभ समाचार आ सकता है और आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक : दिन भर लाभ के अवसर मिलेंगे

वृश्चिक राशि वालों को करियर में लाभ होगा, लेकिन आर्थिक मामलों में थोड़ी परेशानी आ सकती है। दिन भर लाभ के अवसर मिलेंगे, इसलिए मेहनत करते रहें। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। नौकरी या व्यापार में कुछ बड़े परिवर्तन हो सकते हैं और आपको धन सम्मान के मामले में लाभ होगा। आपके लिए कारोबार में तरक्की के योग बन रहे हैं। आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी और मन काफी प्रसन्न होगा।

धनु : धन में वृद्धि के योग बने हैं

धनु राशि वालों को सावधानी से काम करने की जरूरत है। व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाने से लाभ हो सकता है। रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया करने के बारे में सोचें। किसी अपने की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। नए अवसरों को पहचानकर उनका लाभ उठाएं। आपको शेयर के मामले में लाभ होगा और आपके लिए धन में वृद्धि के योग बने हैं। आपकी तरक्की से मन काफी प्रसन्न होगा।

मकर : धन सम्मान में वृद्धि होगी

मकर राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। साझेदारी में किया गया व्यापार फायदेमंद रहेगा। घरेलू कामों को निपटाने में समय बीतेगा। बच्चों के संबंध में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेना पड़ सकता है, जिसमें आपको सफलता मिलेगी। ईमानदारी और नियमों का पालन करें। एक साथ कई काम आने से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और किस्मत का साथ मिलेगा।

मीन : आपके धन में वृद्धि होगी

मीन राशि वालों के लिए दिन लाभदायक रहेगा, लेकिन व्यापार में जोखिम उठाने से नुकसान हो सकता है। परेशानियों को धैर्य और शांत स्वभाव से सुलझाएं। अपनी बुद्धिमानी से आप वह सब कुछ हासिल कर सकते हैं, जिसकी आपको कमी रही है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने से आपको लाभ होगा और आपकी तरक्की होगी। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में तरक्की होगी।

भौम प्रदोष व्रत पर पूजा के समय करें ये उपाय आर्थिक तंगी से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत का खास महत्व है। यह पर्व प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर देवों के देव महादेव और मां पार्वती की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही शिव-शक्ति के निमित्त त्रयोदशी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। ज्योतिष शास्त्र में प्रदोष व्रत पर विशेष उपाय किया जाता है। इन उपायों को करने से जीवन में व्याप्त हर परेशानी दूर हो जाती है। भौम प्रदोष व्रत पर भगवान शिव की पूजा करने से आर्थिक विषमता दूर होती है। अगर आप भी पैसों की तंगी से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो त्रयोदशी तिथि पर पूजा के समय ये उपाय जरूर करें।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, मंगलवार 11 मार्च को भौम प्रदोष व्रत है। फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 11 मार्च को सुबह 08 बजकर 13 मिनट पर शुरू होगी और 12 मार्च को सुबह 09 बजकर 11 मिनट पर समाप्त होगी। प्रदोष व्रत पर संध्याकाल में भगवान शिव की पूजा की जाती है। अत: 11 मार्च को फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का प्रदोष व्रत रखा जाएगा।

प्रदोष व्रत उपाय

देवों के देव महादेव जलाभिषेक से प्रसन्न होते हैं। अतः प्रदोष व्रत के दिन गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से बुध देव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। साथ ही आर्थिक तंगी से भी मुक्ति मिलती है।

अगर आप सुखों में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से महादेव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है। साथ ही कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है। शुक्र देव की कृपा से व्यक्ति को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है।अगर आप अशुभ ग्रहों की कुदृष्टि से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो भौम प्रदोष व्रत पर शहद से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से कुंडली में मंगल ग्रह भी मजबूत होता है। साथ ही हनुमान जी की कृपा साधक पर बरसती है।

यह पांच वस्तुएं घर में रखने से नाराज होती है धन लक्ष्मी

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके जीवन में हमेशा लक्ष्मी की कृपा बनी रहे लेकिन कई बार ऐसा होता है कि बहुत मेहनत करने के बाद भी व्यक्ति के जीवन में धन का अभाव बना रहता है। आपके साथ भी अगर ऐसा होता है, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको जीवन में ऐसी सकारात्मक ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिससे कि आपको तरक्की मिले और धन लाभ के रास्ते खुलते रहें। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मौजूद कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जिसे आर्थिक क्षेत्र की स्थिति में एक बाधा समझा जाता है। इन चीजों को समय रहते घर से हटा देना चाहिए।

बंद पड़ीं घड़ियां–आधुनिक जीवन में फैशन तेजी से बदल रहा है। ऐसे में ज्यादातर लोग घड़ी के शौकीन होते हैं। नई-नई घड़ियां पहनने की चाह में अक्सर वे पुरानी घड़ियों को किसी वार्डरोब या दराज में रखकर भूल जाते हैं। दीवार घड़ियों के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है। ऐसे में समय के साथ इन घड़ियों का सेल खत्म हो जाता है और ये घड़ियां चलना बंद हो जाती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको घर में बंद पड़ चुकी घड़ियां नहीं रखनी चाहिए। इससे तरक्की में बाधा पड़ती है और धन प्राप्ति में भी परेशानियां आती हैं।

जंग लगा हुआ लोहा–ज्योतिष शास्त्र में लोहे को शनि से जोड़कर देखा जाता है। वहीं, अगर लोहे पर जंग लगा रहे, तो आपको लोहे को घर में नहीं रखना चाहिए। इससे मानसिक रूप से उथल-पुथल होती है, जिसके कारण व्यक्ति पूरी तरह से अपने करियर पर ध्यान नहीं दे पाता। नौकरी और बिजनेस में अड़चनें आती रहती हैं। धन प्राप्ति के रास्ते रूक जाते हैं।

घर की छत पर पड़ा कबाड़ा– अक्सर ऐसा होता है कि लोग घर की सफाई तो अच्छी तरह कर लेते हैं लेकिन सफाई के बाद निकला कूड़ा छत पर डाल देते हैं। घर की छत पर लकड़ी, लोहा, स्टील, पेपर, पॉलिथीन, बोरियां आदि चीजें कई सालों तक पड़ी रहती हैं। इसे वास्तु दोष का एक बड़ा कारण भी माना जाता है। साथ ही घर की छत पर पड़ा कबाड़ा धन प्राप्ति की दिशा में एक बाधा भी है।

मृत परिजन के कपड़े –वास्तु दोष को उत्पन्न करने में यह भी बड़ा कारण है। घर में मृत परिजन का सामान जैसे, कपड़े, कप आदि सामान नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस जीवन से पार पा चुके मनुष्य के समान विशेषक परिजन के कपड़ों को किसी गरीब या जरुरतमंद को दे देना चाहिए। घर में पुराने कपड़े रखने से भी धन हानि बनी रहती है।

घर में पानी टपकता नल– कभी-कभी ऐसा होता है कि घर में लगे किसी नल से पानी टपकता रहता है। ज्यादातर लोग इस बात को नजरअंदाज करते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लगा ऐसा नल जिसमें से बंद रहने पर भी पानी टपकता हो, इसे धन से जोड़कर देखा जाता है। घर में ऐसे नलों के होने से धन हानि की समस्या बनी रहती है और आमदनी घटती जाती है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

मिस वर्ल्ड से बॉलीवुड तक

मानुषी छिल्लर ने बताया क्यों व्यावहारिकता शोबिज़ में मायने रखती है

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर की मेडिकल फील्ड से फिल्मों तक की यात्रा प्रेरणादायक रही है। वह मानती हैं कि ग्लैमर की दुनिया एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें सच्चा जुनून और प्रतिबद्धता आवश्यक है। आपको इसे वास्तव में पूरे मन से चाहना होगा। मनोरंजन उद्योग में केवल प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि इसके लिए अटूट समर्पण, धैर्य और मानसिक मजबूती भी जरूरी होती है। बॉलीवुड में बिना किसी फिल्मी कनेक्शन के कदम रखने वाली मानुषी नए कलाकारों को करियर के फैसले सोच-समझकर लेने की सलाह देती हैं। वह जल्दबाजी में कोई भी बड़ा फैसला लेने, जैसे कि बिना किसी योजना के नई जगह शिफ्ट होने या शून्य से शुरुआत करने से बचने की सलाह देती हैं। इसके बजाय, वह बैकअप प्लान रखने पर जोर देती हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो मनोरंजन उद्योग में नए हैं। मानुषी के अनुसार, फिल्मों में सफलता का सफर अनिश्चितताओं से भरा होता है और यहां प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होती है। वह मानती हैं कि प्रतिभा और कड़ी मेहनत जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण वित्तीय और मानसिक स्थिरता भी होती है। यह स्थिरता कलाकारों को हड़बड़ी में जोखिम उठाने के बजाय सोच-समझकर फैसले लेने में मदद करती है।

मैं कभी भी यह सलाह नहीं दूंगी कि बिना किसी योजना के सबकुछ छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में आ जाएं। अगर आप इस इंडस्ट्री से नहीं हैं और बिल्कुल नए हैं, तो मेरा सुझाव होगा कि पहले अपनी शिक्षा पूरी करें या अपने लिए एक मजबूत आधार तैयार करें, क्योंकि यह सफर आसान नहीं होने वाला है, मानुषी कहती हैं।

मानुषी छिल्लर का मानना है कि तैयारी और निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण हैं, जितना कि जुनून। सपनों का पीछा करना जरूरी है, लेकिन एक मजबूत नींव होने से शोबिज़ की चुनौतियों का सामना करना आसान हो जाता है। उन्होंने हमेशा कड़ी मेहनत से अपनी लगन साबित की है और अब वह राजकुमार राव के साथ 'मालिक' और जॉन अब्राहम के साथ 'तेहरान' जैसी फिल्मों में नजर आने के लिए तैयार हैं।

इम्तियाज अली ने जीता सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खिताब

राजस्थान के जयपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार में विजेताओं की घोषणा हो चुकी है। 'अमर सिंह चमकीला' के लिए इम्तियाज अली को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान मिला, जबकि 'पंचायत सीजन 3' को सर्वश्रेष्ठ सीरीज का खिताब दिया गया।

आईफा 2025 में करण जौहर के साथ ही करीना कपूर, शाहिद कपूर, बॉबी देओल, उर्फी जावेद, करिश्मा तन्ना, कार्तिक आर्यन समेत कई फिल्मी सितारे भी शामिल हुए। 'दो पत्ती' के लिए कृति सेनन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब मिला। वहीं, 'सेक्टर 36' के लिए विक्रांत मैसी ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब अपने नाम किया। इम्तियाज अली को 'अमर सिंह चमकीला' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का खिताब मिला। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का खिताब 'बर्लिन' के लिए अनुप्रिया गोयनका को मिला है। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का खिताब 'सेक्टर 36' के लिए दीपक डोबरियाल को मिला।

'पंचायत सीजन 3' ने सर्वश्रेष्ठ सीरीज का पुरस्कार अपने नाम किया तो सर्वश्रेष्ठ फिल्म कहानी ओरिजनल 'दो पत्ती' के लिए कनिका ढिल्लों को मिला। सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब 'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2' के लिए श्रेया चौधरी को और अभिनेता का पुरस्कार जितेंद्र कुमार को 'पंचायत सीजन 3' के लिए मिला।

इसके अलावा, सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का खिताब दीपक कुमार मिश्रा को 'पंचायत सीजन 3' के लिए मिला। बता दें, रविवार की शाम आईफा अवॉर्ड्स 2025 में फिल्म 'शोले' की 50वीं सालगिरह पर खास समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसकी स्पेशल स्क्रीनिंग राज मंदिर सिनेमा में की जाएगी। कार्तिक आर्यन शो को होस्ट करेंगे। शो में अभिनेता शाहरुख खान, करीना कपूर खान भी आईफा के 25वें सीजन में प्रस्तुति देंगे।आईफा अवार्ड शो में करीना कपूर अपने दादा, दिवंगत फिल्म निर्माता-अभिनेता राज कपूर को अपनी प्रस्तुति के माध्यम से श्रद्धांजलि देंगी।

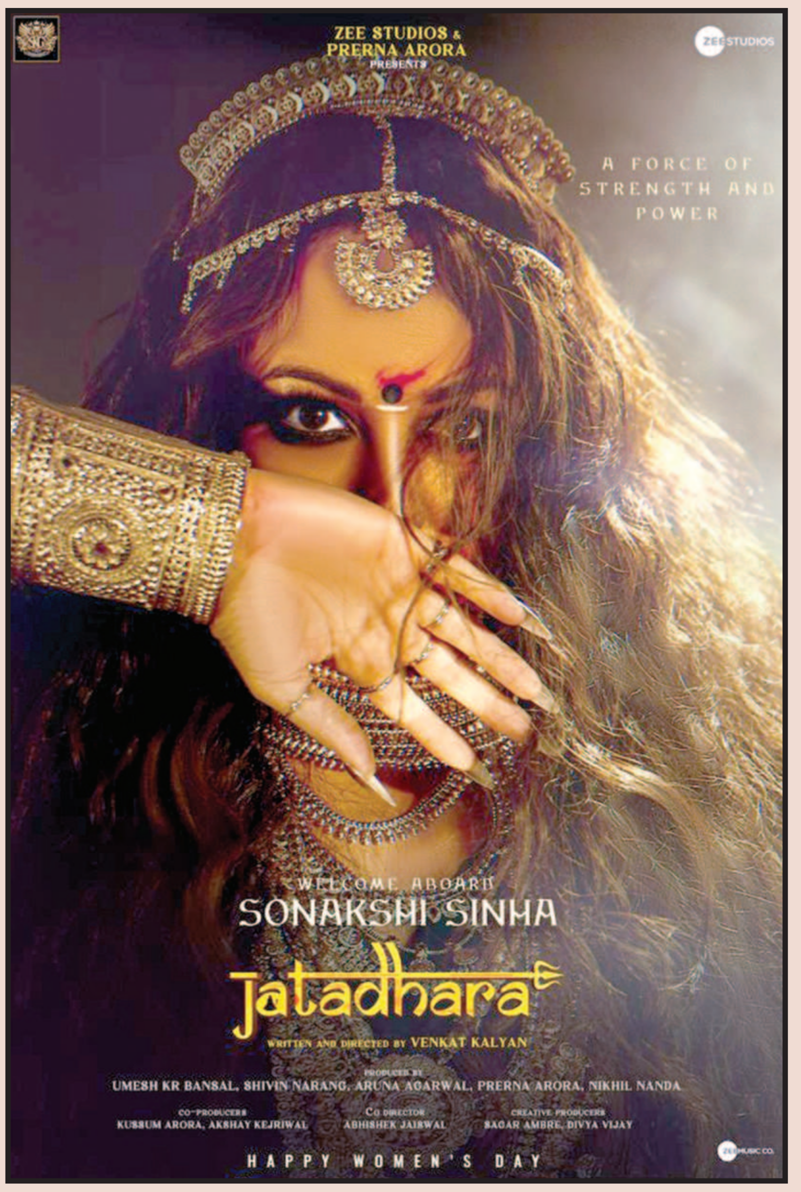

जटाधारा से सोनाक्षी सिन्हा का 'पावरफुल' फर्स्ट लुक आउट

महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को 'जटाधारा' के निर्माताओं ने अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। तेलुगू डेब्यू फिल्म से उनका कमाल का लुक सामने आया है। सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का कोलाब पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में अभिनेत्री एक आकर्षक और गंभीर अंदाज में नजर आ रही हैं।

पोस्टर में अभिनेत्री का मेकअप काफी बोल्ड है। आंखों में काजल, लाल बिंदी और माथे पर लगा तिलक इंटेंस लुक दे रहा है। सोनाक्षी का पूरा चेहरा नहीं दिख रहा है।

कोलाब पोस्ट में निर्माताओं ने कैप्शन दिया, इस महिला दिवस पर 'जटाधारा' में शक्ति और उसकी किरण जगमगा रही है!'जटाधारा' में सुधीर बाबू भी हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक सशक्त और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है। अपकमिंग फिल्म 'जटाधारा' के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, 'पुष्पा 2: द रूल' के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए। मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की। मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं।'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। 'जटाधारा' को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है।फिल्म को लेकर सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए रोमांचित हूं। 'जटाधारा' का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा के पास 'जटाधारा' के अलावा 'तू है मेरी किरण' भी है, जिसमें वह पति-अभिनेता जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' में भी दिखेंगी।

चॉइस को सेलिब्रेट करती नजर आईं तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर नई तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वह निडर और बिना किसी झिझक के फैसले लेने के सार के साथ 'चॉइस को सेलिब्रेट' करती नजर आ रही हैं।

तापसी ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में अभिनेत्री काले रंग की नेट वाली ड्रेस पहने कैमरे के लिए पोज देती दिखाई दीं। एक अन्य तस्वीर में अभिनेत्री खिड़की से बाहर देखती नजर आईं। तीसरी और चौथी फोटो में 'रश्मि रॉकेट' स्टार का क्लोज-अप था। आखिरी तस्वीर बहुत प्यारी थी, जिसमें अभिनेत्री, अपने घुंघराले बाल खुले रखे हुए मुस्कुरा रही थीं और कैमरे से दूर देख रही थीं।

तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, अपनी चॉइस का जश्न मनाती एक शाम। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पहले सीमाओं को तोड़ने और नई संभावनाओं को खोजने के लिए सीमाओं से परे एक दुनिया की खोज करने के बारे में बात की थी। उन्होंने लिखा था: 'जब पिंजरा टूटा और आपको एहसास हुआ कि इससे बाहर भी एक दुनिया है...' वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री अगली बार एक्शन फिल्म 'गांधारी' में दिखाई देंगी, जहां वह अपने स्टंट खुद करती नजर आएंगी। लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों ने भी हाल ही में एक्शन दृश्यों को बेहतरीन ढंग से निभाने के लिए तापसी की सराहना की थी। 'गांधारी' की निर्माता-लेखिका कनिका ढिल्लों ने बताया कि तापसी में एक अलग तरह की फुर्ती है, वह एक्शन फिल्म के लिए परफेक्ट हैं।

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म 'नेटफ्लिक्स' की रिपोर्ट के अनुसार 'गांधारी' एक रोमांचक कहानी है, जिसके बैकग्राउंड में मनोरंजन, रहस्य और खूब सारा एक्शन हैं। दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली ऐसी मां के किरदार में देखेंगे, जो मजबूत है। 'गांधारी' में तापसी पन्नू के साथ अभिनेता इश्वाक सिंह भी अहम भूमिका में हैं। कनिका ढिल्लों और तापसी पन्नू साथ में 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा', 'फिर आई हसीन दिलरुबा' जैसी फिल्में कर चुकी हैं।

कनिका ने एक्शन सीन्स को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए तापसी की सराहना करते हुए बताया कि फिल्म के लिए तापसी ने बिना किसी बॉडी डबल या रिहर्सल के एक ही टेक में दीवार पर चढ़ने का एक्शन सीन जब शूट किया तो पूरा सेट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा था।कनिका ढिल्लों के बैनर कथा पिक्चर्स के बैनर तले 'गांधारी' का निर्माण हुआ है, जिसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं।

महारानी के चौथे सीजन का ऐलान

रानी भारती बन लौट रहीं हुमा कुरैशी

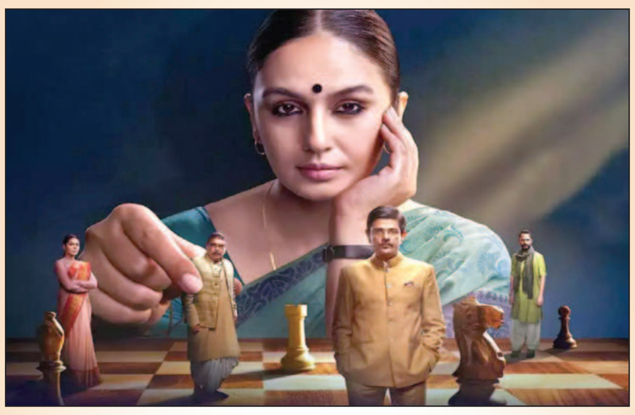

हाल ही में महारानी सीरीज के चौथे सीजन का टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें हुमा कुरैशी सामाजिक और राजनीतिक उलझनों से लड़ती नजर आएंगी। महारानी के इस सीजन को दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था।हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव के यूट्यूब पर महारानी के चौथे सीजन का टीजर रिलीज किया गया है और हुमा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। 50 सेकेंड के इसके टीजर में हुमा कुरैशी रानी भारती के किरदार में दिखने वाली हैं, जो बिहार की प्रधानमंत्री हैं। इसके टीजर में हुमा बिहार को अपना परिवार बता रही हैं और कह रही हैं अगर किसी ने उनके परिवार को नुकसान पहुंचाया तो वह उसकी सत्ता हिलाकर रख देंगी। साथ ही इसमें हुमा को चुनौतियों से लड़ते हुए दिखाया गया है। महारानी सीरीज का चौथा सीजन सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से भरा नजर आ रहा है।महारानी वेब सीरीज के चौथे सीजन का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इससे फैंस की बेसब्री सीरीज को लेकर और बढ़ चुकी है। हालांकि, अभी तक सीरीज के रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं आई है।महारानी सीरीज 2021 में सोनी लिव पर शुरू हुई थी। इस शो में हुमा कुरैशी ने रानी भारती का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और अनपढ़ गृहिणी थी। वह अचानक अपने पति भीमा (सोहम शाह) के चोटिल होने के बाद बिहार की मुख्यमंत्री बन जाती है। फिर इसी के आधार कहानी को आगे बढ़ाया जाता है। इस सीरीज का दूसरा सीजन जुलाई 2022 में आया, वहीं तीसरा सीजन पिछले साल मार्च में आया था। पुनीत प्रकाश के निर्देशन में बनी महारानी का चौथा सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच में आने वाला है।

आईफा छोड़ सेशेल्स में छुट्टियाँ मना रही हैं अनन्या

इन दिनों आईफा अवॉर्ड्स की भी धूम है और जयपुर में फिल्मी सितारों का जमावड़ा लगा है। आज यानी रविवार को आईफा अवॉर्ड्स का फिनाले है। लेकिन यहां अनन्या पांडे नहीं दिख रही है। अनन्या अपने पिता चंकी पांडे, मां भावना और बहन के साथ छुट्टियां मना रही हैं। अनन्या ने अपनी छुट्टियों की तस्वीरें भी फैन्स के साथ शेयर की हैं। जिनमें अनन्या समुद्र किनारे बीच पर बिकनी में पोज देती दिख रही हैं।

अनन्या ने बिकिनी में अपने बीच बेब लुक को दिखाया और अपने को और बेहतर बनाने के लिए सननीज़ पहनी। बाद में उन्होंने इसे श्रग के साथ स्टाइल किया। हिंडोला में पोज देती हुई अनन्या ने 100 साल पुराने कछुओं को खाना खिलाया। उनकी एक तस्वीर में उनकी बहन रयसा भी दिखाई दे रही हैं। इन सभी को एक साथ जोड़ते हुए, अनन्या ने लिखा, 'वह सेशेल्स में समुद्र के किनारे समुद्री सीप बेचती है, मुझे 100 साल पुराने कछुओं को खाना खिलाते हुए देखने के लिए स्वाइप करें।' अनन्या की मां भावना पांडे ने आग, लाल दिल और बुरी आंखों वाले इमोजी के साथ तस्वीरों पर प्रतिक्रिया दी। अनन्या की तस्वीरों पर उनकी बेस्ट फ्रेंड सुहाना खान ने कमेंट किया, हॉट। उन्होंने एक प्यार भरी आंखों वाला इमोजी भी जोड़ा। प्रशंसकों ने भी गहराइयां अभिनेता की तस्वीरों पर प्यार बरसाया।

इस बीच फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स स्टार भावना पांडे ने सेशेल्स में अपनी छुट्टियों से एक पारिवारिक तस्वीर साझा की। भावना ने उनकी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'सेशेल्स' अपनी पसंदीदा लड़कियों और उनकी सबसे बड़चीयरलीडर के साथ महिला दिवस मना रही हूं।' साल 2024 अनन्या पांडे के लिए प्रोफेशनल फ्रंट पर शानदार रहा। वह कॉल मी बे और सीटीआरएल का हिस्सा थीं। इसके बाद वह एक आगामी फिल्म में अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। करण जौहर द्वारा 2024 में घोषित यह प्रोजेक्ट तीनों का पहला सहयोग है और इसका नाम केसरी चैप्टर 2 है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिल और दिमाग को शान्त रखना होगा जो भी काम हाथ पर आए उसे तुरंत करते जाए .आज आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए. एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें. नए व्यक्ति से मुलाकात या दोस्ती होने के योग हैं. परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं.परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बीतेगा, कोई आर्थिक कमजोरी हैं तो परिवार की मदद से दिक्कतें दूर होंगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को घर के बुजुर्गों को पूरा समय देना चाहिए बच्चों के साथ खेल कूद मे समय बिताना चाहिए आर्थिक रूप से दिन शुभ है और कुछ महत्वपूर्ण सौदे भी हो सकते है. मित्रों के साथ साझेदारी कारोबार में प्रवेश कर सकते हैं. कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी . पेशेवर रूप से आप लोकप्रियता और प्रशंसा हासिल करेंगे. आप के नये नये प्रयोग वित्तीय लाभ कराएंगे . व्यक्तिगत संबंधों में खुशी और आनंद प्राप्ति होगी. आप का समय सामाजिक कार्य मे व्यतीत होगा पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

रिश्तो की नजदीकियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए आज होने वाले बिजनेस के सौदे आप को फायदे मे लाकर खडा कर देंगें परन्तु मन में चिंता की लहरे उमडती रहेंगी अनेक प्रकार की अनिश्चितता के कारण मानसिक बेचैनी रहेगी. अपने उद्देश्यों की ओर शान्ति से बढ़ते रहें अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है, क्योंकि आपके पास आराम के कुछ लम्हे होंगे. परिवार के साथ समय बिताना जीवन का सबसे सुखी पल हैं ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को शरीर मे गजब की उर्जा की जरूरत हैं दुर्गा जी का जप करें दिन ठीक–ठाक रहेगा. आज किसी पर गुस्सा करने से बचें. अन्यथा आप परेशानी में पड़ सकते हैं. भाई–बहनों मे आपसी प्रेम बढेगा रिश्तों में मजबूती आयेगी.परन्तु आपको किस्मत का साथ नही मिलेगा कर्म पर ही भरोसा करना पडेगा. जरूरत से ज्यादा भावुक होना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है. आप की कार्यशैली की लोग प्रशंसा करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप को अपने सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभालने की कोशिश करेंगे.छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप को आगे बढ़ना चाहिए . जो काम आपको दिया जाएगा, उसे निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. लोग अपनी परेशानियां आपके सामने रख सकते हैं.आप को जरुरतमंदो की सामाजिक तौर पर मदद करनी चाहिए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन बहुत उतार–चढ़ाव का रहेगा । कोई भी निर्णय बहुत जल्दबाजी मे करते हैं तो आप मुश्किलों मे गिर सकते है आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. किन्तु आत्मविश्वास और कौशल के बल पर आप विजयी बनेंगे. आप को अपने विरोधियों पर नजर रखना होगा. यात्रा हो सकती है, यात्रा एकदम आरामदायक रहेगी अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें. अधिक खर्चा भविष्य मे दिक्कतें दे सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज क्रोध पर संयम रखें । मन मे तो दुविधा चलती रहेगी परन्तु संयमपूर्वक दृढनिश्चयी होकर एक निर्णय पर आना पडेगा । किसी के साथ वाद–विवाद या झगड़े में पड़ने से मामला खराब हो सकता है. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. दुष्टजनों से सतर्क रहें. समय अनुकूल है. नई शुरू की परियोजनाएं उम्मीद के मुताबिक़ परिणाम नहीं देंगी. चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें– निवेश करने में काफ़ी सावधानी बरतें. आप मीडिया मे कार्यरत हैं तो आज बहुत दिक्कतों के साथ काम पूरा होगा ओवरटाइम भी करना पड सकता हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सुकून भरा रहेगा. आज पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी– सी मेहनत करने पर ही मुकाम हासिल होगा कारोबार के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आज अपने आसपास के लोगों के इरादे आसानी से समझ जायेंगे. आप उच्चपद पर कार्यरत हैं तो धं लाभ सम्भव हैं आप अपने काम में सामाजिक संपर्कों का फायदा उठाने में सफल हो सकते हैं. मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करे जीवन मे रौशनी होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन उत्साहवर्धक रखेगा मित्रों की हरेक काम में मदद मिल सकती है. महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है. आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए. दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आप–को करने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ ज्यादा समय बीतेगा. किसी तरहका दबाव या काम का बोझ कम हो सकता है , अपने जीवन साथी के साथ सम्बन्धन मे मधुरता बना रखे जीवन की प्रत्येक तकलीफ आप को खोटी दिखाई देगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नये व्यापार का योग प्रबल बन रहा हैं साझेदारी मे भी बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. आप अपने संपर्कों को बढ़ाएंगे और कुछ लाभकारी संपर्क भी स्थापित करेंगे. आर्थिक रूप से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा. आय में वृद्धि होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी मिल सकता है. घरेलू मोर्चे पर सामंजस्य रहेगा और शादी, जन्म या धार्मिक समारोह जैसा कार्यक्रम मनाया जा सकता है.एकाएक यात्रा पर जाना पड सकता हैं दही धनिया का सेवन करके प्रस्थान करें सब मंगल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपनी माता का पूरा सम्मान करें आज्ञा का पालन करें , चरणों को छूकर घर से प्रस्थान करें , आज आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य करेंगे. कुछ व्यावसायिक यात्राएं होंगी. आप अध्ययन में गहरी रुचि रखेंगे. सफर के लिए दिन ज्यादा अच्छा नहीं है. आर्थिक सुधार होगा और धन आपकी तरफ आएगा. आपके सामने नई चुनौतियां आ सकती हैं. किसी भी तरह के जोखिम वाले काम से सम्हलकर रहें दुर्घटना सम्भव हैं महामृत्युंजय मंत्र का स्मरण करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सुबह जब पूजा मे बैठते हैं उसी समय प्रभु से मन मे प्रार्थना करें आप का समय निर्विघ्न होगा । आज आपका दिन अनुकूल रहेगा. आज किसी काम से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. कुछ निजी कामों में भाई का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से आपको खूबसूरत तोहफा मिल सकता है. आज उन लोगों से बातचीत करने के लिए अच्छा दिन है, जिनसे आपकी मुलाकात कभी– कभी ही होती हैं ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 10 मार्च 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 07:47 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 12:52 तक
योग : शोभन दोपहर 01:55 तक
करण : विष्टि प्रातः 07:47 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान को प्रमुख औद्योगिक केन्द्र बनाना हमारा लक्ष्य : भजनलाल

जयपुर,09 मार्च (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हुए एमओयू को धरातल पर लागू करने की दिशा में प्रभावी रूप से कार्य किया जा रहा है, जिसके सुखद परिणाम आ रहे हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को एमओयू की क्रियान्विति के लिए परस्पर सामंजस्य और सतत् मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए एमओयू की क्रियान्विति सुनिश्चित कर रही है। जिन निवेशकों ने एमओयू किया हैं, उनमें से कई निवेशकों ने तो धरातल पर कार्य भी प्रारंभ कर दिया है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान को देश का प्रमुख औद्योगिक केन्द्र बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में उन्होंने रीको को प्रदेश में नए औद्योगिक क्षेत्र के लिए जमीन की संभावना तलाश करने के लिए भी निर्देशित किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने रीको को लैंडबैंक बनाने के लिए जिला कलक्टर्स के साथ कार्य करने के लिए निर्देशित दिए। इस लैंडबैंक के माध्यम से निवेशकों को जमीन की उपलब्धता के बारे में सुगमता से जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने मुख्य सचिव को जमीन आवंटन के प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने के लिए भी निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य के दृष्टिगत प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र का विकास अतिआवश्यक है। इसलिए जिलों से लेकर गांव–ढ़ाणी तक राज्य सरकार की योजनाओं एवं नीतियों की प्रगति, बजट 2025–26 एवं राइजिंग राजस्थान एमओयू के क्रियान्वयन की सघन समीक्षा की जाए। इसी क्रम में मुख्यमंत्री आगामी दिनों में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम जिला प्रशासन के कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पर्यटन विभाग ने राइजिंग राजस्थान समिट के अंतर्गत हुए एमओयू के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री इसी कड़ी में आगामी समीक्षा बैठक में नगरीय विकास एवं आवासन तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा किए गए एमओयू की विभागवार समीक्षा करेंगे। आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री ने ऊर्जा और जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। शर्मा ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवा की उपलब्धता सहित आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जिलों का नियमित दौरा भी करें। साथ ही, अधिकारी आमजन से जुड़ी सभी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव उपस्थित रहे।

नेत्रदान महादान, इसके लिए अधिकाधिक लोगों को प्रेरित किया जाए : राज्यपाल

जयपुर,09 मार्च (एजेंसियां)।
राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि नेत्रदान महादान है। इसके लिए अधिकाधिक लोगों को प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 1.25 करोड़ लोग दृष्टिहीन हैं। अंधता निवारण में नेत्रदान की संस्कृति विकसित करने में सभी सहयोग करें। राज्यपाल बागडे रविवार को 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' द्वारा आयोजित 'नेत्रदानी परिवार सम्मेलन समारोह' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नेत्रदान से जुड़े परिवारों का अभिनंदन और स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया।

उन्होंने कहा कि मृत्यु से पूर्व नेत्रदान का संकल्प कर यदि व्यक्ति अपनी आँखें दान कर जाएँ तो देश के सभी नेत्रहीन लोगों को एक ही साल में आँखें मिल जाएंगी। उन्होंने कहा कि जो नेत्रदान करता है, वह साधु होता है। मनुष्य वही है जो मनुष्य के काम आए। राज्यपाल बागडे ने इससे पहले आई सोसायटी के वार्षिक प्रतिवेदन का भी लोकार्पण किया।

उदयपुर मर्डर मिस्ट्री लव, धोखा और कत्ल

उदयपुर,09 मार्च (एजेंसियां)।
उदयपुर में एक चौंकाने वाली वारदात सामने आई, जहां दिनदहाड़े एक पति–पत्नी ने प्रेम प्रसंग के चलते युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए, लेकिन उनका भागते हुए वीडियो सामने आया है, जिसमें युवक के हाथ खून से सने नजर आ रहे हैं। हत्या का शिकार डूंगरपुर निवासी जितेंद्र मीणा (30) एक निजी अस्पताल में कंपाउंडर था, जबकि आरोपी दंपति नरसी और डिंपल (25) भी डूंगरपुर के रहने वाले हैं। डिंपल भी एक निजी अस्पताल में नर्स थी। जितेंद्र और डिंपल पिछले 5 महीनों से लिव–इन में रह रहे थे। घटना के समय मकान मालिक खेत पर गया हुआ था, तभी नरसी कमरे में घुसा और जितेंद्र की पीठ पर ताबड़तोड़ चार से पांच बार चाकू से वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तीन मिनट में खौफनाक वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में लव अफेयर की बात सामने आई है, लेकिन नरसी और डिंपल ने इस मर्डर को क्यों अंजाम दिया।

फेसबुक पर दोस्ती, फिर हनी ट्रैप

व्यापारी से 1 लाख की ठगी, महिला समेत गैंग का सरगना गिरफ्तार

कोटा,09 मार्च (एजेंसियां)।
अनंतपुरा थाना पुलिस ने हनी ट्रैप गैंग के मुख्य सरगना और महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। गैंग फेसबुक के जरिए व्यापारियों को जाल में फंसाकर लूटपाट करता था। हाल ही में एक व्यापारी को फेसबुक पर दोस्ती कर सुनसान जगह बुलाया गया और 1 लाख रुपये की ठगी की गई। कोटा पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 3 मार्च को एक व्यापारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि फेसबुक पर 'मोनिका सिंघानिया' नाम की आईडी से उसकी दोस्ती हुई। पांच दिन की बातचीत के बाद 25 फरवरी को उसे कर्णेश्वर महादेव मंदिर के पास बुलाया गया। जैसे ही व्यापारी वहां पहुंचा, चार लोगों ने उसे कार में किडनैप कर लिया। तीन घंटे तक डरा–धमकाकर ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए उससे 1 लाख रुपये ठग लिए गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी दिलीप सैनी के निर्देशन में एक विशेष टीम बनाई गई। जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना सागर अग्रवाल उर्फ नन्नू फरार है, जबकि उसके तीन साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस ने लगातार दबिश देकर 8 मार्च को सागर अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, सागर अग्रवाल उद्योग नगर में अपनी मुंहबोली बहन रहनुम्मा के साथ लिव–इन में रह रहा था। उसकी दोस्ती साजन वैष्णव और शोएब से हुई, जो पहले से ही ठगी के मामलों में संलिप्त थे।

सभी राजनीतिक दल अपनी–अपनी पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट करें नामित : पंकज अग्रवाल

चंडीगढ़,09 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने प्रदेश में राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से आह्वान किया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशा अनुसार सभी राजनैतिक दलों को अपने–अपने पार्टी के बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करना अनिवार्य है। आगे से बीएलए का रिकॉर्ड राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों को भी रखना होगा।

पंकज अग्रवाल आज इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में दिल्ली के भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन परिषद में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ था जिसमें भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलए की नियुक्ति करवाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 6 लाख 32 हजार 503 है तथा 20031 बीएलओ पद नामित है। उन्होंने कहा कि हरियाणा 6 राष्ट्रीय स्तर तथा दो राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं। सभी दलों को बूथ लेवल एजेंट 1 और 2 की नियुक्ति करनी है। राजनीतिक दलों के लिए बूथ लेवल एजेंट एक प्राधिकृत व्यक्ति है जो मतदान से संबंधित सामग्री अपनी पार्टी के लिए चुनाव आयोग से लेता है।

उन्होंने कहा कि त्रुटि रहित मतदान सूची तैयार करने में बीए–लओ को मतदाताओं के संबंध में आवश्यक जानकारी बूथ लेवल एजेंट उपलब्ध करवाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करने की चुनाव आयोग ने सिफारिश की थी, लेकिन अधिकांश राजनीतिक दल इसके प्रति गंभीर नहीं हैं।

नायब सिंह ने विधायक रणधीर पनिहार की माता के निधन पर जताया शोक

चंडीगढ़,09 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को जिला हिसार के गांव पनिहार पहुंचकर विधायक रणधीर पनिहार की माता रामप्यारी के निधन पर शोक व्यक्त किया और परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला भी उपस्थित थे।

सैनी ने पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान को दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़,09 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके दादरी स्थित आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सतपाल सांगवान की धर्मपत्नी, उनके सुपुत्र विधायक सुनील सांगवान तथा समस्त परिजनों के प्रति सांत्वना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने शोक संदेश में कहा कि चौ. सतपाल सांगवान के आकस्मिक निधन से समाज, परिवार व मित्रों को जो गहरा दुख हुआ है, इस के लिए परमपिता परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सतपाल सांगवान का जीवन सात्वीक, सामाजिक व लोगों से स्नेह का रहा है।

नायब सैनी ने पद्मश्री साहित्यकार डॉ. संतराम देशवाल और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर को किया सम्मानित

चंडीगढ़,09 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आज उनके निवास संत कबीर कुटीर पर पद्मश्री से सम्मानित साहित्यकार डॉ संतराम देशवाल और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर ने सपरिवार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ संतराम देशवाल और हरविंदर को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और पद्मश्री सम्मान प्राप्त करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने भी पद्मश्री सम्मान के लिए बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि डॉ संतराम देशवाल हरियाणवी लोक साहित्य के साथ–साथ हिन्दी साहित्य के भी प्रतिष्ठित विद्वान हैं। उनकी पहचान हरियाणा की लोकभाषा, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य के संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठापित हो चुकी है। देशवाल जी का जीवन और कृतित्व हरियाणवी लोक संस्कृति, लोक साहित्य, हिंदी साहित्य, शिक्षा, पत्रकारिता, संपादन, शोधकार्य, शोध–निर्देशन और समाज–सेवा के प्रति समर्पित रहा है।

हरविंदर सिंह पैरा–तीरंदाज हैं। वे पहले भारतीय पैरा तीरंदाज बने, जिन्होंने पैरालिंपिक और एशियाई पैरा खेलों में भारत के लिए ऐतिहासिक पदक जीते। इन्हें पैरा–तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए 2021 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया

समाज के निर्माण में स्वामी दयानंद सरस्वती की बहुत बड़ी देन : बंडारू

चंडीगढ़,09 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्त–त्रेय ने कहा कि समाज के निर्माण में स्वामी दयानंद सरस्वती की बहुत बड़ी देन है। हमें आर्य समाज के मूल्यों को घर–घर तक पहुंचना है और इसके लिए जन–जन में क्रांति लानी है। सभ्य समाज और राष्ट्र के निर्माण में आर्य समाज की बहुत बड़ी सार्थक भूमिका होगी।

राज्यपाल दत्तात्रेय रविवार को स्थानीय दयानंद मठ, रोहतक में स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित आर्य महासम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। आर्य महासम्मेलन की अध्यक्षता गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। हरियाणा के राज्यपाल दत्तात्रेय ने आर्य सभा को 31 लाख रुपए, गुजरात के महामहिम राज्यपाल देवव्रत और शिक्षा मंत्री ढांडा ने 21–21 लाख रुपए देने की घोषणा की।

अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल दत्तात्रेय ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के साथ–साथ देशवासियों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने का काम कर रहे हैं, जो कि बहुत ही सराहनीय है। उनके इन कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए कार्य किया। हमें उनको मिलकर आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में युवाओं में संस्कार भरने हैं ताकि उनके सही व्यक्तित्व का निर्माण हो सके। इसके साथ ही उन्होंने विशेष कर महिलाओं और युवाओं में महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंसान के अंदर दया भाव, शांति और क्षमा का भाव होना चाहिए, जो संदेश स्वामी दयानंद ने मानव जीवन के मूल्यों के प्रति दिया था। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से युवाओं को नशे से बचाने का भी आह्वान किया। दत्तात्रेय ने कहा कि देश में लागू हो रही नई शिक्षा नीति देश की युवा पीढ़ी को गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा देने के साथ–साथ सही दिशा देने का काम करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस दूरगामी सोच के बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

प्रशांत किशोर का तीखा हमला

नीतीश कुमार को जनता नकार चुकी बिहार में अधिकारियों का जंगलराज

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। प्रशांत किशोर (पीके) ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस इच्छाशक्ति के साथ जनता ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था, उस पर वे खरा नहीं उतर सके हैं। बिहार में पहले अपराधियों का जंगलराज था, लेकिन अब यह अधिकारियों के जंगलराज में तब्दील हो गया है। पीके ने दावा किया कि नीतीश कुमार की प्रशासनिक क्षमता समाप्त हो चुकी है और अब बिहार में बदलाव की बयार बह रही है। उन्होंने बीजेपी, आरजेडी और जेडीयू को एक ही थाली के

चट्टे-बट्टे बताते हुए कहा कि सत्ता के लिए ये दल बार-बार गठबंधन बदलते रहते हैं।

मुजफ्फरपुर के सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी 'जन सुराज' किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार में कई दलों के नेताओं का मोहभंग हो रहा है और लोग उनके दल में शामिल हो रहे हैं। जनता से मिल रहे फीडबैक के आधार पर साफ है कि लोग नीतीश कुमार को हटाने के पक्ष में हैं। पीके ने ऐलान किया कि 'जन सुराज' बिहार की सभी 243 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगा।

प्रशांत किशोर ने खुलासा किया कि जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर जीतन राम मांझी को सत्ता सौंपी थी, तब वे उनसे दिल्ली में मिले थे। पीके के अनुसार, उन्होंने ही नीतीश को सत्ता में वापसी करने और बिहार को फिर से नेतृत्व देने की सलाह दी थी। उस समय उनका गठबंधन राजद के साथ था, जिससे लालू प्रसाद यादव की पार्टी को भी बड़ा फायदा मिला। हालांकि, अब वे वही नेता नहीं रहे जो कभी सुशासन के लिए जाने जाते थे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि शुरूआती दिनों में नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन की नींव रखी थी, लेकिन अब वे पूरी तरह सत्ता के लोभ में डूब चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की जनता अब उनसे पूरी तरह मोहभंग हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद वे गद्दी छोड़ने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार में नीतीश कुमार के खिलाफ माहौल बन चुका है और लोग तेजी से 'जन सुराज' से जुड़ रहे हैं। आने वाले विधानसभा चुनावों में इस बदलाव का असर साफ दिखाई देगा।

दलितों के पैसे के दुरुपयोग के खिलाफ करेंगे जन आंदोलन: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि दलितों के पैसे का अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ एक जन आंदोलन बनाया जाएगा। उन्होंने शनिवार को विधायक निवास पर सभी दलित संगठनों की बैठक के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने कहा इसके लिए दलित संगठन 10 टीमें बनाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि वह अगले सप्ताह राज्य का दौरा करेंगे। राज्य का दौरा करने के बाद उन्होंने बेंगलूरु में समुदाय के 5 लाख से अधिक लोगों को एकत्र करने और इस सरकार को सबक सिखाने का निर्णय लिया है। हम इसे कानून के उल्लंघन के लिए अदालत में ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सरकार को ठप करने में सफल होंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के नेतृत्व में हमने दलितों

के साथ हो रहे अन्याय को दूर करने और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरे राज्य में लड़ाई लड़ी है। उन्होंने बताया कि अब जब दलित नेता और संगठन इसमें शामिल हो गए हैं तो उन्हें और अधिक ताकत मिली है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि सिद्धरामैया ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि वह दलित विरोधी हैं। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि सिद्धरामैया दलितों का उत्थान कर उन पर अत्याचार करने का काम कर रहे हैं। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा क्या सरकार और मुख्यमंत्री ये 5 साल सिर्फ गारंटी पर ही गुजारने वाले हैं? क्या आपमें विकास करने की क्षमता नहीं है? बैठक में पूर्व मंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. नारायणस्वामी, राज्य उपाध्यक्ष कोल्लेगल महेश और दलित संगठनों के नेता शामिल हुए।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शनेश्वरा स्वामी पुण्यक्षेत्र देवालय चामराजपेट में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान श्री शनि देवता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

मेडिकल कॉलेज मैदान में आरएसएस द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

भाजपा के मंत्री-सांसद ने जमकर उड़ाए रंग

दरभंगा (एजेंसियां)। होली की मस्ती चरम पर है, और इसी उत्साह के बीच दरभंगा के मेडिकल कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी, नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा, दरभंगा सांसद गोपालजी ठाकुर, आरएसएस के विभाग संचालक रवि जी, नगर संचालक दिनेश जी, नगर कार्यवाह राजीव कुमार झा सहित सैकड़ों लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मंत्री संजय सरावगी ढोलक की थाप पर होली के गानों पर झूमते नजर आए, तो वहीं नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने भी थाप और संगीत की धुन पर जमकर नृत्य किया।

वहीं मंत्री संजय सरावगी ने इस अवसर पर कहा कि अगली होली से पहले बिहार में एनडीए सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि इस बार की होली खास है, क्योंकि अगली होली से पहले बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। पूरा माहौल एनडीएमय हो चुका है।

होली का अपना अलग आनंद है, और लोग रंग-गुलाल में सराबोर हो रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह आयोजन शानदार रहा। मैं खुद भी संघ का स्वयंसेवक हूं और यह संगठन सदैव राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करता है। संघ के 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।

बिहार के नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने कहा, 'मिथिला की धरती पर उमंग और उल्लास से भरी होली मनाई जा रही है। यह सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और गिले-शिकवे मिटाने का भी पर्व है। दरभंगा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में सभी ने एकजुट होकर भाईचारे का संदेश दिया है। सम्पूर्ण हिंदू समाज एक है और हमें इसी भावना से आगे बढ़ना है।

अस्मिता खेलो इंडिया में शेखपुरा की सात बेटियों ने जीते पदक, जिले का बढ़ाया मान

मुंगेर (एजेंसियां)। पटना के साई सेंटर में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया ताइक्वांडो सिटी लीग 2024-25 में शेखपुरा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बिहार ताइक्वांडो संघ, खेलो इंडिया (मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, भारत सरकार) और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्व-ावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में शेखपुरा की 12 में से 7 बेटियों ने पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। इस उपलब्धि से जिले में हर्ष की लहर दौड़ गई।

शेखपुरा जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय कोच विश्वजीत कुमार ने बताया कि

खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

जूनियर महिला वर्ग में श्वेता कुमारी ने अंडर-59 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि सृष्टि कुमारी ने अंडर-68 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंशु प्रिया ने अंडर-42 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया और श्रेया शुभम ने अंडर-55 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।

सीनियर महिला वर्ग में आण्वी शौर्य ने अंडर-49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि सानू प्रिया ने अंडर-46 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। किरण कुमारी ने अंडर-62 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया।

इसके अलावा, राष्ट्रीय कोच एवं राष्ट्रीय तकनीकी पदाधिकारी अमर कुमार को इस प्रतियोगिता में तकनीकी पदाधिकारी के रूप में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया गया। शेखपुरा की इन बेटियों की सफलता ने जिले को गौरवान्वित किया है और खेल प्रेमियों में उत्साह भर दिया है।

सरिया लोड ट्रक पुल के डिवाइडर से टकराया, चालक और खलासी की मौत

पटना (एजेंसियां)। नालंदा में रविवार सुबह एनएच-20 पर सरिया लदा ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया, जिससे चालक और खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा दीपनगर थाना क्षेत्र के कंचनपुर पुल के पास हुआ। मृतकों की पहचान नवादा जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के देवकी बिगहा निवासी गौरव कुमार (24) के रूप में हुई, जो ट्रक का चालक था। वहीं, खलासी नवादा जिला के वारसलीगंज थाना क्षेत्र के चंडीपुर निवासी अखिलेश कुमार (24) था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का केबिन

पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद चालक को तुरंत बाहर निकाल लिया गया, जबकि खलासी का शव सरिया के नीचे दब गया। प्रशासन और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत कर तीन घंटे बाद शव को बाहर निकाला। हादसे के कारण कंचनपुर पुल के पास नेशनल हाईवे का एक तरफ का मार्ग अवरुद्ध हो गया। दो हाइड्रा मशीनों की मदद से ट्रक पर लदा सरिया हटाया गया। बताया जा रहा है कि ट्रक झारखंड के बोकारो से बिहार शरीफ के सोहसराय जा रहा था।

सूचना मिलने पर मृतकों के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों की चीत्कार से अस्पताल परिसर गमगीन हो गया। मामले को लेकर दीपनगर थाना अध्यक्ष जितेंद्र राम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में झपकी आने के कारण हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सड़क हादसा में ड्राइवर समेत चार की मौत, मचा कोहराम

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों और एक ऑटो चालक की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। शवों के सदर अस्पताल पहुंचते ही परिजनों को हादसे की सूचना मिली, जिसके बाद अस्पताल में कोहराम मच गया। परिजनों के क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। शोक में डूबे परिजन शवों को देखने के लिए पोस्टमार्टम कक्ष की ओर दौड़ पड़े, जिन्हें मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों ने रोकने की कोशिश की।

वार्ड सदस्य आनंद महतो ने बताया कि मृतक भरत और उसका भाई लालू कोलकाता में मजदूरी करते थे।

भरत होली के लिए अपने घर लौट रहा था। 6 मार्च को उसकी ससुराल के बगल में एक शादी थी, जिसमें वह अपनी पत्नी अंजली और भतीजी रीता के साथ शामिल हुआ था। शादी सम्पन्न होने के बाद वह अपने निवास

स्थान मधेसरा, भुतही (वार्ड-8) लौट रहा था।

शाम करीब 5:45 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि ऑटो सड़क से 10 फीट नीचे धर्म काटा की दीवार तक घसीटता चला गया। इस कारण ऑटो में सवार सभी लोग बुरी तरह फंस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे में मृतक भरत का परिवार संयुक्त परिवार था। परिवार में सोगारथ साह, उनकी पत्नी गीता देवी, चार पुत्र मिट्ठू साह, लालू साह, भरत साह और लालमोहन साह शामिल थे। इनमें मिट्ठू साह और उनकी पत्नी दिव्यांग हैं और उनका एक पुत्र भी है। भरत का भाई लालू भी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था।

टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो चुका था। हालांकि, स्थानीय लोगों ने खलासी को पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही 5:50 बजे भासर पिकेट प्रभारी अनुराग ठाकुर मौके पर पहुंचे और स्थानीय लो-गों की मदद से राहत कार्य शुरू कराया। इसके बाद 6 बजे सदर सीडीपीओ वन राम कृष्णा और नगर थाना समेत कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई।

भरत और अंजली की शादी को डेढ़ साल हो चुके थे। अंजली गर्भवती थी, और इस खबर से दोनों पति-पत्नी बेहद खुश थे। लेकिन दुर्भाग्यवश, उनकी खुशियों को नजर लग गई। एक दर्दनाक हादसे में न सिर्फ भरत और अंजली की मौत हो गई, बल्कि गर्भ में पल रहे उनके बच्चे की भी जान चली गई। इस हादसे में भरत की चार वर्षीय भतीजी की भी मौत हो गई।

परिजनों ने बताया कि भरत की शादी डेढ़ साल पहले अंजली से हुई थी। वह लुधियाना में रहकर काम करता था। अभी तक दंपती को कोई संतान नहीं थी। भरत की भतीजी अक्सर उसके साथ ही रहती थी, इसी वजह से वह उसे शादी समारोह में साथ ले गया था। हादसे की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।

नक्सल इलाके में 15 साल के लड़के की निर्मम हत्या

गया (एजेंसियां)। गया के इमामगंज अंतर्गत सलैया थाना क्षेत्र के सरदामा गांव में अपराधियों ने 15 साल के लड़के की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सरदामा गांव के रहने वाले मुखदेव यादव के 15 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार में रूप में हुई। इधर, घटना की सूचना मिलने ही इमामगंज एसडीपीओ अमित कुमार, सलैया थानेदार श्रीनारायण यादव, कोठी थानेदार संजीत कुमार सहित एसएसबी के अधिकारी और जवानों घटनास्थल पर पहुंचे कर मामले की छानबीन शुरू कर दिया है। इमामगंज एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि सलैया थाना क्षेत्र के सरदामा गांव में एक बच्चे को अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियारों से हमला कर गला काटकर हत्या कर दिया है। इसके सूचना के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज भेजा रहा है।

गोपालगंज में पोखरे में मिला प्रेमी-प्रेमिका का शव, हत्या के आरोप में भाई गिरफ्तार

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र के शेख बेइली गांव के चंवर में स्थित पोखरे से युवक-युवती के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान पंचदेवरी प्रखंड के राजा-पुर महंत गांव निवासी अकलू महतो की 18 वर्षीय बेटी पूजा कुमारी के रूप में हुई है, जबकि युवक कटेया थाना क्षेत्र के मगहिया गांव निवासी रामबड़ाइ खटीक का पुत्र धर्मेंद्र खटीक था। पूजा का शव शनिवार को मिला, जबकि धर्मेंद्र का शव रविवार को उसी पोखरे से बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गोपालगंज भेज दिया।

शुक्रवार देर शाम धर्मेंद्र खटीक के पिता रामबड़ाइ खटीक ने कटेया थाना में बेटे के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने राजापुर महंत गांव के कुछ लोगों पर संदेह जताया था। इस शिकायत के आधार पर थाना

प्रभारी किशोर चौधरी के नेतृत्व में पुलिस ने जांच शुरू की।

शनिवार सुबह शेख बेइली गांव के चंवर में स्थित पोखरे से पूजा कुमारी का शव बरामद हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

संदेह के आधार पर पुलिस ने मछुआरों की मदद से पूरे तालाब को खंगालना शुरू किया। रविवार सुबह उसी पोखरे से धर्मेंद्र का भी शव बरामद हुआ।

ग्रामीणों के मुताबिक, पूजा और धर्मेंद्र के बीच पिछले कई महीनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर पूजा के भाई रमेश महतो को हिरासत में लिया और सख्ती से पूछताछ की। रमेश ने स्वीकार किया कि उसने बहन और धर्मेंद्र को साथ देखा था, जिससे गुस्से में आकर उसने पूजा की गला दबाकर हत्या कर दी और शव पोखरे में फेंक दिया। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और धर्मेंद्र की मौत की वजह का पता लगाने में जुटी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com